

# असीधार्गा EXTRAORDINARY

NITE II—Section 3—Sub-section (ii)

# भाषिकार ने प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

# 63

न है बिल्ली, सोमधार, फरवरो 7, 1994/साघ, 18 1915 साका

No. 63] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 7, 1994/MAGHA 18, 1915 (SAKA)

# पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संवालय

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1991

का. मा. सं. 95(म्) — यतः पैट्टोलियम और खिलिण पाइनलाईन भूमि में उनयोग के प्रधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अबीन भारत सरकार के पैट्टोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ग्रिधिसूचना का. आ सं. 420(ई) तारीख 30-6-93 द्वारा केट्टीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से संलग्न धनुसूची में विनिधिष्ट भूकियों में उपयोग के ग्रिधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अणित करने का श्रयना ग्रामय घोषत कर दिया था।

अप्रैर प्रतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियसकी धारा 6 की उपप्रारा (1) के अधीन सरकार को रपोर्ट दे दी है।

ग्रीर ग्रागं, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्राधिसूचना से संलग्त अनुसूचि में विनिदिष्ट भूमियों के उपयोग का श्रीविकार श्रीजित करने का विनिष्चय किया है।

श्रव, श्रवः उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदल शक्ति का प्रयोग करने हुए केस्द्रीय सरकार एस**द्** बारा घोषित करनी है कि इस श्रधिसूचना में संकान अनुसूची में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का **प्र**शिकार पाइपलाइन विद्यान के प्रयोजन के किए एनद्वारा श्राजिन किया जाता है।

श्रीर आगे उस धारा को उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होंगे की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आमीग में, सभी बाआओं से सकत इस्प में, घोषणा के प्रकाशन की देश कारीज को निहित होगा। 23/15

1	2	3	4	5	6 .	7
	27/2, 1	0	09	0	0	22
	27/1, 2	υ	01	5	U	0.4
	27/1	o	05	5	0	13
	24	0	04	5	0	11
	11	U	12	0	0	30
	11	0	1.4	U	0	34
	11	0	0.0	5	0	01
	<b>7 5</b> / 3	0	02	U	0	05
	75/1	0	0.1	0	0	03
	7 5/1	0	01	0	0	02
	75/1	0	04	0	0	10
	7 5/ 1	0	07	5	0	19
	7 5/1	9	0.5	5	0	14
कुल मिलकार		2	04	5	5	07

[सं. ऑ-12016/133/93/म्रा.एन.जी.-शी-LV] एम. मार्टिन, डैस्क म्रविकारी

District: West Godavari

# MINISTRY OF PETROLEUM & NATURAL GAS

New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. No. 95(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 420(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acqfired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### **SCHEDULE**

R.O.U. flow pipe line from Laxmaneswaram village well No 3 and 5 to G.C.S. Narsapur.

State : Andhra Pradesh Mandal : Narsapur

Village	S. No.	Hecters	Ares	Centiars	Acres	Cents.
Laxmaneswaram	297/9	0	01	0	0	02
	297/9	0	03	0	0	07
	297/9	0	01	0	O	02
	297/9	0	03	5	0	09
	298	0	01	5	O	04
	298	0	03	0	0	07
	298	0	01	0	O	03

# श्र<u>धियु</u>चना

#### नएं दिल्ली, १ फल्बरी, 1994

का. ब्रा. 96(ब्र).—यतः पैट्रानियम और खनिज पाइगलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन श्रीक्षित्यम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अर्थीन भारत सरकार के पैट्रीलियम और प्राकृतिक गैम मंजालय की अधिसूचना का. ब्रा. सं. 421 (ई) तारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संनयन अनुसूची में विनिर्धिट भूमियों में उपयोग के अधिकार की पाइपलाइनों की विछाने के लिए अजित करने का अपना आश्रय श्रीकित कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उपत श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और श्रागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रक्षिसूचना से संलग्न श्रनूसूर्च∂ में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का श्रधिकार श्रीकित करने का विनिश्चय किया है।

अत, अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदेश शिवित का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्-द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना अ संलग्न अनुनृष्टि में विनिर्दिग्द उक्त भृमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एसदद्वारा अस्ति विकार जाता है।

और श्रागं उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्षतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधिकार केन्द्रीय सरकार में सिहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक रीस श्रायोग में सभी वाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाणन की इस नारीख की निहित होगा।

भ्रमुभूची पाइपलाइन रुस्तनवादा नम्बर 3 और 5 से जो सी एस नरसापुर

राज्य झोध्र प्रयेखः		जिलाः पश्चिमः गं	जिला : परिचम - गोदावरी				
गोव		एम गं.	हेक्टर्स	आर्स	संटीयर्स	गृक्तर्स	मेन्टस
1	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	)	3	4	5	(3	7
रस्तमबादा	436/6, 2	0.	32	<u></u>	5	0	80
	436/2	()	0.6		5	()	16
	434/1	$\boldsymbol{\Theta}$	0.5		0	()	12
	433	0	0.1		5	()	0.1
	432	0	09		0	0	22
	431	0	0.0		š	11	2.3
	509/पार्ट	0	0.3		0	()	07
	5 0 9/पार्ट	0	0.5		0	Q	13
	509	0	0.0		5	()	2.3
	<b>508</b> /3	0	4) 6		O	<b>0</b>	15
	5084	0	11		5	0	29
	507/2	0	20		5	0	51 ½
	507/2	0	21		0	ı)	514
	506/2	U	0.9		5	0	24
	506/2	0	0.4		0	0	10
	506/3	0	01		0	()	03
	524	0	0 1		0	0	02
	524	0	03		0	θ	07
	<b>525</b> /1	0	16		0	0	40
	5 2 5 / 2	0	07		0	0	1 7

1		THE GAZETTE OF INDIA: EXTRAORDINARY  2  3  4				[PART II—SEC. 3(		
——————————————————————————————————————		J	4	5	6	7		
	525/2	0	03	0	0	07		
	525/2	0	03	0	0	08		
	526/1	. 0	02	0	0	05		
	521/3	0	03	5	5	09		
	520	0	03	0	0	08		
	229/1	0	17	0	0	42		
	227	0	01	0	0	03		
	223/3,4	0.	09	0	0	22		
	224	0	03	0	0	07		
	* 211	_ 0	05	5	0	13		
	211	0	, d <b>7</b>	5	0	19		
	210	0	01	0	0	03		
	209	0	1 7	0	0	42		
	207/1	0	05	5	0	13		
	197	- 0	1 1	_ 5	_ 0	28		
	195	0	05	0	0	1.2		
	195	0	07	5	0	18		
	193/5	0	05	5	0	14		
	193/6	0	05	_ 5	0	13		
	194/1	0	01	0	0	03		
	192/1,2	0	09	5	0	23		
	-189 ×	0	. 02	5	0	06		
	131/4,5	0	16	5	0	41		
	132/5,2	0	15	5	0	38		
	123/6,7	0	07	5	0	18		
	123/2	- 0	05	5	0	13		
	118/9	0	02	5	0	06		
	118/4	0	06	5	0	16		
	120	0	0.5	5	0	14		
	119	0	08	5	0	21		
	120	0	04	5	0	11		
	120	0	04	5	0	11		
	120	0	03	0	0	07		
	146/2	0	07	0	- 0	17		
	146/2	0	03	0	0	07		
	147	0	06	0	0	15		
	147/5	0	× 05	5	0	14		
ment debut jedach jedach jemel	148/1	0	05	5	0	13		
	कुल मिलाकर	4	18	5	10	32		

#### NOTIFICATION

### New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 96(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 421 (E) dated 30-6-93 under sub-section; (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. flow pipe line from Rustumbada (Part) Village well No. 3 and 5 to Section 1 amountains.

State: Andhra Pradesh	Distr	ict West Godava	Mandal:	the angle of the second second		
Village	S.No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents.
Rustumbada	436/1, 2	0	32	5	0	80
	436/2	0	06	5	0	16
	434/1	0	05	0	0	12
	433	0	01	5	0.	. 04
	432	0	09	0	0	22
	431	0	09	5	0.	. 23
	508/pt	0	03	0	0	07
	509/pt	0	05	5	0	13
	509	0	09	5	0	23
	508/3	0	06	0	0	15
	508/4	0	11	5	0	29
	507/2°	0	20	50	0	51
	507/2	0	21	0	0.	51
	506/2	- 0	09	5	0	24
	5 <b>06/2</b>	0	04	0	0	10
	506/3-	0	01	0	0	03
	524	0	01	0	0	02
	524	0	03	0	0	07
	525/1	0	16	O	0	40
	525/2	0	07	0	0	1.
	525/2	0	03	0	0	0
	525/2	- 0	03	.0	0	0
	526/1	0	02	0	0	0.
	521/3	0	03	5	0	0
	520	0	03	0	0	0
	229/1	0	17	0	0	4:
	227	0	01	0	0	0
	223/3, 4	0	09	0	0	2.

	·	the state of the s					
1	2	3	4	5	6	7	
Rustumbada (contd.)	224	0	03	0	0	07	
	211	0	05	5	0	13	
	211	Ô	07	5	0	19	
	210	O	01	0	0	03	
	209	U	17	0	0	42	
	207/1	0	05	5	0	13	
	197	0	11	5	υ	28	
	195	0	05	0	0	12	
	195	0	07	5	0	18	
	193/5	0	05	5	0	14	
	193/6	0	05	5	0	1	
	194/1	0	01	0	0	03	
	192/1, 2	0	09	5	0	23	
	189	0	02	5	0	06	
	131/4, 5	0	16	5	0	41	
	132/5, 2	0	15	5	0	38	
	123/6, 7	0	07	5	0	18	
	123/2	0	05	5	0	13	
	118/4	0	02	5	0	06	
	<b>1</b> 18/3	0	06	5	0	16	
	120	0	05	5	0	14	
	119	0	08	5	0	21	
	120	0	04	5	0	11	
	120	0	04	5	0	11	
	120	O	03	0	0	07	
	146/2	0	07	0	0	17	
	146/2	0	03	0	0	07	
	147	0	06	0	0	15	
	147/5	0	05	5	0	14	
	148/1	0	05	5	0	13	
<u> </u>	Grand Total	4	18	5	10	32	

[No. O-12016/134/93 ONG D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

# अधिसूचना नई विल्लीः, 7 फरवरीः, 1994

का. था. 97(म).—-यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन मूमि में उपयोग के घिषकार का मर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के मधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंद्रागय की मधिसूचना काल्माल सं. 422(ई) तारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस मधिसूचना से संलग्न धनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के मधिकार को पाइपलाइनों को विकान के लिए भाजित करने का भपना आजय घोषित कर विया था।

और यतः मक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधितियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीत सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और श्रामे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रक्षिसूचना से संसन्न श्रमुच्ची में विनिदिष्ट सुमियों के अपयोग का श्रीक्रार श्रांजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, ग्रतः उक्त ग्रिधिनियम की <mark>धारा ६ की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुण केन्द्रीय सरकार एतद्-</mark> द्वारा घोषित करती है कि इस ग्रिधिसूचना में सैलग्न ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधिगार पाइपनाइन विछाने के श्रयोजन के लिए एतद्हारा ग्राजित किया जाता है।

और भागे उस घारा की उपवारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस भाषीय में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोरणा के प्रकाशन की इस तारीय को निहित होगा।

अनुसूची

इन पाइपलाइन रुस्तुमबादा गांव का और कुँग्रा नं. 3 और 5 से जी.सी. एस. नरसपुर

जिला : पश्चिम गौदावरी

मंडल : नरसपुर

राज्य : ग्रांध्र प्रदेश

ाजुलाः पश्चिम गादावरा		मङ्लः नरसपुर		्याज्यः आध्र प्रदश			
गांव	एस नं .	हेक्टार्स	एर्स	सेन्टिएर्स	एकर्स	सेन्ट्स	
1	2	3	4	5	6	7	
रुस्तुमबादा	629/1,2,3	0	11	5	0	28	
	629/1	0	02	0	0	05	
	463/3.	0	03	0	0	07	
	463/3, 2	0	02	0	0	05	
	463/2	0	01	5	0	04	
	463/2	0	0 1	5	0	04	
	463/1	0	0 1	5	0	04	
	463/1	0	0 1	5	0	04	
	464	0	00	5	0	01	
	467	0	02	5	•	06	
	467/4	0	0 1	5	0	04	
	467	0	.03	0	0	08	
	467	0	01	0.	0	02	
	467	0	01	0	0	02	
	467	0	01	0	0	02	
	467	0	06	0	0	15	
	467	0′	01	0	0	02	
	467	0	01	0	0	02	
	467	0	01	0	0	03	
	467	0	03	0	0	07	
	467	0	0 1	0	0	02	
	467	0.	01	0	0	02	
	467	0	00	5	0	0 1	
	456/1	0	01	0	0	02	
	456/1	0	03	•	0	09	
	456/2	0	01	0	0	03	
	456/2	0	01	0	0	03	
	456/2	0	03	5	0	09	
	456/2	0	04	0	0	10	
	464	0	01	0	0	03	
	451	0	01	5	0	04	
	451	0	03		0	09	
	451	0	02	5	0	06	
	451	0	00	5	0	$0\frac{1}{2}$	
	451	0	02	0	0	05	
	451	0	03	0	0	08	
	455/2	0	0 5	5	0	13	
	446/5	0	06	0	0	15	
	<b>4</b> 46/ <b>5</b>	0	02	0	0	05	

			[TART 11DEC. 5(II)			
1	2	3	4	5	6	7
	446/5	0	05	5	0	14
	446/3	0	03	0	0	07
	446/2	0	02	0	0	05
	446/2	0	02	5	0	06
	446/2	0	0 1	0	0	03
	4 <b>4</b> 6/ 1ए	0	01	0	0	03
	440	0	03	0	0	08
	439	0	01	0	0	02
	438/2	0	04	0	0	10
	438/2	0	05	5	0	13
ल मिलाकर			19	5	2	951

[सं. ओ-12016/135/93-ओएन जी .डी-IV] एम. मार्टिन, डैस्क श्रिषकारी

#### NOTIFICATION

#### New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. No. 97(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 422(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government here by declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to thi notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. flow pipe line from Rustumbada Village Well N.o 3 & 5 to G.G.S. Narsapur

State: Adhnra Pradesh		davari	Nanded: Narsapur		
R.S. No.	Hectars	Ares	Centiare	Acres	Cents
2	3	4	5	6	7
629/1, 2, 3	0	11	5	0	28
629/1	0	02	0	0	05
463/3	0	03	0	ō	07
463/3, 2		02	0	0	o <sub>5</sub>
	2 629/1, 2, 3 629/1 463/3	R.S. No. Hectars  2 3  629/1, 2, 3 0 629/1 0 463/3 0	2 3 4 629/1, 2, 3 0 11 629/1 0 02 463/3 0 03	R.S. No. Hectars Ares Centiare  2 3 4 5  629/1, 2, 3 0 11 5 629/1 0 02 0 463/3 0 03 0	R.S. No. Hectars Ares Centiare Acres  2 3 4 5 6  629/1, 2, 3 0 11 5 0 629/1 0 02 0 0 463/3 0 03 0 0

438/2

438/2

Grand Total

[No. O-12016/135/93-ONG-D-IV] M. MARTIN, Dosk Office

95<u>}</u>

# श्रधिसूचना

# नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का. श्रा. 98(अ) :---यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के श्रधिकार का अर्जन अधिन्यम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3की उपधारा (1) के श्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैप मज्ञालय की श्रधिसूचना का. श्रा. स. 423(ई) तारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रधिसूचना में संलग्न श्रन्यूयों में व्यनिद्धित भूमियों में उपधीन के श्रधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए श्राजित करने का श्रपना श्राशय घोषित कर दिया था ;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रिधीन सरकार की स्पिटि दे दी है। और श्रागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रिधसूचना में सलग्न श्रानुसूचे। में विनिद्धिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रिधिकार श्राजित करने का विनिश्चय किया है।

श्रव, श्रतः उक्त श्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतदतारा घोषित करती है कि इस श्रिधिसूचना में संलग्न श्रनमूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रीधकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदद्वारा श्रीजत किया जाता है।

और श्रामे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मिन्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रक्षिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैम श्रामाय ये, नश्री बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची पा**इपलाइन चिनमामिडिपल्लि, कुंआ सं. 3 और** 5 से जी. सी. एस. नरसपुर तक

स्टट: भान्ध्र प्रदेश	जिला : पश्चिम गोदावरि					मंडल : नरवापुरम	
गांव	एस . नं.	हेक्टास	एर्स .	सेन्टिएर्स	एकर्स	भेंन्टम	
1	(2)	(3)	(4)	(5)	(e)	(7)	
चिनमामिडिपल्लि	350	0	03	0	0	00	
	350	0	01	5	0	04	
	350	0	21	5	0	53	
	352/1	0	10	5	0	26	
	334	0	03	0	0	08	
	330/34	0	04	5	0	11	
	327/4	0	00	5	0	01	
	329/2	0	04	5	0	1,1	
	327	0	20	0	0	49	
	327	0	01	0	0	02	
	328	0	07	5	0	19	
	313/1	0	14	5	0	3 <b>5</b>	
	313/2	0	03	U	0	01	
	314/1	0	06	5	0	16	
	314/1	0	05	5	0	13	
	315/1	0	07	5	0	19	
	316/6	0	08	0	0	20	
	316/6	0	05	0	0	12	
	316/4	0	0.5	0	0	12	
	316/7	0	02	O	O	05	
	190/3	0	01	5	0	04	
	189/5	0	13	0	0	32	

[सं. ओ - 12016/136/93 - ओ एन जीडी-IV] एम. मार्टिन, डैस्क ब्रिधिकारी

#### NOTHICATION

New Delhi, 7th February, 1994

S.O. 98(E).—Where is by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 423(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of powers conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### **SCHEDULE**

R.O.U. flow line from Chinamamidi Paili well No. 3 and well No. 5 to G.C.S. Narsapur

District: West Godavari

State: Andhra Pradesh

Nanded: Narsapuram

Village	R.S. No.	Hectares	Aro	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Chinamamidi Palli	350	0	03	0	0	08
	350	0	01	5	0	04
	350	0	21	5	0	53
	352/1	0	10	5	0	26
	334	0	03	0	0	08
	330/3, 4	0	04	5	0	11
	329/4	0	00	5	0	01
	329/2	0	04	5	0	11
	327	0	20	0	0	49
	327	0	01	0	0	02
	328	0	07	5	0	19
	313/1	0	14	5	0	35
	313/2	0	03	0	0	07
	314/1	0	06	5	0	16
	314/1	0	05	5	0	13
	315/1	0	07	5	0	19
	316/6	0	08	0	0	20
	316/6	0	05	0	0	12
	316/4	0	05	0	0	12
	316/7	0	02	0	0	05
	190/3	0	01	5	0	04
	189/5	0	13	0	0	32
	189/4,1	0	10	0	0	25
	174/3,4	0	07	5	0	19
	174/2,1	0	20	5	0	51
	174/5	0	0	5	0	01
	170/2	0	03	0	0	07
	170/2	0	05	5	0	14
	172	0	03	5	0	09
	208/1	0	03	0	0	08
	<b>208</b> /1	0	17	5	0	43
	152	0	03	O	0	07
	209	Ō	18	5	0	4

[ 22				<del></del>	<del></del>	
1	2	3	4	. 5	6	7
Chinamamidi Palli—(Co.1d.)	210	0	03	0	0	07
(00,,,0,,)	389	0	03	Q	0	07
	213/2	0	02	0	0	05
	213/2	0	02	5	0	06
	213/2	0	02	0	0	05
	213/3	0	03	0	0	07
	213/4	0	03	0	0	07
	104/2	0	02	5	0	06
	105/3	0	05	0	0	12
	104/1	0	07	5	0	18
	104/2	0	05	5	0	13
	105/2, 3	0	15	0	0	37
	105/3	0	06	5	0	16
	107/2	0	07	5	0	18
	107/1	0	12	0	0	30
	108/2	10	11	5	0	28
	128/3	0	06	0	0	15
	79	0	20	0	0	50
	80	0	04	5	0	1;
	79	0	20	5	0	51
	79	0	13	0	0	32
	83	/0	11	5	0	28
		4	08	5	10	06

[No. O-12016/136/93-ONG-D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

# पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का. आ. स. 99(ई) :- यतः पेट्रोलियम और खिनज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 424(ई) तारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को विछाने के लिए अर्जित करने का अपना आषय घोषित कर दिया था ।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रिधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार श्रांजित करने का विनिष्चय किया है।

भ्रव, भ्रतः उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस श्रधिस्चना में संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के लिए एतद्वारा श्रणित किया जाता है।

और श्रागे उस धारा की उपधारा (4) ब्रारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस श्रायोग में, सभी बाधाओं से मृक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची आर० ओ० यू० पाईप लाइन मोगलतृर ग्राम कुंआ नं० ३ और 5 में जीसीएस नरसापुर स्टैंट−-आंध्र प्रदेश, जिला पश्चिम गोबावरी मंडल नरमापुर

गांव	एस. नं.	हेक्टेयर्स	एस	सेंन्टिएसे	डाकर्स	सेंन्टस
1	2	3	4	5	6	7
मोगलतूर	1 2 4 8/1ए/ 2	(	06	0	(	15
<del></del>	1247/1/बी		0.8	5	- · · ·	21

1	2	3	.1	5	6	7
मोगलतूर (जारी)	1247/27/2	0	02	0	0	05
	1 2 4 7   2सी   2	0	01	5	0	04
	1 2 4 0/ 1बी	0	06	0	0	15
	1 2 4 1 / 4बी	0	03	5	0	09
	1241   6बी	0	03	5	0	0 9
	1241/6सी	0	03	5	0	09
	1241/9वी	0	02	5	0	06
	1 2 4 2/ 3/बी 2	0	03	5	0	0.9
	1 1 6 8 / 3 ए	0	05	5	0	13
	1 2 4 0   2 7   2 ]	0	06	5	0	16
	1 2 4 0 / 2 जी / 2	0	00	5	0	01
	1 2 4 1/ 5बी ्	0	02	5	0	06
	1 2 4 1/ 7बी	0	04	0	0	10
	1 2 4 1/ 8बी ी	0	04	0	0	10
	1 2 4 7   3बी   2	0	09	0	0	22
	1 2 4 8/ 1बी/ 2	0	02	0	0	0 5
	1 2 4 8 / 2बी	0	08	0	0	20
	1 2 4 8 / 3बी	0	00	5	0	01
	1 2 4 1/ 5बी 1 2 4 1/ 6बी	0	02	5	0	06
	1 2 4 1/ छव। 1 2 4 2/ 4बी	0	03	5	0	09
	1 2 4 2/ 4बा 1 2 4 2/ 3सी/ 2	0	07	0	0	17
	1 2 4 2/ उसा/ 2 1 2 4 2/ 1ए	0	03	5	0	09 02
	1 2 4 2/1ए 1 2 4 2/2ए	0	01 01	0 5	0	04
	1 2 4 2/ 1बी	0 0	01	0	0	03
	1 1 68/ 7की ो	0	01	0	0	02
	1242/2बी	0	01	5	0	04
	1 2 4 2   3सी	0	03	5	0	09
	1242/4वी	0	07	0	0	17
	1168/6जी	0	02	0	0	05
	1 1 6 8 / 1 2 वी	0	01	0	0	02
	1168/13वी	0	03	0	0	07
	1168/14बी	0	01	0	0	02
	1 1 6 9 <b>/</b> 4सी	0	02	0	0	05
	1271/9, 6, 7	0	09	0	ð	22
	1 1 7 0/ 2वी	0	0.1	0	0	0.2
	1 1 6 9 ∕ 4वी	0	06	5	0	16
	1 1 7 0 ∕ 7बी	G	05	0	(1)	12
	1170/137	0	01	0	0	02
	1 1 6 9 / 1वी	0	02	0	0	05
	1 1 7 0 / 1 0 जी	9	03	0	0	07
	1 1 7 0 / 1 3की	9	00	5	0	0 1
	1169/1बी	0	0.3	0	0	07
	1 1 7 0/बी	0	0.5	0	0	12
	1 1 6 7   1जी	0	13	0	0	32
	1271/21, 9	0	07	5	0	18
	1 1 6 7 / 5बी	0	0.0	5	0	01

Feld II-a-a A (4:0)				~ ~ <del></del>		
1	2	3	-1	5	6	7
मागलतूर(समाप्त)	1166/14बी	0	03	0	0	07
4	1186/15बी	0	01	0	0	02
	1271/24	0	03	0	0	08
	1272/12,8,14,15	0	11	5	0	29
	1272/25	0	04	5	0	11
	1272/22	0	02	0	0	05
	1271/17,18,22	0	03	5	0	09
	1272 / 11, 12	0	0.4	5	O	1 l
	1278/11	0	04	0	()	10
	1278/6, 11	0	04	U	0	10
	1278/6	0	0.4	Ú	0	10
	1 2 7 9/1सी	0	02	0	0	0.5
		2	29	0	5	64

[सं. ओ.-12016/137/93/ओ एन जी डी - 4] एम. मार्टिन, धैस्क ग्रिधकारी

#### NOTIFICATION

# New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 99(E):—Where is by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 424(E) dated 30-6-1993 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of powers conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

R.O.U. flow Pipeline from Mongaltur Village—Well No. 3 & 5 to G.C.S. Narsapur State: Andhra Pradesh District: West Godavari, Mandal: Narsapur

Village	S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Mogaltur	1248/1A/2	0	06	0	0	15
Mogatta	1247/1/B	0	08	5	0	21
	1247/2/A/2	0	02	0	0	05
	1247/2/C/2	0	01	3	0	04
	1240/1B	0	06	0	0	15
	1241/4/B	0	03	5	0	09
	1241/6/B	0	03	5	0	09
	1241/6/C	0	03	5	0	09
	1241/9/B	0	02	5	0	06

	THE GAZETTE OF I	[1 AK1 II—5	H-3EC, 3(ii)			
1	2	3	4	ĵ	6	7
Mogaltur—(Contd)	1242/3/B2	0	03	5	()	09
,	11 <b>6</b> 8/3/A	0	05	5	0	10
	1240/2/A/2	0	06	5	0	10
	1240/2/B/2	0	00	5	Ū	00
	1241/5/B	0	02	5	0	00
	1241/7/B	0	04	0	0	10
	1241/8/B	0	04	0	0	10
	1247/3B/2	0	09	0	0	2
	1248/1/B/2	0	02	0	0	0
	1248/2B	0	08	0	0	2
	1248/3/B	0	00	5	0	0
	1241/5/B	0	02	5	0	0
	1241/6/B	0	03	5	0	0
	1242/4/B	0	07	0	0	1
	1242/3C/2	0	03	5	0	0
	1242/1/A	0	01	0	0	C
	1242/2/A	0	01	5	0	0
	1242/1/B	0	01	0	0	(
	1168/7/B	0	91	0	0	(
	1242/2B	0	01	5	0	(
	1242/3/7	0	03	5	0	(
	1242/4/B	. 0	07	0	0	
	1165/6/B	0	02	0	0	(
	1168/12/B	0	01	0	0	(
	1168/13/B	0	03	0	0	(
	1168/14/B	0	01	0	0	(
	1169/4/C	0	02	0	0	(
	1271/9,6,7	0	09	0	0	2
	1170/2B	0	01	0	0	(
	1169/4B	0	06	5	Q	
	1170/7B	0	05	0	0	
	1170/B/A	0	01	0	0	(
	1169/1/B	0	02	0	0	(
	1170/1 <b>0/B</b>	0	03	0	0	(
	1170/13/B	0	00	5	0	(
	1169/1B	0	03	0	0	(
	1170/B	0	05	0	0	
	1167/1/B	0	13	θ	0	3
	1271/21, 9	0	07	5	0	1
	1167/5B	0	00	5	0	(
	1166/14B	0	03	0	0	(
	1166/15B	0	01	0	0	(
	1271/24	0	03	0	0	, (
	1272/12,8,44,15	0	11	5	0	2
	1272/25	0	04	5	0	]
	1272/22	0	02	0	0	(
	1271/17, 18, 29	0	03	5	0	(
	1272/11, 12	0	04	5	0	]
	1278/11	0	04	0	0	( :
	1278/6, 11	0	04	0	0	
	1278/6	0	04	0	0	
	1279/16	ō	02	0	0	
	-, -	2	29	0	5	(

[No. O-12016/137/93-ONGD-IV] M. MARTIN, Desk Officer

# . प्रधिसूचना

### नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

या. था. 100(अ):—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के मधिकार का मर्जन श्रिष्ठिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राक्तिक गैस मंत्रालय की श्रिष्ठिस्थना का. था. सं. 425(ई) तारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रिष्ठसूचना से संलग्न श्रमुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के श्रिष्ठकार की पाइपलाइनों को बिछाने के लिए श्रीजत करने का अपना श्रामय घोषित कर दिया था।

ऑर यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और भ्रागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उनत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस श्रिधसूचना से संलग्न भ्रमुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का श्रिधकार श्रीजत करने का विनिष्चय किया है।

श्रव, श्रतः उक्त ग्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रिधिसूचना में संलग्न श्रनुसूची में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधिकार पाइपलाइन बिछाने के श्रयोजन के लिए एतद्द्वारा श्राजित किया जाता है।

और श्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रथत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस ग्रायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त क्य में, घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

अनु**सूची** मेन पाइप लाइन न<u>रसपुर ६ से नरसप</u>ुर ३

स्टेट : ग्रान्ध्र प्रदेश, जिला : पश्चिम गोदावरि, मंडल : नरसपुर

गांव	एस. नं.	हेषटर्स	एर्स	सेम्टीएर्स	एकर्स	सेम्टस
1	2	3	4	5	6	7
लक्ष्मणेश्वरम	309/1बी	0	03	0	0	08
	309/6°C	0	00	5	0	01
	310/6बी	0	04	0	0	10
	310/6€	0	01	5	0	04
	310/10वी	0	08	0	0	20
	310/1जी	.0.	0.2	<b>.5</b> .	O.	Q6
	3 1 0 / 5वीं	Ü	06	o	0	15
	310/70	0	02	0	0	05
	311/1र्वा	0	08	5	0	21
	311/2र्वी	0	02	0	0	05
	311/4वी	0	03	0	0	08
	311/6वी	0	02	5	0	06
	311/8वी	0	03	0	0	07
कुल <b>मि</b> लाकर	<del></del> •	0	46	5	1	16

[सं ओ - 12016/138/93 - ओ एन जी डी-4] एम. मार्टिन, **डै**स्क प्रधिकारी

#### **NOTIFICATION**

# New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 100(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 425(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE
Flow line Narasapur 6 to Narasapur 3

State: Andhra Pradesh, Distt.: West Godawari, Mandal: Narasapur

Village	S. No.	Hectares	Arcas	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Lakshmaneswaram	309/1B	0	03	0		08
77,	309/6 <b>A</b> .	0	00	5	0	01
	310/6B	0	04	0	0	10
	310/6E	0	01	5	0	04
	310/10B	0	08	0	0	20
	310/1G	0	02	5	0	. 06
	310/5B	0	06	0	0	15
	310/7A	0	02	0	0	05
	311/1B	0	08	5	0	21
	311/2B	0	02	0	0	05
	311/4B	0	03	0	0	08
	311/6B	0	02	5	0	06
	311/8B	0	03	0	0	07
Grand Total		0	46	5	1	16

[No. O-12016/138/93-ONGD-IV] M. MART1N, Desk office#

# भविसूचना मई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994,

का. मा. 101(अ): —यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप (लाइन, भूमि में उपयोग के मधिकार का म्रार्जन मधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के मधिन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्राचय की मधिसूचना का. मा. सं. 426(ई) तारीख 30-6-93 ढारा केन्द्रीय सरकार ने उस भिध्सूचना से संलग्न मनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग के मिश्कार को पाइपुलाइनों को विछाने के लिए म्राजित करने का म्राप्ता धाराय धोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उनत ब्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ब्रिधीन सरकार को रिपोर्ट दे थी है।

और भ्रागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का प्रधिकार धर्जित करने का विविध्चय किया है

प्रम, प्रतः उनत प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए कैन्द्रीय सरकार एतदुहारा भीषित करती है कि इस सिधसूचना भें संगान धनुसूची में विनिदिन्द उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइप लाइन बिछामें के प्रयोजन के लिए एतदहारा ग्राजित किया जाता है।

और ग्रामे उस धारा की उपधारा (4) , इत्ता प्रक्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस भ्रायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची गैस पाइंप ला**इन जिन्धिता**डा से जी. सी. एस. नरसपुर

स्टेट: ब्रान्ध्र प्रदेश, जिला: पश्चिम गोदार्वर, मंडल: एलमंचिलि

गांव	एस. न	हेक्टर्स	एसं	सेन्टियर्स	एकर्स	सेन्टम
1	2	3	4	5	6	7
चिनाडा	1 8 6/ 9पीटी	0	03	0	0	07
	1 7 7/ 3पीटी	0	09	0	0	22
	1 7 7   3पीटी	0	07	0	0	17
	1 7 7/ 2पीटी	0	04	o	0	10
	1 7 2/2पीटी	0	05	0	0	12
	1 5 7/ 5पीटी	0	02	5	0	06
	1 5 <b>7 / 5</b> पीटी	0	04	0	0	10
	1 5 6 <i>  ड</i> पीटी	0	0.0	5	0	01
	1 5 7/4, 3पीटी	0	05	5	0	13
	160/7, 5, 3, 4	0	08	0	0	20
	1 6 3/1 0 <b>9ी</b> टी	0	02	5	0	06
	1 59/1पीटी	0	02	O	0	0
	160/841c1	0	03.	ø	0	-08
	1 6 3 है 6पीटी	0	08	O	0	20
	1 6 <b>6</b>   4पीटी	0	0.4	5	0	1 1
	166/4पीटी	0	04	5	0	11
	165/6पीटी	0	04	5	0	11
	165/4, जीटी	O	13	0	0	32
कुल मिलाकर		. 0	90	5	2	2 2

[सं. ओ - 12016/139/93 -ओ एन जी डी - 4] एम. मार्टिन, डैस्क ग्रधिकारी

#### NOTIFICATION

#### New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 101 (E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 426 (E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Gas Pipeline Chinchinada to G.C.S. Nagaram

State: Andhra Prodesh; Distt: West Godavari; Mandal: Elamanchili

Village	S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
Chinchinada	186/9 PT	0	03	0	0	07
	177/3 PT	0	09	0	0	22
	177/3 PT	0	07	0	0	17
	177/2 PT	0	04	0	0.	10
	172/2 PT	0	05	0	0	12
	157/5 PT	0	02	5	0	06
	157/5 PT	0	04	0	0	10
	156/5 PT	0	00	5	0	01
	157/4, 3 PT	0	05	5	0	13
	160/7,5,3,4	0	08	0	0	20
	163/10 PT	0	02	5	0	06
	157/1 PT	0	02	0	0	05
	160/8 PT	0	03	0	0	08
	163/6 Pt	0	08	0	0	20
	166/4 PT	0	04	5	0	11
	166/4 PT	0	04	5	0	11
	165/6 PT	0	04	5	0	11
	165/4, 5 PT	0	13	0	0	32
Grand Total	<u> </u>	0	90	5	2	22

[No. O-12016/13)/33-ONJ D-[V] M. MARTIN, Desk Officer

#### अधिसूचना

## नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का. मा. 102 (अ): --यतः पेट्रोलियम और खिनज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के म्रिधिकार का मज़ैन) म्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 को उपधारा (1) के म्रिधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंद्रालय की म्रिधिसूचना का. मा. सं. 427 (ई) तारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस म्रिधिसूचना से संलग्न म्रिनुची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के म्रिधिकार को पाइपलाइनों को ब्रिष्टाने के लिए म्रिजित करने का म्रिपना माण्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रिधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्ष्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार आजित करने का विनिश्चय किया है।

श्रव, श्रतः उनत अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्शारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विभाने के प्रयोगन के लिए एतद्वारा श्रजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदर्भ मिलतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देशी है कि उक्त भूमियों में उपयोग का धिष्ठकार केन्द्रीय भरकार में निहित्त होने की बजाय तेल और श्राकृतिक गैस ब्रामीग में, लगी बाधाओं से मुक्त रूप में, भीषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित्त होगा।

अनुसूची ृश्रार ओ यू पाइप लाइन चिविनाड(से जी सो एस नरमपुर

जिल्हाः पश्चिम गोदायशीः, स्टेप आंध्र प्रदेशः, पंडलः एक्मंचिलि

गोज	एस न.	हेवटेंबर्स	एयर्भ	सेन्टीयर्स	एकर्भ	सेन्टस
T	2	3	4	5	6 .	7
वाई.वि. लाका	69–6 <b>पीटी, 7</b> पार्ट	0	04	5	0	11
	69 <b>–2 पीटी, 5 पार्ट</b>	0	09	5	0	24
	692 पीटी	b	03	0	O	08
	69–1 पीटी	0	02	O	0	0.5
	70 <b>–7 पीटी</b>	0	09	5	Ú	24
	70-6 <b>पी</b> टी, 7 पार्ट	0	03	0	0	07
	80 पीटी	0	07	0	0	17
	78/4 <b>ਵੀ</b> ਣੀ	0	06	5	0	16
	70 <del>-</del> 6 पीटी	0	03	0	0	07
	8 <b>5</b> -3 पीटी	0	01	0	0	03
	85-3 पीर्दा	0	06	5	0	16
	<b>85</b> −3 पीटी	0	01	5	0	04
	8 <b>5</b> – 5 पीटी	U	05	5	0	13
	80 पीटी	0	03	5	0	0.9
	85/7 पीर्टी	9	0.4	5	0	11
	80 <b>ਪੀ</b> ਣੀ	0	03	0	0	07
	85-6 पीटी	0	02	5	0	06
	80 पीटी	0 .	0.3	5	0	09
कुल मिलाकर		0	79	5	1	97

[सं.ओ-12016/140/93-ओ एन जी ही-4] एम. मार्टिन, डैस्क ग्रधिकारी

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 7th Febuary, 1994

S.O. 102 (E)—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 427 (E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And Further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### SCHEDULE

R.O.U. Pipe Line from Chichinada to G.C.S. Narsapur

State: Andhra Pradesh District: West Godarvari

Mandal . Elamanchil

Village	R.S. No,	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Y.V. Lanka	69-6 Pt, 7 Part	0	04	5	0	11
	69-2 Pt, 5 Pt	0	09	5	0	24
	69-2 Pt	0	03	0	0	08
	69-1 Pt	O	02	0	0	05
	70-7 Pt	0	09	5	0	24
	70-6 Pt, 7 Pt	0	03	0	0	07
	80 Pt	0	07	0	0	17
	78/4 Pt	0	06	5	0	16
	70-6 Pt	0	03	0	0	07
	85-3 Pt	0	01	0	0	03
	85-3 Pt	0	06	5	0	16
	85-3 Pt	0	01	5	0	<b>Q4</b>
	85-5 Pt	0	05	5	0	13
	80 Pt	0	03	5	0	09
	85/7 Pt	0	04	5	0	11
	80 Pt	0	03	0	0	07
	85-6 Pt	0	02	5	0	06
	80 Pt	0	03	5	0	09
	Grand Total	0	79	5	1	97

[No. O-12016/140/93-ONG D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

# ग्रधिसूचमा नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का.श्रा. 103 (श्र): — यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का श्रर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.श्रा.मं. 428 (ई) सारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइमों को विछाने के लिए अजित करने का अपना श्राणय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और श्रागे, यतः केम्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस श्रधिसूचना में संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट धूमियों मैं उपयोग का श्रीक्षकार श्रीजत करने का विनिष्णय किया है।

श्रव, श्रतः उस्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एनवृहारा कोषित करती है कि इस धिधसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विजिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइयलाइन विकान के प्रयोजन के लिए एतद्दारा श्रीजत किया जाता है।

और ग्रामे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गवितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उकत भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस श्रायोग में, सभी वाधाओं से मुक्त रूप में, बोबणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### अनुसची

ग्रार ओ यू पाइप लाइन क्षिछाने के लिए चिचिनाडा वे জिसिएस नरसपुर स्टेट : ग्रांध्र प्रदेश संडल जिला : पश्चिम गोदावरि : मंडल : नरसपुर

गोव	आर. एस नं.	ंक्टेयर	एसं	सेन्टीयर्स	एकर्स	सेन्टर
नवरस पुरम	231/6 पार्ट	0	01	0	0	02
	2 <b>31/</b> 5 पार्ट	0	0.9	5	0	23
	231/4 पार्द	0	υĭ	Ú	0	17
	231/3 पार्ट	0	04	5	0	11
	231/1 पार्ट	0	02	0	0	0.5
	2 3 1 / 1 पार्ट	0	04	5	0	11
	231/1 पार्ट	0	03	5	0	0.9
	231/1 पार्ट	0	01	0	0	03
	226/6 पार्ट	0	02	0	0	0.5
	2 <b>26/6 पार्ट</b>	0	00	5	0	00
	2 2 6 / 5 पार्ट ्		-			
	/6 पार्ट <i>ु</i> }	0	08	5	0	2 1
	226/4 पार्ट	0	05	5	0	1 3
	2 2 6/3 पार्ट	0	04	5	0	11
	226/1 पार्ट	0	02	0	0	0 5
	207/2 पार्ट	0	04	0	0	10
	207/3 पार्ट	0	05	5	0	1 4
	207/4 पार्ट	0	02	5	0	0.0
	207/5 पार्ट	Series Sea				_
	/10 पार्ट	0	09	Ü	0	22
	208/3 पार्ट	0	02	0	Û	0 :
	208/4 पार्ट	0	08	5	0	2
	कुल मिलाकर	0	87	5	2	14

[र्म. ओ-12016/141/93-ओ एनजीडी-IV] एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

#### NOTIFICATION

## New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 103 (E),-whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 428 (E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And Whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further Whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now Therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And Further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

326 GI/94--4

#### SCHEDULE

R.O.U. Pipe line from Chinchinada to G.C.S. Narsapur State: Andhra Pradesh District: West Godavari Mandal: Narsapur

Village	R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
Navarasapuram	231/6 Pt	0	01	0	0	02
•	231/5 Pt	O	09	5	0	23
	231/4 Pt	0	07	0	0	17
	231/3 Pt	0	04	5	0	11
	231/1 Pt	0	02	0	0	05
	231/1 Pt	0	04	5	0	11
	231/1 Pt	0	03	5	0	09
	231/1 Pt	0	01	0	0	03
	226/6 Pt	0	02	0	0	05
	226/6 Pt	0	00	5	0	001/2
	226/5 Pt					
	226/6 Pt	0	08	5	0	21
	226/4 Pt	0	05	5	0	13
	226/3 Pt	Ü	04	5	0	11
	226/1 Pt	Ü	02	0	O	05
	207/2 Pt	0	04	0	0	10
	207/3 Pt	0	05	5	0	14
	207/4 Pt	0	02	5	0	05
	207/5 Pt/10 Pt	0	09	0	0	22
	208/3 Pt	0	02	0	0	05
	208/4 Pt	0	08	5	0	21
	Grand Total	0	87	5	2	141

[No. O-12016/141/93-ONGD-IV] M. MARTIN, Desk Officer

# ग्र<mark>धिसूचना</mark> न**ई** दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का.ग्रा.सं. 104 (ई): — यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के ग्रधिकार का धर्जन ग्रधिनियम, 1962 (1962 को 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ग्रधिसूचना का.ग्रा.सं. 429 (ई) तारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्रधिसूचना से संलग्न ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भिम्मों में उपयोग के ग्रधिकार की पाइपलाइनों की लिछाने के लिए ग्राजित करने का ग्रपना ग्राग्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रिधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और द्यागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों उपयोग का श्रधिकार प्रजित करने का विनिश्चय किया है।

भव, भतः उभत अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एसद्-द्वारा <mark>घोषित करती है कि इस अधिसूचना</mark> में संलग्न ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा र्ग्राजत किया जाता है।

और भाग उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेण देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय नेल और प्राकृतिक गैस श्रायोग में, सभी श्राधाओं मे मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

श्वार ओ य गैम पाइप लाइन चिचिनाडा जि सि एस नरसपुर स्टेट : आन्ध्र प्रदेश : मंडल जिला : पश्चिम गोदावरी : मंडल : नरसपुर

गांव	श्चार एस नं .	ह्वटर्स	एसं	सेंटियर्स	एकर्स	सेन्टस
माधवाङपालेम	78-2	0	02	0	0	05
	77-1	0	05	5	0	13
	7 <b>7-</b> 2	0	0.5	0	0	12
	77-3	0	01	5	0	04
	73-1 वी	0	16	0	0	40
	7 2- 2	O	18	0	0	44
	6 <b>8⊢4 बी</b>	0	09	5	0	23
	68-2 बी	0	09	5	0	24
	68-5	O	01	0	0	03
	63-2	0	11	5	0	28
	62-2	0	07	0	0	17
	69−1 ए	0	04	0	O O	10
	69-2 पु	0	01	5	0	04
		()	92	0	2	27

[सं. ओ-12016/142/93-ओ एन जो डी-4] एम. मार्टिन, वैस्क भ्रधिकारी

# NOTIFICATION New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. No. 104 (E) whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 429 (E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And Further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### **SCHEDULE**

R.O.U. Gas Pipeline from Chinchinada to G.C.S. Narsapur

State: Andhra Pradesh Village: Madhavavipalem Mandal Narsapur District West Godavari

Villago	R.S. No.	Hectares	Ares	Contiares	Acres	Cents
Madhavavipalem	78-2	0	02	0	0	05
	77-1	0	05	5	0	13

[PART]	IISec.	3(ii)]
--------	--------	--------

THE CHEETIE OF						
2	3	4	5	6	7	
77-2	0	05	0	0	12	
	0	01	5	0	04	
	0	16	0	0	40	
	0	18	0	0	44	
	0	09	5	0	23	
	0	09	5	0	24	
	0	01	0	0	03	
	0	11	5	0	28	
	0	07	0	0	17	
	0	04	0	0	10	
69-2A	0	01	5	0	04	
Total	0	92	0	2	27	
	2 77-2 77-3 73-1B 72-2 68-4B 68-2B 68-5 63-2 62-2 69-1A 69-2A	2 3  77-2 0  77-3 0  73-1B 0  72-2 0  68-4B 0  68-2B 0  68-5 0  63-2 0  62-2 0  69-1A 0  69-2A 0	2 3 4  77-2 0 05  77-3 0 01  73-1B 0 16  72-2 0 18  68-4B 0 09  68-2B 0 09  68-5 0 01  63-2 0 11  62-2 0 07  69-1A 0 04  69-2A 0 01	2     3     4     5       77-2     0     05     0       77-3     0     01     5       73-1B     0     16     0       72-2     0     18     0       68-4B     0     09     5       68-2B     0     09     5       68-5     0     01     0       63-2     0     11     5       62-2     0     07     0       69-1A     0     04     0       69-2A     0     01     5	2     3     4     5     6       77-2     0     05     0     0       77-3     0     01     5     0       73-1B     0     16     0     0       72-2     0     18     0     0       68-4B     0     09     5     0       68-2B     0     09     5     0       68-5     0     01     0     0       63-2     0     11     5     0       62-2     0     07     0     0       69-1A     0     04     0     0       69-2A     0     01     5     0	

# धाधसूचना नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का.मा.सं. 105 (म्र): ----थतः पेट्रांलियम और खानिज पाइप लाईन भूमि में उपयोग के म्रधिकार का श्रजंन श्रधिनियम, 1962, (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के म्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की म्रधिसूचना का.मा.सं. 430 (ई) तारीख 30-5-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस म्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के म्रधिकार को पाइपलाइन को विछाने के लिए श्रांजित करने का म्रपना आश्रय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और भागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों उपयोग का श्रधिकार श्रीजत करने का विनिश्चय किया है।

ग्रव, श्रतः उक्त ग्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्-द्वारा घोषित करती है कि इस ग्रिधसूचना में संलग्न श्रनुसूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधकार पाइपलाइन बिछान के प्रयोजन के लिए प्रसद्धारा भ्रजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदेत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश दंती है कि उयस भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख़ को निहित होगा।

[सं. 0-12016/143/93/ओ एन जी डी-4] एम मार्टिन, डेस्क ग्रिविकारी

धनुसूची भार औ यू गैस पाइप लाइन चिचिनाडा से जि सि एस नरसपूर विलेख : चिनमामिडिपल्लि मंडल नरसपूर जिला : पाल्लचम गोदावरि

गांव	भार एस नं.	हेक्टेयर्भ	एर्स	सेंन्टीयसं	एकर्स	सेन्टस
<b>चिनिमामिडिप</b> ल्लि	8 4-सी	0	06	0	0	15
		0	06	0	0	15

#### NOTIFICATION

## New Delhi, the 7th February 1994

S.O. No. 105 (E),—whereas by notification of the Government of Inda in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 430 (E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user it the lands in the schedule appended to this notification;

Now Therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline:

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### **SCHEDULE**

R.O.U. Gas Pipe Line from Chinchmada to G.C.S. Narsapur

State: Andhra Pradesh Village: Chinamamidipalli Mandal: Narsapur District: West Godavari

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents
Chinamamidipalli	84-C	0	06	0	0	15
	Total	0	06	0	0	15

[No. O-12016/143/93-ONGD-4]

M. MARTIN, Desk Officer

#### मधिमुखना

नध्यक्तो, १फवरं, १०७४

का. घा. स. 106 (भ), ---यतः पट्टीलियम और खिनिज पाइप्लाहन भूमि में उपयोग के प्रधिनार का धर्मम प्रितियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधिन भारत सरकार के पेट्टीलियम और प्राकृतिक मैस महायन की प्रधिसूचना कर आ. मं. 431 (ई) सारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उम प्रधिसूचमा ने येकान प्रमुची में विनिधिक्ट भूमियों में उपयोग के प्रधिकार की पाइपनाइनों की खिछाने के लिए शिवस करने का प्रपना प्राणय घोषित कर वियाधा:---

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उकत अधिनियम को क्षारा 6 की उरक्षारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दें तो है।

और मांगे, यतः केन्द्रीय सरकारांत उक्त रिपोर्ट पण विजास करते के पत्रभात् उस प्रक्षियुक्ताः य संस्थल प्रमुक्तां मं विनिधिष्ट भूमयों में उपयोग का श्रीधकार श्रीतिस करने का विनिध्तय किया है।

भव, भतः उन्त प्रविनिधम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदेश शांकित का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतर्झारा धांवित करती है कि इस अधिसूचना में संनग्न प्रतुसूची में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में अनयोग का ब्रिधिकार पाइपलाइन ब्रिश्यने के प्रयोजन के लिए एतदहान आर्जिय किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपदास (4) क्षेण प्रदत्त कांक्यां का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देशी है कि उस्त भूमियों से उपयोग का बिद्यार केन्द्रीय सरकार में निहित होने को बजाय तेल ऑप प्राकृतिक रीम श्रायोग में, सभी बाधाओं से सक्य रण में, बोपणा के बजायन की इस तारीख को निहित होगा।

मेइन पाइप	लाइन ताटिपाक अर्थ से की	.सी. एस. तगरम हक स्टेट	प्रांत्र प्रदेश	जिला—ईस्ट गो	सवरी मंडनः मा	मेडिक् इष
ia	एस नं .	हेक्टयतं	गुर्स युर्स	सुन्द यसं	एकस	संद
1	na arangan ang mananan ang mananan mananan mananan mananan mananan ang mananan ang mananan ang mananan ang man 13	iskung malauntisat irakusati i sakkaturu munakusan mat mekinekenter <del>ata</del> 3	.1	And the second s	6	
गरम	169/2	()	9.5	()	0	
	167/1 ची	0	06	ā	0	1
	167 ? र्दा	0	06	e	0	1
	167/387	Ù	11	5	0	5
	167, 4 वी	0 -	67	5	0	
	: 67: 5 <b>वी</b>	0	0.3	5	0	
	1 3 7 6 बी	0	118	5	0	
	1.66, 1	υ	92	5	0	
	105/9 बी	0	20	á	o	
	166/3	ø	00	5 -	0	
	164/14772	£#	ðЗ	17	0	
	169.3	ţ,	01	43	0	
	166/4	į.	7.7	4	( s	
	166,5	Ú	ез	0	19	
	1:2:11	(1	63	0	0	07/1
	1 ! 4/7. 2	ē.	12	()	0	., , , ,
	154/2	C	67	4	" ij	
	1.54/2	v. V	(7.7	7 0	()	
	13分4/3/11第7的第6位		33			
	1371 की 197, 1970 - 138ो 1 की 12 वी	i) D			ı)	
	1551/बो 115/1/बो		04	<.	0	
		4	₩ 3	4	0	
	114/10/4	- 0	11	2	0	
	114,477	0	0.5	P	0	
	123/4/€1 114/19/3	0	0.2	4.1	0	
		g 	0.1	· ·	0	
	117/1 47/3	0	0.1	y	()	
	117/1 कर्न a	ij	13	13	0	
	117/2 = 7	Ų	13 fa	-3	O.	
	137/3	0	1) 2	5	θ	
	338/147	0	0.3	(3_	9	
	उध्या भूगोर	13	93	ij	9	
	355[A/3]	1)	43	£	0	
	338 2	0	0.2	v <sup>1</sup> g	Û	
	उउंछ। १,५ औं फी हो	Ü	15	(,)	0	
	३३६७ वी	()	0.5	నే	Ü	
	331 [ 1 F	()	18	ń	0	
	333/2 <del>4</del> 1/2	U	(រថ	i)	9	
	33ぎ-7間	$\mathfrak{g}$	63	H	0	
	अग्रास्थ अब्बे	O.	10	9	0	
	314 2 41	U	24	5	1)	
	340,376	1)	4,5 &	~	U	
	346. 4 की 2	ń	6.3	6.1	0	
	330, 26 FT	**	94	¥	ń	
	328/11	9	03	O	0	0 <b>7</b> /1
	347,1 37.		ψħ	Ū	o	
	367/28/2	0	'5 1	ŋ	0	
	347/37/2	<b>₽</b>	11	13	O	
	348 <sub>t</sub> 3 41/2	0	03	υ	O	
	.३४ र∫ 2 की. 1	0	0.5	Ÿ	U	
	347/2 र्चर/2	Ö	04	tí	0	
	348/2	0	0.3	()	0	

[मान IIबद्ध ३(II)]	भा	रत का राजयतः अस	INICH			
1	2	3	4	5	6	7
	349/2 ए, 2 बी	0	03	5	0	9-1/2
	3 4 9   3 ए   2	0	0.8	ø	0	20
	3 4 9/ <b>3</b> ची <sub>/</sub> 2	0	08	5	t)	21
	3 5 0/1 जी, 1, 2/वी	0	0.9	5	0	23
	352/1 बी	0	06	0	Ú	1.5
	352 <sub>f</sub> 1 डी	0	03	0	0	07
	3 <b>5 2/</b> 1 सी	0	09	5	0	24
	3 5 2/ 2/बी	0	11	5	0	28
Appelator contacted: and Management of the angular file of the contact of the con	species for substanting the 1 minutes of substances of substanting to complete their property property property.	4	1 4	5	10	22-1/2

[मं. शो-- 12016/144/93 जो एन जी डी --IV] एम. मार्टिन, डैस्क ग्रिधिकारी

# NOTIFICATION New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 106 (E):—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 431(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. Pipe line from Tatipak I to G.C.S. Nagaram

State: Andhra Pradesh: Distt. East Godavari Mandal: Mamidikudkru

Village	S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	. 3	4	5	6	7
Nagaram	169/2	0	<b>0</b> 5	0	0	12
	157/1 <b>B</b>	0	96	5	0	16
	167/2 <b>B</b>	0	06	0	0	15
	1 <b>67/3B</b>	0	11	5	0	29
	167/4B	0	07	5	0	18
	167/5 <b>B</b>	0	03	5	0	09
	1 <b>67/6B</b>	0	08	5	0	21
	1 <b>6</b> 6/1	0	02	5	0	06
	165/9B	0	20	5	0	51
	166/3	0 -	.00	5	0	01
	164/4 C/2	0	03	0	0	08
	166/2	0	-01	0	0	02
	166/4	0	19	5	0	48

32 ~ <del>~**</del>	THE GAZETTE OF IND	DIA : EXT	KAORDINARY		[PART II-S	EC. 3(11)]
1	2	3	4	5	6	7
	166/5	0	03	0	0	07
	112/11	0	03	0	0	07½
	114/A2	0	12	0	0	30
	1 53/2 1 54/2	0 0	07 01	5 0	0 0	18 03
	154/2 157/4/B, 5/B, 7/B	0	32	5	0	80
	155/1B, 2B	Ö	04	0	Ö	10
	115/1/B	0	05	5	0	13
	114/1 A/4	0	11	5	0	28
	114/4/A	0	05	5	0	13
	114/4/B	0	02	0	0	05
	114/1 A/3	0	04	5	0	11
	117/1 B/2	0	01	0	0	03
	117/1B/2	0	13	0	0	32
	117/2 <b>B</b>	0	06	5	0	16
	337/2	0	02	5	0	06
	338/1 <b>B</b>	0	06	0	0	15
	338/1/C	0	03	0	0	07
	335/A/2	0	03	5	0	09
	338/2	0	02	0	0	05
	336/1,2 <b>B</b> Pt	0	15	0	0	37
	335/2B	0	05	5	0	14
	341/1 <b>0</b>	0	18	5	0	46
	335/2/C/2	0	06	0	0	15
	335/7/A/2	0	03	0	0	08
	33 <b>5/</b> 8/ <b>B</b>	0	10	0	0	25
	341/2/B	0	24	5	0	61
	340/1/A/2	0	01	5	0	04
	340/2B/2	0	01	0	0	02
	330/2B/B	0	04	5	0	11
	328/2	0	03	0	0	07 <del>1</del>
	347/1B.	0	09	0	0	22
	347/2A/2	0	91	0	0	03
	347/3 <b>A</b> /2	0	11	0	0	27
	348/3B/2	0	03	0	0	07
	347/2 <b>B</b> /1	0	05	5	0	14
	34 <b>7/2B</b> /2	0	04	0	o	10
	348/2	0	03	0	ő	07
	349/2A, 2B	o O	03	5	0	09 <u>1</u>
	349/3/A/2	0	08	0	0	20
	349/3B/2	0	08	5	0	21
	350/1/B/1, 2/B	0	09	5	0	23
	352/1B	0	06	0	0	15
	352/1D	0	03	0	0	07
	352/1D 352/1C	0	09	5	0	
	352/1C 352/2/B	0	11	<i>5</i>	0	24
	334 4 B					28
		4	14	5	10	22½

[No. O-12016/144/93-ONG-D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

#### श्रधिसूचना

#### नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का. मा. मं. 107 (श्र):--मतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में जपयोग के प्रधिकार का सर्वन प्रधिक्षियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपयोग (1) के स्रिधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैंग मंद्रालय की स्रिधिसूजना का. सा. मं. 432 (ई) तारीय 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय मरकार ने उस प्रधिसूजना से मंलस्व अनुसूर्ण में बिलिंग भूमियों में उपयोग के स्रिक्शर को पाइपलाइनों को बिलिंग के लिए स्रिक्त करने का प्रपत्त श्रीणत कर दिया था;

और यतः सक्षमः प्राधिकारी ने उक्तः श्रधिनियम कीधारा 6की उपधारा (1) के श्रधीन रास्कार को रिपोर्ट वे की है।

और ग्रामे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने पश्चात् इस घिष्यूचना से म'लग्न ग्रनुसूर्चा में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग का ग्रापियार ग्राजित करने का विनिध्चय किया है।

अब, श्रतः उक्त श्रधिनियम की धारा 6की उपधारा (1) झारा प्रदत्त कात्रियोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस ग्रधिसूचना में संलग्न श्रनुसूची में विनिधिष्ट उक्त मुमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइनलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा घाँजत किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदेश णिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उकत भूमियों में उपयोग का धिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय केन और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्तरूप में, घोषणा के प्रकाशन को इस नारीन्द्र की निहित होगा।

अनुभूषो ग्रार औ, स, फलो पाष्ट्रप लाइन पारालेंद्रुटि 1 में जीं, सी, एस नगरम

स्टैट आंध्र प्रदेश : जिला पूरवरोदावरी, मंडल : मामिडिकद्र-

गांच	एस ने .	हुक्टार्स	<b>ए</b> र्स	·神	न्टियर्स	एकर्स से	न्द्रम
1	2	3		4	5	6	7
	47-3, 4पीटी	aj - aj - a 5 ) est a sus sus sug suga — aj — aj - a 4 — aj sus	0	09	5	()	2:
	47-3		0	09	5	0	23
	47-5 सी 🔪						
	1 सी, 2 ए 🐧		0	22	0	0	5 4
	48-1 सी		0	01	0	0	0.3
	4 ৪-স্থী						
	40-3,2		0	60	5	1	50
	59-1 पीटी 📝		_		_		
	60 <b>~बी पीटी</b>		0	01	5		0.4
	3 9-7, 8 पीटी		0	08	U	0	20
	39-8		0	05	0	0	13
	39-8 पीटी, 9,10		0	08	0	0	20
	39-10 पीटी		0	07	5	0	18
	39-11 पीटी		0	09	5	0	23
	111-1 पीटी		0	03	5	0	0.9
	1 1 1-3 पीटी		υ	05	5	0	13
	111-6 पीटी		0	05	5		14
	111-8 पीटी		0	03	0	0	07-1/2
	111-914 पीटी		0	11	0	0	27
	1 1 1- 1 5, 1 6 पीटी		0	11	0	0	27
	110-1ए, 1 बी पीटी		0	0.9	0	o	22
	110-16 पीटी		b	06	0	0	15
	1 1 0- 1 सी पीटी		0	04	0	40	10
	1 1 0- 1 सी पीटी						
	107-पीटी		0	07	5	0	18
	1 0 9- 3 पीटी		0	01	5	0	0 4
	104-2 बीपीटी		0	09	5	0	24
	104-2 एपीटी		0	01	0	0	02
	104-3 एपीटी		0	03	0	0	08
	104-2 पीटी		0	0 5	5	0	14
	104-2 सीपीटी		0	0.5	5	0	13

State: Andhra Pradesh

- •						
1	2	3	4	5	6	6
्रमञ्जू तत्त्व का बीकार्य प्रशिक्षित् प्रमृत्यान्य काश्वरात्त्व व्यवस्थान्त्र व्यवस्थान्त्र व्यवस्थान्त्र व्यवस्थान्त्	102-	O	28	0	0	69
	138 <u>}</u> 139 ∫ 3 पीटी	0	49	5	1	22
	<u> </u>	3	11	5	7	68.1/2
	the first of the forest temperature are the graph party and the state of the					

[मं. ओ--12016/145/94--ओ एन जी डी-4] एम. मार्टिन डैस्क अधिकारी

#### NOTIFICATION

## New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 107(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 432(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intertion to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided o acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of he publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

Distt.: East Godavari

# SCHEDULE R.O.U. flow pipeline from Pasarlapudi I to G.C.S. Nagaram

Mandal : Mamidikuduru

State : Andmu i rudesh	Distt Last Godavan		Mandai . Manndikuduru			
Village	R.S. No.	Hectares	Ares	Centares	Acres	Cents
Pasarlapudi	47-3, 4 pt.	0	09	5	0	23
	<b>47-</b> 3	0	09	5	0	23
	47-5C 1C, 2A	0	22	0	0	54
	48-1C 48-D	. 0	01	0	0	03
	40-3, 2 } 59-1 Pt. }	0	60	5	1	50
	60 <b>-B</b> pt.	0	01	5	0	04
	39-7, 8 pt.	0	08	0	0	20
	39-8	0	05	0	0	12
	39-8 pt. \ 9, 10	0	08	0 ·	0	20
	39-10 pt.	0	07	5	0	18
	39 <b>-</b> 11 pt.	0	09	5	0	23
	111-1 pt.	0	03	5	0	09
	111 <b>-</b> 3 pt.	0	05	5	0	13
	111 <b>-</b> 6 pt.	0	05	5	0	14
	111-8 pt.	0	03	0	0	07

[भाग II—खण्ड 3 (ii)]	5भारत का राज्य <b>त</b> : श्रसाधारण					<b>35</b>
1	2	3	4	5	6	7
	111-9, 14 pt.	0	11	0	0	27
	111-15, 16 pt.	0	11	0	0	27
	110-1A, 18 pt.	0	09	0	0	22
	110-16 pt.	0	06	0	0	15
	110-1C pt.	0	04	0	0	10
	110-1C pt. \			•	· ·	
	107 pt. 1	0	07	5	0	18
	109-3 pt.	0	01	5	0	04
	104-2B pt.	0	09	5	0	24

0

0

0

0

3

01

03

05

05

28

49

11

0

0

5

5

5

5

[No. O-12016/145/93-ONGD-4] M. MARTIN, Desk Officer

0

0

0

1

7

02

08

14

13

69

22

 $68\frac{1}{2}$ 

# ग्रधिसूनना नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का ब्यार 108(अ) — यतः पेट्रोलियम और खिनज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की आरा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंजानय की अधिसूचना का ब्यार 433(अ) तारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अनित करने का अपना आश्राय घोषित कर दिया था:

और यतः सजस प्राधिकारी ने उनत ग्राधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रधीन सरकार की रिपोर्ट दें दो है।

104-2A pt.

104-3A pt.

104-2C pt.

104-2C pt.

3 pt.

102-

138

139

**TOTAL** 

और धार्गे, यहः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस प्रधिसूचना से संलग्न प्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का प्रधिकार जर्जित करने का विनिश्चय किया है।

ग्रत्र, ग्रतः उवत ग्रिबितियम की धारा 6 की उपधारा (1) डारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्झरा घोषित करती है कि इस ग्रिबिस्चता में संलग्न श्रनुस्ची में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का ग्रिधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्हारा श्रीवित किया जाता है।

और आमे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग के प्रशिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाबाओं से मुक्त रूप में. घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख की निहित होगा।

अनुसूची ग्रार०ओ०यु० फ्लो पाइप लाइन पासर्लपृडि 1 से जि०सि० एस० नगरम स्टेट ग्रान्ध्र प्रदेश जिला : पूरव गोदावरि; मंडल : मुदिनेपल्लि

गांव	<b>ग्रार</b> ०एस०नं०	हेक्टार्स	एर्म	असेन्टि एर्स	ए कर्स	सेन्टस
मामिडिकेटरू	149-13pt	0	05	5	0	13
	149-14, 15pt	0	0.5	0	0	12
	149-16, 17	0	06	0	0	15
	149-20pt	0	03	6	0	09
	149-8 <b>p</b> t	0	07	5	0	19
	150-spt	0	03	0	0	07
	150-2A	Θ	11	5	0	29
	150-4A/4B	0	03	5	0	09
	151-pt	0	03	. 5	0	0 9

1	2	3	4	5	6	7
	151-pt \	0	11	()	0	27
	151pt \( \int \)					
	152-3pt	0	23	0	ŋ	57
	152-4, 5, 6, 8, 9pt	0	18	0	0	15
	152–9pt	0	08	5	0	21
	141-1pt	0	0.4	5	0	1]
	141-3pt	0	0.6	0	0	14
	141-3pt	U	14	0	υ	3
	154-12 <b>B</b>	0	01	5	U	U
	153-6pt	0	02	5	Ü	Ų (
	$143-3$ , $4\Lambda$			_		_
	46, 2A 1pt \( \)	()	21		n.	5
	160–6, 7pt	0	1 2	5	0	3
	160-7pt	0	0.7	5	0	1
	162-1pt	0	0.3	0	0	0:
	162-2pt	0	0 1	5	0	() -
	162-2, 3pt	0	0.5	0	n	1
	163-6 A	0	01	۶ -	O.	0 1-
	163-6A	ŋ	04	5	CI CI	1
	163, 5, 3, 2 pt	0	0.4	0	U	L
	163-5, <b>B</b> 2pt	n	14	จั	()	3
	164-	0	03	5	0	O
	105pt	n	0.5	5	()	I
	104-3C	0	13	5	<b>O</b>	3
	104–12pt	0	0 5	0	0	•
	104-3A	0	07	5	0	1
	102-3Cpt	0	0.5	5	0	:
	102-3Cpt	0	05	0	0	
	102-3Bpt	υ	03	0	0	(
	101→2Ept	G	09	0	0	:
	101-2E 20D pt	0	04	0	0	1
	101-2 <b>D</b> pt	0	0.3	0	0	(
	101-2Dpt }				_	
	99–1 <b>pt</b>	0	0.8	0	0	20
	99– 3pt	0	07	5	0	18
	99-4pt	0	0.9	5	0	:
	92-2pt	0	0.5	5	0	
	98-2pt	0	07	5	0	1
	98-1pt	0	03	5	0	0:
	98+1 pt	0	04	5	0	1
	97-,E2F2,C2D2	0	18	0	0	
	94	0	07	3	0	
	93	0	03	5	0	(
	80, 81, 82-1C	0	22	0	0	
	79	()	02	5	0	) 
	 बुल मिलाकर					

[मं॰ अन- 1 2016/146/93- आंएनओडी---lV] एम॰ मार्टिन, ईंग्क प्रक्षिकारी

## NOTIFICATION

## New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 108(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Cas S.O. No. 433(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's

intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall—instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encount rances.

SCHEDULE

R.O.U flou pipe line from Pasarlapudi I to G.C.S. Nagaram

State: Andhra Pradesh	District : Ea	ıst Godavarı	Manda	l : Mamidikudu	ru	
Village	R.S. No.	Hectares	Ares	Centares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Mamidikuduru	149-13 pt.	0	05	5	()	
	149-14, 15 pt.	0	05	0	n	ı
	149-16, 17	0	06	0	()	!
	149 <b>-</b> 20 pt.	0	03	5	0	(
	149 <b>-</b> 8 pt.	0	07	5	0	1
	150-8 pt.	0	03	0	0	C
	150-2A	0	11	5	0	2
	150-4A/4B	0	03	5	0	(
	151-pt.	0	03	5	0	g
	151-pt.	0	11	0	0	:
	151-pt, 152-3 pt.	0	23	0	0	
	152-4, 5, 6, 8, 9 pt.	O	18	0	(t	
	152-9 pt.	0	08	5	O	1
	141-1 pt.	0	04	5	0	
	141-3 pt.	0	06	0	0	1
	141-3 pt.	0	14	0	0	_
	154-12 B	0	01	5	0	
	153-6 pt.	0	02	5	0	
	153-3, 4A					
	4B, 2A, 1 pt. $\int$	0	21	5	0	
	160-6, 7 pt.	0	12	5	O	
	160-7 pt.	0	07	5	0	
	162-1 pt.	0	03	0	0	
	162-2 pt.	0	01	5	0	
	162-2, 3 pt.	0	05	0	0	
	163-6A	0	01	5	O	4
	163-6A	0	04	5	0	
	163-5, 3, 2 pt.	0	04	Ō	0	
	163-5B, 2 pt.	0	14	5	0	
	164	0	03	5	0	
	105 pt.	0	05	5	0	
	104 <b>-</b> 3C	Û	13	5	0	
	104-1, 2 pt.	O	05	U	0	

PART	IISEC.	31	(ii)1
S.E. 25E. 1	manage.	~ ~ 1	

06	THE GAZETTE OF IN	JIM . LIMIN		<u> </u>	En sawi II	<i>DU. D(11)</i>
1	2	3	4	5 ,	6	7
Бо <del>нфон</del> финд <sub>ин</sub> одинвиня этрогодинд, <i>1</i> 0 ат циявиндинд 11 д 11 д 11 д 11 д 11 д 11 д 11	104 <b>-</b> 3A	0	07	5	0	18
	102-3C pt.	0	05	5	0	13
	102-3C pt.	0	05	0	0	13
	<b>1</b> 72-3B pt.	0	03	0	0	07
	16 <b>1</b> -2E pt.	0	09	0	0	22
	101-2E, 2D pt.	0	04	0	0	10
	101-2D pt.	0	03	0	0	07
	101-2D )					
	99-1 pt. 🐧	0	08	0	0	$20\frac{1}{2}$
	99-3 pt.	0	07	5	0	181
	99-4 pt.	0	09	5	0	23
	92-2 pt.	0	05	5	0	14
	98-2 pt.	0	07	5	0	191
	98-1 pt.	0	03	5	0	$08\frac{1}{2}$
	98-1 pt.	0	04	5	0	111
	97-2E, 2F, 2C, 2D	0	18	0	0	45
	94	0	07	5	0	18
	93	0	03	5	0	09
	80-81, 82-1C	0	22	0	0	54
	79	0	02	5	0	06
TOTAL		3	78	5	9	35

[No. O-12016/149/93-ONGD-IV] M. MARTIN, Desk Officer

## **ग्रधिसूचना** नई **दि**ल्ली, 7 फरवरी, 1994

का०मा०सं० 109(म्र).—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के मधिकार का मर्जन) मधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के सभीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैन मंद्रालय की मिन्नियम का०मा०सं० 434(अ) तारीख 30-6-93 हारा केन्द्रीय स रकार ने उस मधिसूचना से संलग्न मनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के प्रधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए म्राजित करने का भ्रापता मागा भीषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपवारा (1) के ब्रधीन सरकार को रिपोर्ट दें दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर किचार करने के पश्चात् इस श्रिधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रिधिकार श्रुजित करने का विनिश्चय किया है।

श्रव, श्रतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) हारा प्रयत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसुचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्धिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिसुचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्धिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिस्तार पाइपताइन विछाने के प्रयोगन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और म्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का त्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का म्रिधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैरा म्रायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची आर०ओ०यू० पाइप लाइन ताटिपाका II से जि०सि० एस० नगरम

स्टेट : ग्रांग्र प्रदेश गांव		जिला : पूरव गोदावरि			मंडल : मामि	।डिकु <b>द</b> रू
गांव	एस नं ०	हेनटासँ	एसं	सेनटिएसं	एक्सं	सेन्टस
मामिडिकु दुरू	1 47/1ए	0	08	0	0 0 0	20
	147/1 बी	0	0.5	5	0	14
	148/2, 5	0	07	5	0	18
	148/1, 3	o	07	5	0	19
कुल मिलाकर		0	28	5	0	71
-	The same of the sa					

[सं० आ6-12016/147/93- आएनजी डी-IV एम० मार्टिन, डेस्क प्रधिकारी

#### NOTIFICATION

## New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 109(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 434(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in Land) Act, 1962 (50 of 1972), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead, of verting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from enoundrances.

# SCHEDULE R.O.U. Pipe Line from Tatipaka II to G.C.S. Nagaram

State: Andhra Pradesh	District : East	Godavari	Mandal: M	Iamidikuduru		
Village	R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Mamidikuduru	147/1A	0	08	0	0	20
	147/1B	0	05	5	Ô	14
	148/2, 5	0	07	5	0	18
	148/1, 3	0	07	5	o	19
TOTAL		0	28	5	0	71

[No. O-12016/147/93-ONGD-IV] M. MARTIN, Desk Officer

#### प्रधिसुवना

## नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का॰आ॰ 110(अ).—ज्यनः पेट्रोलियम और खिलज पाइपलाइन (जूमि में उपयोग के अधिकार का धर्मन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और शक्तिक भैंस मंत्रातम को प्राज्यूयना का॰आ॰मं॰ 435(अ) नारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिकुलना में संभाग अभुमृत्री में विनिष्टि भूभियों में उत्तरीय के प्रक्रिकार को परायनाश्व से कि कि की प्राणित करने का प्राणित कर दिश था।

और यतः सक्षम शक्षिकारी ने उक्त प्रिक्षितिसम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार की क्यिट है दी है।

और श्रामे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उसन रिपोर्ट पर थिवार करने के पश्चात् इस प्रसिश्चनता से रुसना प्रानुसूची में विनिदिष्ट धूमियों से उपयोग का प्रथिकार ग्राजित करने का विनिष्यय किया है।

धन, श्रमः उक्त अधिनयम की धारा ६ की उपयास (1) तारा अबना गरित का प्रयोग करते हुए केदीय सरकार एनद्वारा बोधित करती है कि इस अधिमूचना ने संतरन श्रनुसूचा में बिनिद्धिव्य उपत मूमियों में उपयोग का अधिकार फट्टपलाइय बिकारों के प्रयोजन के तिए एनद्वारा श्रीवन किया जाता है।

आर प्रापं उस धारा की उपबास (4) द्वारा प्रयक्त शक्तियों का प्रयोग गरते हुए कैकीय नरभार निर्देश येती है कि उका भूमियों में उपयोग का स्रिक्षितर केव्हीय परकार में निहित होंने की बजाय तेल और प्राष्ट्रिक गैंग खालोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्राराणन की उस नारीख को निहित होगा।

THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY

भनुमूणी

आवर्षावपूर्व पाडपलाइन लाहिपाया II से जिवसिवण्सव नगरम

स्टैट : श्रांत्र प्रदेश

**जिला** . पुरुव गोदावरि.

सङ्लः मामिडिकुदुस्य

स्टब्स्साल त्रवश		। मला . पूरव गादा	7[1		11 011	. मा।माइकुदुरू
गांत्र	एसन ०	्दिटार्म	πĦι	मेन्टिएमं	ग क्स	मेन्टग
1	2	3	4	5	6	7
नगरम	310/1	0	0.8	0	()	20
	309/1	0	21	5	0	0.3
	30.9/1	ti	0.9	5	0	23
	310/1	0	11	0	0	2.7
	312/1	0	28	5	0	71
	312/1 की	n	0.5	0	0	12
	304/1 वि	0	11	5	0	28
	3 1 2 / 1 विरे	0	18	5	0	46
	363	0	0.3	0	0	0.7
	30 4/1 <del>प</del>	Ų	0.3	0	0	0.8
	379/1एफ, 2र्डी	0	0.3	5	0	0.9
	3.14/2 m	0	0.1	0	0	10
	30 d) 1 ए	13	0.4	5	0	11
	3 %0/10 <b>ए</b>		0.6	0	0	15
	379/3	ti	0.8		0	20
	379/3 304/1 प्	0	0.2	0 5	0	06
	379/3, 4	υ	07	 อี	0	18
	3.3.4/ Ltt	0	02	5	0	06
	379/3 <b>,</b> 2र्बर	0	06	0	0	15
	30 4/1 स्रो		0.2	0	0	05
		0	0.8	0	0	20
	380/10 Q	0	06	5	0	16
	3 <b>79/1 ई</b> , 2 सी	0	02		0	06
	301	0		5		22 <del>1</del>
	278/10♥	0	0.9	0	0	_
	380/10 <b>ए</b>	0	0.8	5	0	21
	300	0	0 1	5	0	04
	278	(1	0 4	5	0	11
	0.50	$\left\{ \begin{smallmatrix} 0 \\ 0 \end{smallmatrix} \right.$	03 05	0 0	0	$\begin{cases} 0.8 \\ 1.2 \end{cases}$
	277		0.7	5	0	_
	276/4ए, 4 पी	₹ "	0.5	5	0	$\left\{\begin{array}{c}17\frac{1}{2}\\14\end{array}\right.$
	276/3	0	10	0	0	25 <del>1</del>
	276/4 <del>U</del>	0	0.5	5	0	13
	275/1 पी	0	0.5	5	0	14
	275/19 <sup>3</sup> 7	n	0.5	5	0	13
	275/1 <b>व</b> ी	0	09	5	0	23
	275/2 ए	n	0 4	0	0	10
	275/2 ए	0	06 10	0 5	0 0	15 26
	275/2 <b>यी</b>	n 0	0.4	5	0	11
	275/2 <b>व</b> ी 272	0	03	0	0	07
	272 269 2	0	03	5	0	0 9
	270   20	0	0.6	0	0	15
	270/19, 1 <b>सी</b>	0	14	5	0	36
	270/1 4वी	0	10	0	o	25

<del></del>					<del></del>	===
1	2	3	4	5	6	7
	329	0	03	5	0	0.9
	330/2	0	0.6	0	0	15
<del> </del>		3	35	0	8	$28\frac{1}{2}$

[सं ऑ-12016/148/93 ऑंग्निजंखें-4] एम माटिन, डेस्क अधिकारी

#### **NOTIFICATION**

## New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 110(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 435(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Governmet;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

## SCHEDULE

R.O.U. Pipe Line from Tatipaka II to G.C.S. Nagaram

State: Andhra Pradesh	District: East G	odavari,	Mandal : l	Mamidikudur	u	
Village	R.S. No.	Hectares	Ares	Centiare	s Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Nagaram	310/1	0	08	0	0	20
	309/1	0	21	5	0	03
	309/1	0	09	5	0	23
	310/1	0	11	0	0	27
	312/1	0	28	5	0	71
	312/1B	0	05	0	0	12
	304/1B	0	11	5	0	28
	312/1B	0	18	5	0	46
	303	0	03	0	0	07
	304/1 <b>A</b>	0	03	0	0	08
	379/1F, 2D	0	03	5	0	09
	304/2A	0	04	0	0	10
	304/1A	0	04	5	0	11
	380/10A	0	06	0	0	15
	379/3	0	08	0	0	20
	304/1 <b>A</b>	0	02	5	0	06
	379/3, 4	O	07	5	0	18

]	3	3	1	ā	6	7
	304/1A	0	02	5	0	06
	379/3, 2/B	O	06	0	0	15
	304/1B	0	02	Ü	0	05
	380/10A	0	08	0	U	20
	379/1£. 2C	0	06	5	0	16
	301	0	02	5	0	06
	278/10 <b>A</b>	0	09	0	0	221
	380/10 <b>A</b>	0	08	5	0	21
	300	0	01	5	0	04
	278	0	04	5	0	- 11
	277	0	03	0	0	∫ 08
		0	05	0	0	12
	276/4A, 4P	0	07	5	0	∫ 17 <u>}</u>
		0	05	5	0	14
	276/3	0	10	0	0	25 <u>4</u>
	276/4A	0	05	5	0	13
	275/1P	0	05	5	0	14
	275/1P	0	05	5	ti	13
	275/1B	()	09	5	0	23
	275/2A	0	04	0	0	10
	275/2.	O	06	0	0	15
	275/2B	0	10	5	0	26
	275/2B	O	04	5	0	11
	272	0	03	O	0	07
	269/2	0	03	5	0	09
	270/20	0	06	0	0	lő
	270/19, 18	0	14	5	0	36
	270/14B	0	10	0	0	25
	329	0	03	5	0	09
	330/2	()	06	Ō	0	15
Total		3	35	0	8	281

[No. O-12016/148/93-ONGD-IV] M. MARTIN, Desk Officer

## ग्रंभिसूचना नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

कार्धार 111(प्र) — पर पेट्रोगिलम और सिना पाइपलाइन (स्नि में उपयोग के प्रक्रियार का घर्नन) ध्रधित्यम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रजीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक सैम मन्त्रातय की प्रधिसूतना कार्ध्वारसे 436(अ) तारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उद्र यक्षिसूतना से सलम्न अनुसूत्री में विनिद्दिट भूमियों में उपयोग के ध्रधिकार को पाइपलाइनों को विश्वान के दिए प्रकृत करने प्रभूपना प्राथय घोषित कर विया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रविनियग की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे वीहै।

और गागे, यतः केन्द्रीय मरकार ने उक्ष्य रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस प्रधिलूचना से संजयन धनुसूची में विनिर्दिग्ड भूमियों में उपयोग का श्राधिकार प्रजित करने का विनिध्यय किया है।

अब, घतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न प्रमुखी में विनिविद्य उक्त भृतियों में उपयोग का प्रधिकार पाइपलाइन बिद्याने के त्रियोजन के लिए एतद्द्वारा अजिन किया जाता है।

और द्वारों उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त अभियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तें। और प्राकृतिक गैंग प्रायंग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकृतन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसुची

फ्लो पाइप लाइन पासर्लपृडि IV सं० पासर्लपृडि I

स्टेट: ग्रांध्र प्रदेश जिला: पूरब गोदानिर

मंडल : मानिडिकुद्रू

	والمراود والمناه والمراود والمناور والمراود والم	of the second section and contractions and contractions to the second section of the section of the second section of the section of the second section of the					
ग्बि	एस ० नं ०	हैंबटे यर्स ०	एर्स	सेन्टिएसं	एकःसं	सेन्टस	
Į.	2	3	4	5	6	7	
पासर्तपृडि लंका	4	0	0 3	5	0	09	
	3	0	0.4	5	0	1 1	
	5 <b>∤पाट</b> *	0	0.4	0	9	10	
	7/ਧਾਣੰ	0	06	9	4)	1.5	
	7/पाट	0	0 1	á	0	U L	
	10/1 <del>ए</del>	0	0 6	5	$\boldsymbol{\epsilon}$	16	
	10/1सी	O	07	0	O	17	
	14/13	0	0.7	5	0	1)	
	10, 11	Ũ	18	U	U	45	
	13/1 <b>y</b>	0	10	0	0	2.5	
	40/पार्ट	0	0.1	4)	.)	0.3	
	39/पार्ट	$\theta$	25	ø	9	62	
	38¦41€*	0	10	5	0	26	
	3 S/9, č	0	0 1	<b>រឺ</b>	0	0 4	
	140	0	02	0	0	0.5	
	141/2, 4, 5	0	12	3	9	3 1	
	141/5	0	01	0	9	03	
	141/2	0	93	O	0	0.8	
	141/1,ए बं/	0	0.5	5	0	1 4	
	98/2बं(	0	07	0	0	17	
	97	0	0.2	3	)	9.6	
	98/2 <b>ए</b>	0	0.4	0	0	1)	
	98/ उबी 2	0	0.5	3	0	13	
	363	0	0.1	5	0	0 4	
	98/2सी 1	0	00	5	0	01	
	/ 5-बी	0	0 1	5	0	0.4	
	/ ६ बीए :	0	02	- 0	0	05	
	/6बी 1	0	0 1	0	0	0.2	
	1 4 2/ए	0	0 1	0	0	03	
	142/1 बी	0	0 1	3	0	0 4	
	1 4 2/ 1 खीं	0	0.1	5	0	04	
	1 40/2 ਖਾਣ	0	06	5	0	16	
	,/ 3पार्ट 4 पार्ट	0	03	0	0	08	
	1 40/397ਣੰ	0	03	5	0	09	
	योग	1	73	0	4	33	

[सं० ओ-12016/149/93-ओ एनजी डी-4] एम० माटिन, डैस्क ग्रक्षिकारी

# NOTIFICATION New Delhi, the 7th February, 1994

S.O.111(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 436(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE R.O.U. flow pipe line from Pasarlapudi IV to I

State: Andhra Pradesh	District : Eas	st Godavari	Mandal: N	Mamidikuduru		
Village	Rs No.	Hectares	Ares	Centares	Acres	Cents
Pasarlapudi Lanka	4	0	03	.5	0	09
•	3	0	04	5	0	11
	5/Pt.	0	04	0	()	10
	7/pt.	0	06	0	0	15
	7/ <b>P</b> t.	0	01	5	0	04
	10/1 <b>A</b>	0	06	5	0	16
	10/1C	0	07	0	υ	17
	14/J0	0	07	0	0	19
	10, 11	0	18	0	0	45
	13/ <b>A</b> .	0	10	0	0	25
	40/Pt	0	01	0	0	03
	30/pt	0	25	0	0	6?
	38/pt	0	i O	5	0	26
	38/pt	0	10	5	0	04
	140	0	02	$\boldsymbol{\theta}$	0	05
	141/245	0	12	5	0	31
	14 /50	0	01	0	0	03
	141/2	0	03	0	0	08
	141/1A,B	0	05	5	0	14
	98/2B	0	07	0	0	17
	97	0	02	5	0	06
	98/2A	0	04	0	0	10
	98/3 <b>B2</b>	0	05	5	0	13
	98/3 <b>B</b> 3	0	01	5	0	04
	98/2Cl	J	00	5	0	01
	98/5 <b>B</b>	0	01	5	0	04
	98/6 <b>A</b> 1	0	02	0	0	05
	98/6 <b>B</b> 1	0	01	0	0	02
	142/A	0	01	0	0	0.3
	$142/1{f B}$	0	01	5	0	04
	142/1D	0	01	5	0	04
	140/2 pt.	0	06	5	0	16
	140/3 pt, 4 pt.	0	03	0	0	08
	140/3 Pt.	0	03	5	0	09
Total		1	73	0	4	33

[No. O-12016/149/93-ONGD-IV] M. MARTIN, Desk Officer

## प्रधिसूपना

## नई बल्ली, 7 फरवरी, 1994

का था.अं 112(अ) ---धाः पेट्रोलियम और खनित पाइपलाइन भूमि में उपकार के प्रक्रिकार का घर्म खिताम, 1962 (1962का 50) को छारा 3 की उपकार (1) के ब्रिश्म भारत नरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस महाना की ब्रिश्म्चिना का था.स 437(ई) तारीख 30-6-93 हारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रशिक्षना में अलम्त धनुसूची में विनिधित भूमियों में उपयोग के शिकार की पाइपलाइन। की बिछाने के अण घर्मित करने का खाना खोल्य धारिल कर दिया था।

और यह सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 5 की। अधिकार (1) के धारीन सरकार को स्पिट के दी है।

और आये, या, केर्द्राव शरकार ने उक्त रिपोट पर विनार करते के पण्चल उन प्रतिभूषमा से सल्यन प्रतमुखी में विशिक्षिक भूमियों से उपराल का स्विधकार प्रक्रिय करने या विभिन्न किया है।

प्रव, असः उक्त प्रविक्षितम् की धारा ७ मी उपधारा (३) हारा श्रदत्त शक्ति का एशाग करत हुए केव्यस गरकार एवस्कारा अधिन करता है कि प्रियम्भाग में संसम्बन प्रस्तुची में विकादाट उत्तन भूमियों में उपसान का प्रियमण्डल विकास के किए एवर्द्वारा प्रक्रित किया जाता है

आर आगे उस धारा को उपधारा ( ) क्राय अक्ष्म लितिया का प्रयोग करने ्ण केन्द्रोप सरकार निर्धय केन श कि अस करमाँ। ये उपधान का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित्र होने के बजाय क्षेत्र और प्राकृतिय गैंग पायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त था थे, प्राथम की यस सारीख को निहित्र होगा ।

#### पश्चापाःप लाइन पासलेप्डि ाा से पार्थापूरि । तक

राज्य : स्रोध प्रदेश

िल्ला : पुरुष गोदावरी

मद्भव पश्मिदिकद्र∾

गांव	एग नं .	हेक्टार्य स	ग्यर	सेन्दियस	ए7र्म	सन्दर्भ
पागर्खपूडि	212/भाग	()	09	()	U	2.2
-,	313/2.5	0	10	0	t)	25
	234/1सी 1 ही	(1	0.5	5	0	2.3
	218/भाग	0	បត់	Ŋ	a)	1.27
	2.21/4	O.	07	3	tj.	1.0
	219/10	Ú	0.7	0	19	1.7
	2 1 9/ 1वी	O	0.3	0	{1	0.3
	220/1बी	(ı	11	U	(3	4.4.
	229/भरग	U	0.3	0	Û	0.3
	230/2मी, 2ई. यदी	11	1.4	1)	(Y	3.1
	235/17/2	0	12	.5	43	31
	$230/4\overline{\$}$ T	(t	0.5	.5	()	100
	231/भाग	(1	0.2	5	Π	0 か
	232/1 <sup>त</sup> , 1यो, 2 यी	0	12	á	(1	31
	233 ।बी	0	07	5	1)	14
	2 3 3/ 3बी/ 5म्	()	07	i)	Ω	l <b>7</b>
	2 3 4/ 1ए	0	0.3	5	0	0.9
	2 3 4/ 2ए/ 2बी	()	0.7	υ	1)	17
	149/भाग	0	0.3	U	0	0.7
	164/6	0	0.2	5	0	មថ
	1 <b>5 1/भाग</b>	v	0.3	0	9	0.8
	1 5 0 / 1년	0	18	5	O	46
	1 50/1ৰ্ৰা	U	0.8	5	0	21
	1 <b>5 2/भाग</b>	0	00	5	0	i 6
	1 <b>5 4/भा</b> ग	U	0.2	5	0	06
	1 5 1/भाग	0	0.3	5	1)	09
	155/7	0	0.5	5	0	14
	155/7	1)	0.5	ā	0	1 1
	155/9,5	()	11	0	Ů	27
	कुल मिलाकर	2	0 6	U	5	บย

<sup>[</sup>स0 ब्रो-12016,150/83 ओ.एस.ब्री.डी. य] एस. माटिन, हेस्क अधिकारी

#### NOTIFICATION

### Now Dolhi, the 7th February, 1994

S.O. 112(E). -Whoreas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 437(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent / nthority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Control Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notineation hereby acquired for laying the pipeline:

And further in exercise of power conferred by a theoretion (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. flow pipe line from Pasarlapudi III to Pasarlapudi I.

State: Andhra Pradosh	Distr	ict : East Go <b>d</b> a	/a <b>r</b> i	$\mathbf{M}$ am $\mathbf{d}$ a	1 : <b>M</b> un dil	aduru
Village	S. No.	Hoet ires	Ares	Contiares	Acres	Cents
Pasarlapudi	212/pt.	0	0.9	0	0	22
[ dott in princip	213/2, 5	0	10	0	0	25
	234/1C, 1D	G	05	5	Q	1.3
	218/pt.	0	05	0	U	12
	221/4	O	07	5	0	19
	219/1A	()	07	0	0	17
	19 B	0	03	0	0	08
	220/1 <b>B</b>	0	14	0	0	34
	229/pt.	0	03	0	0	08
	230/2C, 2E, 4D	0	14	0	0	34
	235/1, $\Lambda$ 2	0	12	5	0	31
	230/4D	0	05	5	0	13
	231/pt.	. 0	02	5	0	06
	232/1A, 1B, 2B	0	12	5	0	31
	233/1B	0	07	5	0	19
	233/3B, 3A	0	<b>0</b> 7	0	0	17
	234/1A	0	03	5	0	09
	234/2A, 2B	0	07	0	0	17
	149/pt.	0	03	0	0	07
	164/6	0	02	5	0	06
	151/pt.	0	03	0	0	08
	150/1A	0	18	5	0	46
	150/1B	0	08	5	0	21
	152/pt.	0	06	5	0	16
	154/pt.	0	02	5	0	06
	151/pt.	0	03	5	0	09
	155/7	0	05	5	0	1 4
	155/7	0	05	5	0	14
	155/9, 5	0	11	0	0	27
Total		2		0	5	09

[No. O-12016/150/93-ONGD-IV] M. MARTIN, Desk Officer

#### **श्र**धियु वनाः

#### नई दिल्ली, 7 फरदरी, 1994

का.धा 113(थ्र).—यन पेड़ोलियस और खनित्र पांडालाइन (भृष्टि में उपयोग के प्रथिकारका धाँत) पित्रिनियम, 1982 (1982का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के सर्धात भारत भरकार के पेटोलियम और भावतिक वैस संस्कार की पश्चिम्त्रता का.बा.सं. 438(ई) सारीख 30-6-93 कार केलीय सरकार ने उस पित्रिजना से संस्कृत असम्बंधि में विनिद्धित कृषियों में उपयोग के यिकार को पांडय स्थितें के विश्वास के लिए धर्मित करने का अभग पापन पोपित कर दिया था।

और यतः मक्षम प्राधिकारी ने उक्त ऋधिनियम की धारा ६ की उपकारों (1) के प्रक्षीन सरकार के रिपोर्ट दे यी है।

और भारो, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विवार करते के परकान् इस सजिल्ला ने विरास पत्स्वी में बितिरिय्ट नृष्मियों में उपयोग क स्रोक्कार अजित करने का विनिष्ण्य किया है।

हात. श्रत उक्त घिष्टित्यम की धारा 6 की उपधारा (1) हाता प्रदेश किया प्रयोग करों रा केन्द्रीय सरकार एतर्डारा पोषित करती है कि कस अतिस्तता में संकल श्रतमुखी में विसिद्धित उक्त भिष्यों में उपयोग का श्रद्धिकार पाल्पनाइन विद्वान के प्रयोगन के लिए एत्यद्वारा श्राजित किया जाता है।

और आगे उस कारा की उपधारा (4) सारा प्रकण शक्तिरों का प्योग करने हुए केसीय सरकार निर्देश देशी है कि उका भूमियों में उपयोग का शक्तिकार केदीय नरकार में निहित होने की बजाय नेख और प्राकृतित गैस धारोग में, सभी दाक्षाओं ने मुख्य कर में, घोषणा दे प्रकाणन की देस सारीख को निहित दोगा।

अनुसूची गाइप साइन पासर्पेपुटि III से पासर्तपटि I तक

राप्तः घोश्र प्रदेख		जिला . पूरव सोदावरी			मंङलः : मामिडिकुद्≋		
	एस. नं.	हेक्ट्रेयर्प	nd	— मेन्दीयर्स	मःहर्ग	मेन्टम	
श्रपनपारिल	290/1	0	0.1	5	()	0.4	
	289/3	0	0.8	0	σ	20	
	289/2	· O	0.2	0	(I	0.5	
	289/1	n	0.5	Ü	()	1.2	
<u></u>	कुल मिलापर	()	1 ซี	···-····	0	-+ 1	

[सं∘-12016/151/93—ऑ एत **ज**ाडा⊱∐ि]

एम मार्टिन **डे**स्क अधिकारी

#### NOTIFICATION

#### New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 113(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 438(L) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipe line;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. flow pipe line from Pasarlapudi III to Pasarlapudi I

State: Andhra Pradesh	District : East Godavari			Mandal ; Maunidikuduru		
Village	S, No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4		6	
Appanapalli	290/1	0	01	5	0	04
	289/3	0	08	0	0	20
	289/2	0	02	0	0	05
	289/1	0	05	0	0	12
Total		0	16	5		41

[No. O. 12016/151/93-ONGD-IV]
M. MARTIN, Dcsk Officer

0

0

 $21\frac{1}{2}$ 

#### ग्रधिमुचला

## नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का आ. 114(व). ---यन पेट्रिनियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के श्रिक्षित का श्रानेन) श्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपपारों (1) के श्रापीन भारत सरकार के पेट्रिनियम और अनिक गैम मंतालय की श्रिधिमुलता का आ.स.सं. 139(E) तारीख 30-6-93 जारा केन्द्रीय सरकार के उस श्रिधिमुलता के संक्षान के संक्षान पानुनकी में विभिन्दिट भूमियों में उपयोग के श्रिधकार की पाइपलाइनों की विष्कृति के लिए धानिन करने का श्रापना माण्य श्रीपित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उनते प्रधिनियम की धाना 6 की उपधास (1) के धधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है ।

आर श्रामे, यतः केरदीय सरकार में उक्त रिपोर्ट पर विचार फरने के पश्चात् इस श्रधिसूचना से संलक्ष्त ग्रनुभूची में जिनिद्दिष्ट भृमियों में उपयोग का श्रिक्षिकार श्रुणित करने का विनिष्चय किया है ।

श्रम, थनः उक्त श्रिथिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदल शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार एतद्दारा घोषित करती है कि इस श्रिधियुचना में संलग्न अनुसूची में विविद्धित्य उक्त भूभियों में उपयोग का श्रीभकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतर्द्वारा श्रीवित किया जाता है।

और आपे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देग देती है कि उतन भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की प्रभाव तील और प्राकृतिक गैस प्रायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाणन की इस नारीख़ को निहित होगा।

अनुसूर्चा पर्लाग लाइन कडलि I से नगरम तक

राज्य <b>ः श्रान्ध्र</b> प्रदेख		त्रिला पूरत गोदाबरि			भउन	म <b>मि</b> डिकू <b>षुर</b>
•••••••••••••••••••••••••••••••••••••	भार एस <b>नं</b> .	त्रम <b>टेयर</b>	 एर्स	मेन्टिडअर्स	प्कर्म प्कर्म	मेन्टम
1	N	;3	4	5	6	7
ক্ <b>ত</b> িৰ	५ <u>५८ । भाग</u>	11	01	0	()	0 2 <del>1</del>
	उल्लं <b>ध आ</b> ग	θ	0.5	0	0	12
	389/2 <b>भाग</b>	(I	0.3	D	U	U 7½
	उ <b>ठ</b> श्रीत	0	0.4	0	0	101/2
	3 <b>३९/ 3 भाग</b>	0	0.9	5	0	0.6
	402	()	0.5	5	0	14
	101	t)	00	5	0	02
	३८५/५ भाग	()	υ 1	ā	0	0 4 <del>1</del>
	३८५/३ भाग	0	0.0	5	0	1 5 <del>1</del>
	387/4 भाग	45	0.0	5	0	0.1
	390 <b>/1 भा</b> ग	n	0 1	5	0	04
	3 9 0 <b>/</b> 2 भाग	0	0 2	5	0	0 4
	388	(1)	0 2	0	0	03
	387 <b>/4 भाग</b>	U	0 3	5	0	04
	387/4 <b>भा</b> ग	0	03	5	0	04
	387/3	Ü	0.0	อั	0	$0.0\frac{1}{2}$
	898/1	0	9.0	5	0	1 5 <del>1</del>
	386/2	0	0.1	0	0	0.5
	400 <b>/11 भाग</b>	0	0.8	0	Q	20
	400/1 भाग	()	0.9	<b>š</b> ,	0	24
	398/2	0	0.0	5	0	001
	399/1	0	11	0	0	27
	40.0/3	0	0.4	5	0	11
	40 2/1	0	0.1	5	0	0 4 <del>1</del>
	40 1/2	Ct.	10	5	0	26
	383	0	03	U	0	0 64
	382/1	0	0.5	5	0	13 <del>1</del>
	418/1	0	03	0	0	0.7
	382/1	(1	11	5	0	28
	413	0	0.2	0	O	0.5
	435	0	13	U	0	$32\frac{1}{2}$

0

415/2

09

1	2	3	4	5	6	7
Annah - Anna 1 - Anna	416/2	o o	<u> </u>	5.	0	13
	416/2%	0	05	Ō	0	12-1/2
	418/24	O	.06	3	0	16
	417/1	0	24	5	0	60
	दूस मिलाकर	1	.83	0	4	54

[सं0 को~12016/152/93~को, एन, जी. धी.-4] एम, मार्टिन, वैस्क अधिकारी

#### NOTIFICATION

#### New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. No. 114(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 439(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification:

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipe-time;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. Gas pipe line from Kadali 1 to G.C.S. Nagaram

State : Andhra Pradesh,	District : East Godavari,	Mandal : Razoje				
Village	L. S. No.	Heotars	Acres	Centares	Acres	Conte
1	2	3	4	5	6	7
Kadali	'358/1 Pt.	9	01	0	0	2-1/2
	389/3 Pt.	0	05	0	0	12
	389/2 Pt.	0	03	0	Ø.	0.7=1/2
	359/5 Pt.	o	04	0	0	10-1/2
	389/3 Pt.	0	02	5	o	06
	402/1 Pt.	0	05	5	Ò	14
	401/2	0	00	5	0	002
	389/4 Pt.	0	01	5	0	04-1/2
	389/2 Pt.	0	06	5	0	15-1/2
	387/4 Pt.	0	00	5	0	01
	390/1 Pt.	0	01	5	0	04
	390/2 Pt.	0	02	5	0	06
	388	0	02	0	0	05-1/2
	387/4 Pt.	O	03	5	0	09
	387/4	0	03	5	0	09
	387/3	0	00	5	0	00-1/2
	398/1	0	06 -	5	0	15•1/2
	386/2	0	01	0	0	02
	400/4	0	08	0	0	20
	401/1	0	09	5	0	24
	398/2	0	00 :	5	0	00-1/2
	399/1	0	11	0	0	27
	444					

400/3

402/1

401/2

383

382/1

0

0

Ô

0

0

04

01

10

03

05.

5

5

5

Œ

3

0

0

0

0

0

11

04-1/2

26

96

13-1/2

1-	2	3	4	5	6	7
	418/1	0	03	0	0	07
	382/1	0	11	5	0	28
	413	0	02	0	0	05
	435	0	13	0	0	32/12
	415/2	0	09	0	0	211/2
	416/3	0	05	5	0	13
	416/2B	0	05	0	0	12
	416/2A	0	06	5	0	16
	417/1	0	24	5	0	60
Total	-	1	83	0	4	54

[No. O-12016/152/93-ONGD-IV]
M. MARTIN, Desk Officer

## मधिसूचना

## नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का.भा.चं. 115(भ).—पतः पेट्रेस्लियम और खनिज पाइपलाईन सूमि में उपयोग के मधिकार का ग्राजैन भिक्षितिमा 1962 (1962का 50) की धारा 3 की उपभारा (1) के मधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की यश्चिसूचना का.मा.सं. 440(ई) तारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रशिक्तना में संलग्न भनुसूची में विनिविद्ध भूमियों में उपयोग के मधिकार को पाइपलाईकों को विछान के लिए अजित करने का भ्रमा भाषय भीवित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की झारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीम सरकार को रिपोर्ट देवी हैं।

और ग्रांगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चांत इस अधिश्रुचना से संलग्न मनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का मधिकार मजित करने का विनियमय किया है।

द्याय, श्रातः उक्त सिथिनियम की भारा 6 की उपसारा (1) द्वारा अदक्त सक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एत्युद्वारा घोषित करती है कि इस सिधिनुष्ता से संलग्न मनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त पूमियों में उपयोग का सिधकार पाइपलाइन विख्याने के प्रवीक्षत के लिए एतव्द्वारा स्रिजित किया जाता है।

और माने उन्त बारा की उपचारा (4) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार मिर्देक देती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का भवि-का केन्द्रीय सरकार में निहिन होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस भ्रायोग के, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, बोवणा के प्रकाणन की इस तारीख की विद्विस होगा।

<u>्रशृक्षणी</u> पाइप लाईम कडस्सि-I से जी.सी.एस. नगरम

राज्य : माण्ध्र प्रवेश		जिला:पुरव गोपावरी		मंडलमानिडीकुड	वा	
गांव	सर्वे नं .	<b>है</b> क्टेयर्स	एस	सेन्टीयर्स	एकसं	सेण्टस
1	2	3	4	5	6	7
गेब्बाडा	152/3 ए	0	01	0	0	0:
	4 मी / 2	0	03	5	0	0.9
	1 30/बी	0	0.5	0	0	12
	<b>−/सी</b>	0	06	0	0	15
	1 4 8/मी	0	0 9	0	υ	22
	1 4 9/मी	0	12	5	υ	31
	145/81	0	0 1	0	0	0:
	1 4 9/सी	0	03	5	0	0 8
	130/जी	0	0.5	0	U	12
	1 4 5/Q	0	02	0	U	0.5
	145/€	0	03	0	0	0.8
	1 49/डी	0	σi	Ó	0	0.3
	149/5	0	0.8	5	0	21
	1 4 5/बी	0	0.5	0	0	1 2
	144	0	0.4	0	0	10
	कुण मिलाकर	0	70	0	1	73

[सं. O-12016/153/92/ओ एन जी डी-4]

एम. नार्टिन, बैस्क मिक्रारी

#### NOTIFICATION

## New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. No. 115(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 440(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline:

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### **SCHEDULE**

Flow line from Kadli I to G.C. S. Nagaram

State : Andhra Pradesh

District: East Godavari,

Mandal: Manidi Kuduwa

Village	R.S. No.	Hectares	Ares	Centirares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
GEDDADA	152/3A	0	01	0	0	02
	4/ <del>B/</del> 2	0	03	5	0	09
	130/B	0	05	0	0	12
	1C	0	06	0	0	15
	148/B	0	09	0	0	22
	149/B	0	12	5	0	31
	145/D	0	01	0	0	02
	149/C	0	03	5	0	09
	130/ID	0	05	0	0	12
	145/A	0	02	0	0	05
	145/E	0	03	0	0	08
	149/D	0	01	0	0	03
	149/E	0	08	5	0	21
	145/B	0	05	0	0	12
	144	0	04	0	0	10
	Ttoal:	0	70	0	1	7;

INo. O-12016/153/93-ONG.D-4] M. MARTIN, Desk Officer

## प्रविस्पना

नई घिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का. शा. 116(य). — यत पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (मूमि में उपयोग के प्रधिकार का प्रजेंग) प्रधिनियम. 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राइतिक गैस मंत्रालय की प्रधिस्वना का. भा. मं. 441(ई) वारी व 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिस्वना में संनयन प्रमुख्या में विनिधिक्ट मूमियों में उपयोग के प्रधिकार की पाइपलाइनों की बिखाने के लिए प्रणित करने का प्रथमा धाशय की बिना या।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम कीं आरा 6 की अपकारा (1) के क्रिकीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

भौर द्यारों, यंत्र, केन्द्रीय भरकार ने उकत रियोर्ट पर विचार भरने के प्रश्वास इस प्रधिशृद्यना से संलग्न प्रतुसूर्या में विनिर्दिष्ट भूमियों से उपयोग का प्रक्षिकार प्रजित करने का विमिन्नय निया है।

धव, भल उक्त ग्राविसियम की धारा 6 की जासारा (1) द्वारा प्रवस शक्ति का प्रयोग करते तुए केन्द्र कैस्तरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस व्यक्तिस्वता में मंतरत प्रतुसूची में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का सविकार पाइपलाइन विश्वाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा सजित-किया जाता है। बौर मार्ग उस धारा की उपधारा (4) द्वारा मक्त-मक्तियों का प्रबोध करते हुए केन्द्रीम सरकार निर्देश देती है कि उनत भूमियों में उपयोग के प्रमिक्तात केन्द्रीम सरकार में निष्ठित होते की धलाय तेल सौर प्राकृतिक गैस सायोग में, सभी बाधाओं से यकत रूप में, घोषणा के,प्रकाशन की इस तार्र स्व की निर्देश होगा।

कतो जोइन कशीन 🏗 से नगरम सक

त्यार भोज प्रदेश		िकलाः पूरव गोरावारी					
ria ·	एस . नं .	है <del>नट</del> सं	ए <b>सं</b>	गेन्टियर्स	-ए <b>श्व</b> र्स-	सुम्टस	
1	<u>। कुरुवारों कहीं के के के के का कार नहीं को भवताना तथा है के प्राप्त के किया का का का कि प्रमुक्त के कुलाई को  </u>	3	4	6	6		
	349/1₹î	0	24	0	-	5:	
गरम	348/2	0	02	O	1	,0:	
	347 1/8	0	08	'n	t,	$0$ : $\frac{1}{2}$ :	
	э В/2	o	07	0	)	1	
	3-C/2	0	0.4	0	1	1	
	_ <b>3 A</b> 2	0	04	O	)	1	
	з D/з	0	07	0	Э	່ "ໄ	
	346 1/ <b>B</b> 2	o	12	0	<b>)</b>	3	
	1-C/2	0 .	12	0	0	3	
	1 <b>-C</b> /3	0	91	0	D.	0	
	·· 342	. 0	0.6	0	0	_ ,1	
	340/1-2 A	0	0.5	0	0	. 📆	
	340/2B	0	0.5	0	0	1	
	340/3 <b>B</b>	0	09	0	O	2	
	340/2 C/1	0	02	$\Theta$	Ð	6	
	$340/1  \mathbf{D}/2$	0	95	O	0	ŀ	
	340/47	0	<b>51</b>	0	o	•	
	335/4B, 5B	0	0.3	o.	0	4	
		0	00.	5	O	(	
	335/9 <b>B</b>	0	-0-4	0	0	]	
	91\e c c	0	06 5 a '	0	0		
	106/9मी	0	00	5	0	(	
	وهل مهاره	•	04	0	0		
	1 08/4मी 1, 4/मी <del>है</del>	0	04	0	0		
	309/3ची असी	0	08	0	0		
		· <b>n</b>	0.3	<b>⊕.</b>	()		
	106/787	0	02	0	.0		
	107/44th	0	07 03	0	0		
	3/A 7वी	o 0		0	0		
	1 1 4/3 <b>व</b> रे	0	01 04	0	0		
	1 14/341 106/4¶	<b>'0</b>	01	0	0		
	10 6/3 वि	o	07	0	0		
	1 0 8/3 भी		04	θ.	•		
	3 <b>भी</b>	Ф О	01	ð	0		
	116	Q	02	0	ņ		
	116 115/1 <del>4</del> 1	0	ď <b>∌</b>	ö	σ-		
	114/1 <b>A</b> 3	0	04	5	0		
	114/1472	• 0	13	<b>5</b>	0		
	1 1 2/2 अभी	ő	0.9,	0	0		
	114/202	o o	04				
	155	θ.	03	<u>0</u> 0	5 0		
	157/147	0.	0.3°		ø.		
	157	ď.	01	<b>0</b> ′ <b>0</b> ′	v ~		

1	3	3	4	3	6	<b>7</b>
* ** **********************************	157/4¶	0	9.0	0	0	15
	8की	0	03	0	0	10
	166	(0	\ <b>0.4</b>	5	0	11
		₹ο	63∙	0	o	98
	153	<b>€</b> o	0.2	5	o	06
	1 ଓ <b>ର୍ଣ୍ଣ</b>	0	0.3	0	()	08
	184/4C/2	0	05	0	0	12
	3≉11	0	·0 0 ·	5	0	01
	1 <b>৪ %</b> প্রবিশ	Q.	12	5	0	3 1
	1 6 7/2 मेरि	0	04	0	0	10
	38वी	0	12 04 07	0	Q	17
	4णी	0	0.5	n	0	12
	5 <b>4</b> ÎT	0	.02	0	0	05
	e/#h	0	៧៩	0	0	12
	100	0	02	5	0	06
المراسم مياه من سياريس پري سب اسلاميوسم شي ن	•ुल मिलाकर	2	89	5	7	10

[र्स. भी- 12016/154/93- श्रीएम जी श्री-4] एस. नाटिन, बैस्त प्रविकारी

# NOTIFICATION New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. No. 116(E)....Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 441(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Papelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 60 (the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule oppended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government herbey declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laving the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. of flow line in Nagram village of the Radali I to GCS Nagaram

State: Andhra Pradesh	District : East Godavari	Mandal ; Mamidikuduru					
Village	R.S. No.	Hectars	Acres	Centiares	Acres	Cents	
1	2	3	4	5	6	7	
NAGARAM'	349/1B	0	24	0	0	59	
	348/2	0	02	0	0	05	
	347/1/B	0	08	0	0	20	
	3/ <b>B</b> /2	0	07	0	0	17	
	3/C/2	0	04	0	Ô	10	
	<b>3/A/</b> 2	0	04	0	ā	10	
	3/D/2	0	07	0	0	17	
	346/1/B2	Q.	1.2	0	•	30	
	1 fC/2	,0	12	0.	ò	30	
	1/C/3 342	.oj	.01	Õ.	ő		
	342	ó	01 08	ð,	o	.02 15	

an de familie de la compansión de la compa	THE GAZETTE OF INDIA:	EATRAURDINARI		TENET II-SHOW		**************************************
1	2	3	4	5	6	7
الله ومن المنظم	340/1A/2	0	05	0	0	12
	340/21	0	05	0	0	12
	340/3B	0	. 09	0	0	22
	340/2C/1	0	02	0	0	05
	340/4/0/2	Ö	0.5	ŏ	o	12
	340/4A	Ŏ	-01	o	ō	02
	335/40, 5B	ςō	03	ő	0	07
	050/40,02	₹ŏ	ŏŏ	5	ő	01
	335/9/B	0	04	0	0	10
	339/1A	0	06	0	0	1.5
	106/9B	0	00	5	0	01
	·2B	0	04	0	0	10
	108/4B1, 4/B/1/2	0	04	0	Ø	10
	339/3B	Ō	08	Ŏ	0	20
	4B	0	03	ō	Ō	07
	106/7C	ŏ	02	ő	Ô	05
	107/4/B	ŏ	07	. 0	ő	17
	3/A	ŏ	03	0	ő	<b>97</b>
	7/B	o	01	0	o	02
	114/3B	ō	04	0	0	10
	106/4A	0	01	0	0	02
	106/3B		07		ő	17
		0		0		10
	108/3B	0	04	0	0 0	02
	3D	0	01	0		
	116	0	02	0	0	05
	115/1B	0	05	0	0	12
	114/1 A2	0.	04	5 5	0	11
	114/1B2	0	13	5	0	33
	112/20B	0	09	0	0	22
	114/2 A2	0	04	5	0	11
	155	0	03	0	ø	07
	157/1B	0	03	0	0.5	- 08
	1 <b>57</b> /B	o	01	5	0	04
	157/4B	0	06	0	0	15
	8B	0	04	0	0	10
	166/B	ίο	04	5	0	11
	1.65	<u>ኒ</u> օ	03	O	0	98
	153	0	02	5	,0	06
	166/B	0	03	0	0 "	.08
	164/4C/2	0	05	0	0	12
	3B	0	00	5	0	01
	165/9B	0 .	12	5	0	31
	167/2B	0	04	. 0	0	10
	319	0	07	0	0	17
	AB	0	05	0	0	12
	5B	0	02	0	0	05
	6B	0	05	0	0	12
	169	0	02	5	0	.06
	Total:	2	89	5	7	10

[No. O-12016/154/93-O.N.G.D.4] M. MARTIN, Desk Offices

## **प्रतिपूर्व**मा

नर्ड शिल्ली, 7 फरजरी, 19००

का का लें. 117 (भ): -- यतः पेट्रीवियम और सामिक पाइपलाइन भूमि में उपयोग के मित्रकार का अर्जन अधिमियम 1962 (1962 का 50) की बारा 3 की उपधारा (1) के मंधीन चारत संस्कार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंद्रालय की, मंधिसूचना का आ से. 442(ई) तारीक 30-6-93 हारा बिक्रीय तरकार ने धन अधिमूचना से संजन्न अपूर्वियों में विनिधिच्ट मूमियों में उपयोग के अधिकार की पाइवलाइनी की बिद्धाने के निए अधित करमें का संबंधा कारास शीवित बार विमा वा ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त मिक्षिनियम की प्रास्त 6 की उपधारा (1) के मंत्रीन सरकार को रिपोर्ट वे दी है।

और मार्ग, यतः केल्बीय सरकार ने उक्त रियोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस मधिसूचना से संख्यन भनुसूची में विनिद्धिट भूमियों में उपयोग का प्रधि-कार प्रजित्त करने का विनिध्यय किया है।

मध, मतः उक्त मधिनियम की सारा 8 की उपवारा (1) द्वारा प्रदेश शक्ति का मधीन करने द्वुए केन्द्रीय सरकार एनक्ट्रारा भीवित करती है कि अस मिह्नसुक्ता में शतन्त अमुसुकी में विनिधिय्य उक्त भूमियों में उपयोग का मधिकार पाइगलोइन विद्याल के प्रयोजन के लिए एतक्द्रारा, अज़ित किया जाता है।

ंबीर धाने उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग फरते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं कि उम्ता भूमियों में प्रयोग का मिश्रकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की कजाय तेल और प्राकृतिक गैस धायौग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकासन की इस सारीक्ष की निष्ठित होगा।

धनुस्यी

धार, औ. व. फली खाइन ताटिपाका VI से कड़िल 1 स्टैंट ब्रॉइट प्रदेश: मश्रल गजीले; जिला: पूरव गोवावरि

<b>dire</b>	एकसी	सेन्टियस	एमं	हेक्ट्रेयसँ	पस नं.	गीव
06-	0	0	03	0	354/10 पार्ट	<b>ह</b> यि
(	υ	5	01	O	50 4/1 <b>प मार्ट</b>	-
(	U	5	0.1	0	50 4/1 ए पार्ट	
(	0	0	01	0	50 4/2 पार्टः	
:	0	5	10	Û	50 <b>5/</b> ३ पार्ट	
2	0	5	08	υ	50 5/1 पार्ट	
0 4- 1	o	5	0 <b>1</b>	0	5 <i>0 भ्</i> षार्ट	
	0	5	U 7	6	50 7/2 · g	
42-1	ø	5	17	U	508/1	
. 0	0	0	02	0	340/2 <b>पार्क</b>	
10-1	o	Ü	04	0	510/1	
	0	5	05	0	511/1 <b>क</b>	
5	0	5	0.9	0	_3.40/1	
(	O	0	26	0	342/1पार्व 5 पार्ट	
1	0	Ú	0.5	0	344/4, 1 <del>वी/वी</del>	
	0	13	08	0	344/1 ए, 2 बी, 2, 1बी/3	
1	0	5	0.6	0	.344/1 V, 2 V	
<b>6-1</b>	0	0	ΩJ	0	345/1 <b>4</b> ft	
	0	U	01	0	345/1 सी	
(	. 0	5	0.0	0	345/1 ਹੁੰ	
ρ8-1	0	0	03	0	335/1	
(	0	5	03	0	335/2	
(	Ü	5	0.0	0	335/3	
15-1	0	5	θĠ	0	346/2	
(	0	U	0.7	Ü	Š0.5/ <b>±</b>	
(	0	5	01	O	504/1 ए	
0 6- 1	0	5	02	0	,341/ <del>पार्ट</del> ।	
· <del>·</del> ··································	3	0	42	0	हुंस मिलाकर	

[सं. ओ-12016/135/93-ओ एन जी की-4] एस. मार्टिन, डैस्क श्रविकारी

#### NOTIFICATION

#### New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. No. 117 (E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 442 (E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the travernantes;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline:

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Off & Natural Gas Commission free from encumbrances:

SCHEDULE R.O.U. flow line from Tatipaka 6 to Kadali I State Andhra Pradesh; Mandal Razole; DT East Godavari

Village	R.S. No.	Hectar	Ares	Centiares	Acres	Cents
Kadali	'354/10PT	0	03.	0	0	06-1/2
	504/1 A PT	0	01	5	0	04
	504/1.A PT	0	01	_5	0	04
	504/2PT	0	01	0	0	02
	503/3PT	<b>Q</b> .	.10	.5	Q.	.26 21
	505/1PT	o	08 01 07	5	0	21
	506/PT	0	,O <b>1</b>	5	0	04-1/
	507/2A	Ü	07	5	0	19
	508/1	0	17	5	0	42-1/
	340/2PT	0	02	0	0	Ó5
	510/1	0	04	0	0	10-1/2
	51,1/1B	0	05	5	0	14
	340/1	0	●9	5	0	24
	342/1 to 7 PT	٥	26	0	0	64
	344/4, 1B/B	0	05	0	0	12
	344/1A,2B,2, 1B/3	0	08	Ō	Ō	20
	344/1A, 2A	0	06	5	0	10
	345/1B	0	03	0	0	06-1/
	345/1C	0	01	0	0	O:
	345/1A	0	oò	5	0	0
	335/1	0	03	0	0	08-1/
	33 <i>5</i> /2	0	03	5	0	09
	335/3	0	00	5	0	0
	346/2	0	06	5	0	15-1/
	505/2	oʻ	01	0	0	02
	504/1A	0	01	5	0	O-
	3417PT	0	02	5	0	06-1/
	Grand Total	1	42	0	3	61

[No. O-12016/155/93-ONG D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

## श्रक्तिसूचना भई विल्ली, 7 फरवरी, 1984

का.मा. 118 (म) .—मतः पेट्रोसियम और श्वनित्र पाइपलाइन भूमि में उपयोग के मधिकार का मार्जनं मधिनियम 1962 (1962 का 50) किं भारत अस्ति कारत सरकार के पेट्रोसियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की मधिसूचना का सा. सं. 443 (६) तासीच -30-8-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस मधिसूचना से संलग्न मनुसूची में विनिद्धिट भूमियों में उपयोग के मधिकार को बाइपलाइनों को विछाने के लिए मधिस करने का स्वता मान्य भौषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दें वी ह ।

और मागे, बतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पत्रवात् इत मधिलुबना से संख्यन मनुक्ष्या में विनिधिन्द भूमियों वें जाकोग का मधिकार मंजित करने का विनिध्यय किया है।

मध, मनः उन्न मधिनियम की घारा ७ की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त कक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवृद्धारा चोक्ति करती है कि इस्म प्रक्रियन में संस्थान भनुसूबी में विविद्धिक उक्त पमियों में जपयोग का मधिकार आव्यलावन बिकाने के प्रयोजन के लिए एतब्दारा मुद्धित, किया जाता कि।

ंकोर मार्ग उस धारों की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त कंक्तियों का ध्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त क्रिमयों में उक्ष्योक कर मिलकार केन्द्रीय सरकार में निर्देश होने की बजाय तेल और प्राइतिक गैस बामीन में, सभी बाधाओं 'से मूक्त छउ में, पोर्चेगा के प्रकाशों हो इस सारीख़ को लिहिन होगों।

भनम ची

फ्यों लास्त्र राजील III से जंब्यान बाल्य पाइन्ट तक स्टेट: प्रांघ्र प्रदेग; जिला: प्रण्वम गोदाबरों, मंडल नरसाुर

गॉन	भार एस नै.	वृ <b>नटेयम</b>	एसं	मेन्टीपर्सं	एभर्म	सेष्ट्रम
	202/281	Ú	19	5	0	48
	201/2 जी 1	Ù	3.8	ð	ð	94
<b>बै.बि.</b> लंका	20 1/2 एच 1 } 20 1/2 मी 1 } 1 9 9/2 ए	0	0.3	5	()	09
	200/1	0	13	O	0	3 <b>2</b>
	199/3 ए	0	0.7	ำ	-)	19
	198/17	O	0.1	Ü	O	03
	कुल मिलाकर	()	82	5	2	0.5

[सं. ओ--12016/156/93-ओ एन जी धी-4] एम . मार्टिन, डैस्क ग्राधिकारी

#### NOTIFICATION

#### New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. No. 118 (E).—whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 443(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And Whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And Further Whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now Therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And Further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE
Flow line Rozoie III to FCB Junction Volve Point State: Andhra Pradesh: Distt. West Godavari Mandal: Narsapur

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents
Y. V. Lanka	202/2B1	0	19	5	0	48
1, 7,2-2	201/2G1	0	38	0	0	94
	201/2H1 \\ 201/2C1 \\ 199/2A \\	0	03	5	0	09
	200/1	0	13	0	0	32
	199/3A	0	07	5	0	19
	198/A	0	01	o	0	03
	Grand Total	0	82	5	2	05

[No. O-12016/156/93-ONG-D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

## श्रिष्ठसूचना नई वल्ली 7 फरवरी, 1994

का.आ.सं 119(ई):---यतः पेट्रोलियम और खानिज पाइमलाइन भूमि में उपयोग के स्रिधिकार का खर्जैन श्रिष्ठितियम 1982 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रिधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की श्रिधसूचना का.आ.सं. 444(ई) तारीख 30-6-93 द्वारा केल्ब्रीय सरकार ने उन स्रिधसूचना में मंत्राल अनुसूची में विनिर्दिष्ट मृमियों में उपयोग के स्रिधकार की पाइपलाइमीं को विखान के निए द्यानित करने का अपका आजय विकित कर दिना था।

**और यतः सक्षम प्राधिकारी** ने उक्त प्रक्षिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को स्पिटि दे दी है।

और भागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस घधिसूचना से संलग्न धनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के ज्ययंग का परिकार भणित करने का विनिम्बस किया है।

श्रव, मतः उक्त भिधिनियम की धारा 6 की उपंधारा (1) द्वारा प्रदन जिल्ल का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एक्ट्सरा घोषित करनी है कि इस प्रश्नियन में संजयन श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रविकार पाइयनाइन विछाने के प्रयोजन वे लिए एक्ट्यान श्रविका किया जाता है।

और प्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदस गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का ग्रंथिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय मेल और प्राकृतिक यैंग आयोग में, सभी शाक्षाओं से मुक्त क्य में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा:

भोड्यून श्रारः, औः यू गैस पाइप लाइन एलमंबिलि-1 में जि.सि.एम नगरम स्टेटः झान्ध्र प्रदेश जिलाः पश्चिम गोदावरीः मंडलः एलमंबिलि

गांव	धार . एस . चं .	हेक्टार्स	एस'	सेन्टीयर्स	एकर्स	सेन्टम
1	2	3	4	5	6	7
नजा	60/ਬਾਣੇ	0	0 2	()	0	0 6
	6 <b>5/</b> 7 पार्ट	0	0 4	0	0	10
	40/1 पार्ट	0	0 5	5	Ü	1.
	6 <b>5/3 पार्ट</b>	0	0.6	0	0	ı
	65/7 पार्ट	0	0 1	n	ø	6
	<b>65/2 पार्ट</b>	0	0.1	0	0	3
	65/1 पार्ट	0	0.4	5	ŋ	1
	6 <i>6</i> /ਬਾਣੇ	0	0.3	0	(1	0
	7 6/ 2  पार्ट	0	0 1	0	Û	0
	., 64/2 पार्ट	0	I 8	5	U	4
	77/4 पार्ट	0	0.0	5	o	0
	41/पार्ट	0	0.1	0	0	0
	27/5 पा <del>र</del> ्ट	0	05	5	0	1
	27/5 पा <del>र</del> ्ट	0	0.4	5	Ω	1
	39 <b>/। पा</b> र्ट	0	17	0	0	4
	38/7, 8, 10, 11 पार्ट	0	11	5	(1	2
	38/13, 15, 16, 1 <b>7</b> पार्ट	0	07	5	0	1
	<b>37/पार्ट</b>	0	0.6	5	H	10
	36/3 <b>, 7</b> ਸਾਵੇਂ	0	11	5	()	2
	3 <b>3/3 पा</b> र्ट	0	0 1	0	0	0:
	3 ल/ ७ पार्ट	0	02	5	O.	4)
	3 3∤ 3 पार्ट	0	0.3	5	0	0
	32 पार्ट	0	0.1	5	0	0
	250/1, 2 पार्ट	0	18	0	U	4
	251/1 पार्ट	0	0.3	5	0	0
	251/1 पार्ट	0	0.3	O	0	0
	251/1 पार्ट	0	to -	0	0	C
	2 <b>5 1/1 पार्ट</b>	0	0.3	5	0	ť
	252/2 पार्ट	0	16	0	o	_
	2 र 4 <b>/ 4</b> मी	0	13	v	υ	;
	247/2	O	0 1	O	0	0 2-1
	243/1 भी पार्ट	0	0.6	0	υ	1 4-1
	343/2 <b>वी</b> पार्ट	u	0.9	5	0	2 4- 1
	2.4.5/1 पार्ट	0	03	5	Ü	0 8-1
	246/2 पार्ट	<b>'0</b>	0.9	5	0	23-1
	281 <b>/2-मी पार्ट</b>	0	0.3	U	v	0 6-1
	281 <del>/2-सी</del> पार्ट	0	0 2	5	0	0
	2 8 1/3-की पार्ट	0	07	5	0	19-1

1	2	3	4	5	6	7
<u> </u>	281/2 <b>-</b> ही पार्ट	0	0 2	5	0	0 6
	268/3-भी पार्ट	0	08	5	0	20-1/2
	269/4 पार्ट	0	0.1	5	θ	0.4
	271/6 र्था	0	0.5	0	o	1 2-1/2
	269/3 पार्ट	0	0.2	0	0	0.5
	269/2 पार्ड	0	0 2	0	0	0 5
	<b>७</b> ७ । ∤ । ची	U	03	0	O	07
	271/4 धी, 6-सी	U	0.4	ā	0	10-1/2
	2. <b>7.2</b> /1 आति	0	06	5	0	16
	272/2 बी	0	07	0	0	17-1/2
	273/2 वी	0	0 5	5	o	12-1/2
	27 4/2 पार्ट	O	04	5	0	11
	कुल मिलाकर	0	74	5	6	78

[सं. ओ~12016/157/93-ओ एन जी डॉ-4] एन. मार्डिन, डैस्क श्रीधकारी

# NOTIFICATION New Delhi, the 7th February 1994

S.O. No. 119 (E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 444 (E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHE DULE

R.O.U. Gas pipeline from Elamanchili I to G.C.S. Narasapur State Andhra Pradesh District West Godavar i Mandal Elamanchili

		T				
Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Accrs	Cents
		,			·	·
Kaza	60/Pt	0	02	0	0	05
	65/7 Pt	U	04	0	0	10
	40/1 Pt	0	05	5	Ó	13
	65/3 Pt	0	06	0	0	15
	65/7 Pt	0	01	0	0	02
	65/2 Pt	0	01	0	0	02
	65/l Pt	O	04	5	ō	11
	66 P t	0	03	0	0	08
	76/2 Pt	0	01	0	0	02
	64/2 Pt	0	18	5	0	46
	77/4 Pt	0	00	5	0	01
	41/Pt	O	01	0	0	03
	27/5 Pt	0	06	5	0	16
	27/5 Pt	0	04	5	0	11
	39/L Pt	0	17	0	0	42
	38/7,8,10, 11Pt	0	1 1	5	ò	28
	38/1 <b>3,</b> 15,16,17 Pt	0	07	5	0	18

	6	,5	4	3	2	- 1.
16	0	5	06	0	37/Pt	والمراجع والم
29	0	5	11	0	36/8,7 Pt	
03	0	0	01	0	33/3 Pt	
06	0	5	02	0	36/6 Pt	
09	0	5	03	0	33/3 Pt	
04	0	5	01	0	32 Pt	
45	0	0	18	0	250/1,2 Pt	
09	0	5	03	0	251/1 Pt	
08	0	0	03	0	251/1 Pt	
02	0	0	01	0	251/1 Pt	
09	0	5	03	0	251/1 Pt	
40	0	0	16	0	252/2 Pt	
32	0	0	13	0	244/4 B	
02-1/2	0	0	01	0	247/2	
14-1/2	0	0	06	0	243/1B Pt	
24-1/2	0	5	09	0	243/2B Pt	
08-1/2	0	5	03	0	245/1 Pt	
23-1,	0	5	09	0	246/2 Pt	
06-1/2	0	0	03	0	281/2B Pt	
04	Ō	5	02	0	281/2C Pt	
191/	0	5	07	-0	281/3B Pt	
06	0	5	02	0 (	281/2D Pt	
20-1/2	0	5	08	0	268/3B Pt	
0	0	5 +	01	0	269/4 Pt	
12-1/	0	0	05	Ō	271/6B	
0:	0	0	02	0	269/3 Pt	
0.	ő	0	02	0	269/2 Pt	
0.	ŏ	o	03	0	271/1B	
10-1/2	ő	5	04	0	271/4B	
10-1/2	Ť	•			6 <b>C</b>	
16	0	5	06°	0	272/1B	
17-1/2	o	0	07	o	272/2B	
12-1/2	0	5	05	Õ	273/2B	
12-1/2	0	5	04	0.	274/2Pt	
75	6	5	74	0	Total	

[No. O-12016/157/93-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

## श्रिष्टसूचना

## नई बिल्ली, 7 फरवरी, 1994

मा.का. 120 (म): — यतः पेट्रोलियम और खितज काइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का मर्जन म्रिश्वित्यम 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपबारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैम मंत्रालय की प्रश्चिम् जा.ग्रा.सं. 445(ई) तारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसुचना से संलग्न प्रमुक्त में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का स्पृता मासय घोषिस कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की बारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और धारो, यतः केन्द्रीय सर्कार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस प्रधिकार से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार सुख्यत करने का विनिष्टय किया है।

प्रब, मतः ज़्क्त मिनिवम की धारा 6 की, उपधारा (1) द्वारा द्वरत शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा घोषित करती है कि इक्क मिन्यूचना में क्षंत्रण अनुसूची में विनिधिष्ट उन्न भूमियों में अपयोग का श्रविकार पाइप लाइन विखाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा श्रांजित किया जाता है।

भीर भागे एवस बादा की उपधारा (4) क्षारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केब्बीक्ष खरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रविकार केब्बीय सरकार में निहित होने की बजाय तिल और प्राकृतिक नैस आयोग में, सभी अधाओं, की मुक्त रूप में घोरण के प्रकार की इस तारीज की निहित होगा।

अनुसूची श्रार.ओ.पू. पाइप लाइन एलमंचिति I से जी.सी.एस. नगरम

स्टेट: ग्रान्ध्र प्रवेश

जिला: पश्चिम गोदावरि

मंडलः नरसपूर

		1000 1000		riskusi (v spesilentspiragi) vanarniskasisi vanar (vider-alphila) ungi vanir sama-	and the state of t	aganatah no dan panah manan sapa mahangka kapatah kan manan manan kapatah angkan panah da kapatah sa	
सेन्ट्स	एकई	सेन्टीयर्स	एर्स	हेक्टार्स	भ्रार.एस.नं.	् गांव	
1 (	0	<b>.</b> 5	06	0	223/1 बी	—————————————————————————————————————	
23	0	5	09	0	223/1 सी		
11	0	- '5	04	0	223/2 बी		
27-1/2	0	0	11	0	226/1 बी		
28	0	5	11	0	226/2 बी		
09-1/	0	0	04	0	2 2 6/2 सी		
01-1/2	0	5	00 -	0	225/4 T		
0 5-1/	0.	, 5	02	0	227/1-डी/2		
4.	0	0	18	0	228/3 बी		
0	0	0	01	0	229/5 बी		
07-1/	0	0	03	0	257/3 बी/1भी		
0	0	0	02	0	258/2 बी		
-3	0	5	14	0	258/3 बी		
29-1/	0	0	1 2	0	250/2 बी		
0 4	0	5	01	0	256/2 बी		
0	0	0	02	0	262/2		
o:	0	5	00	0	272/3 ए		
1	0	0	0.4	0	259/2 <sup>प</sup>		
2	0	5	US	0	283/1, 2		
0	0	5	02	0	282/7 बी		
08	0	0	03	0	282/11 बी		
0.5-1/	0	0	02	0	282/10-बी/9 सी		
0,5 1/	0	0	01	0	282/9 बी		
13-1/	0	5	05	0	282/5 बी		
0	0	5	90	0	282/6 ए		
1	0		05	0	282/6 ५ 281/7 बी/10 बी		
0 5	0	0	02	0	201/7 ची/10 वा 277/11 बी		
12-1/2	0	9	05	0	277/11 बी 281/11 बी		
04-1/	0	0	02	0	201/11 था 27 <b>7/</b> 12 बी	•	
					277/12 वा 281/12 वी		
1	0	5	05	0			
0	0	5	03	0	277/10 बी		
0	0	5	01	0	277/9 बी		
04-1/	0	5	01	0	277/8 बी		
1	0	0	0.4	0	277/7 बी		
13	0	5	0.5	0	277/5 बी		
1.5	0	0	06	0	277/1 बी		
2	0	5	0.9	0	277/6 बी		
0.8	0	0	03	0	277/4 सी		
0.7	0	0	03	0	277/4 बी		
1	0	0	06	0	277/2 बी/3 बी		
0	0	5	00	0	276/3 <del>ए</del>		
40	0	0	16	0	280/1 बी		
20-1/2	0	5	0.8	0	273/2 बी		
02	U	0	01	0	273/4 <del>U</del>		
21-1/2	0	5	08	0	273/3 बी		
2 5-1/2	0	5	1'0,	0	272 <mark>/2 वी</mark>		
	5	Û	40	2		-	

<sup>्</sup>सिं. जी-12016/158/93-ओ एन जी डी-4] एस. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

#### NOTIFICATION

#### New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 120(E). ...Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 445(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the saidAct, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline:

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE
R.O.U. Gas pipeline from Elamanchili I to G.C.S. Narasapur

State: Andhra Pragesh	District : West Godavari					Mandal : Narsapur	
Village	R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents	
1	2	3	4	5	6	7	
Chittavaram	223/1B	()	06	5	0	16	
	223/1C	0	09	5	0	23	
	223/2B	0	04	5	0	11	
	226/1 <b>B</b>	0	11	0	0	27-1/2	
	226/2B	0	11	5	0	28	
	226/2 <b>C</b>	0	04	0	Ŋ	09-1/2	
	225/4A	0	00	5	0	01-1/2	
	227/1-D/2	0	02	5	0	05-1/2	
	228/3B	0	18	0	0	45	
	229/5B	0	01	0	0	02	
	257/3BՂ						
	138 5	0	03	0	0	07-1/2	
	258/2B	0	02	0	0	0.5	
	258/3B	0	14	5	0	36	
	250/2B	0	12	0	0	29-1/2	
	256/2B	0	01	5	0	04	
	262/2	0	02	0	0	05	
	272/3A	0	00	5	0	01	
	259-2A	()	04	0	0	10	
	283-1,2	0	08	5	0	21	
	282- <b>7B</b>	0	02	.5	0	06	
	282-11B	0	03	0	0	08	
	282-10 <b>B</b>	0	02	0	0	05-1/2	
	282-9B	0	01	0	0	02	
	282-5B	0	05	5	0	13-1/2	
	282-6A	0	00	5	0	01	
	281-7B 10B	0	05	5	0	14	
	277-11B	0	02	0	0	05	
	281-11B	0	05	0	0	12-1/2	
	277-12B	0	02	0	0	04-1/2	
	281-12B	0	05	5	0	13	
	277-10B	0	03	5	0	09	
	277-9B	0	01	5	ő	04	
	277-8B	0	01	5	ŏ	04-1/2	
	277-7B	0	04	o	o	10	
	277-5B	0	05	5	ō	13	
	277-1B	0	06	Õ	ō	15	
	277-6B	Ö	09	5	ő	24	

2	3	4	5	6	7
277-4C	0	03	0	0	08
277-4B	0	03	0	0	07
277-2B	0	06	Ü	0	15
3B					
276-3A	0	00	5	0	01
	0	16	0	0	40
	0	08	5	0	201/2
273-4A	0	01	0	0	02
273-3B	0	08	5	0	211/2
272-2B	0	10	5	0	251/2
		40	0	5	93
	277-2B 3B 276-3A 288-1B 273-2B 273-4A 273-3B	277-4B 0 277-2B 0 3B 276-3A 0 288-1B 0 273-2B 0 273-4A 0 273-3B 0	277-4B 0 03 277-2B 0 06 3B 276-3A 0 00 288-1B 0 16 273-2B 0 08 273-4A 0 01 273-3B 0 08 272-2B 0 10	2 3 4 5  277-4C 0 03 0 277-4B 0 03 0 277-2B 0 06 0 3B  276-3A 0 00 5 288-1B 0 16 0 273-2B 0 08 5 273-4A 0 01 0 273-3B 0 08 5 273-3B 0 08 5 272-2B 0 08 5	2 3 4 5 6  277-4C 0 0 03 0 0  277-4B 0 03 0 0  277-2B 0 06 0 0  3B  276-3A 0 00 5 0  288-1B 0 16 0 0  273-2B 0 08 5 0  273-4A 0 01 0 0 0  273-3B 0 08 5 0  273-3B 0 08 5 0  273-2B 0 08 5 0

[No. O-12016/158/93-ONG-D, IV] M. MARTIN, Desk Officer

### ग्रधिसूचना

## नई दिल्ली, 7 फरबरी, 1994

का. धा सं 121 (ग्रा) :---यतः पेट्रालियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के धश्चिकार का धर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के धश्चीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की प्रधिसूचना का. स्ना. सं. 446 (अ) **तारीख** 30-6-93 द्वारा केस्ट्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से संजन्त श्रतुसूची में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग के श्रधिकार को पाइण-ज़ाइनों की बिछाने के लिए घर्जिन करने का भ्रमना श्राणय घोषित कर दिया था;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के क्रधीन सरकार की रिपोर्ट देवी है।

और भ्रामे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उनत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चास् इस अधिसूचना से संचयन घनुसूक्षी में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार प्रजिस करने का विनिम्चय किया है।

श्रवः अतः उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त मक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्कारा घोषित करती है कि इस श्रिक्ष्मचना में संलग्न श्रनुसूची में बिनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिक्तार पाइपलाइन विष्ठाने के प्रयोजन के लिए एनद्द्वारा श्रिक्त किया जाता है।

और श्रामे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कैश्बीय गरफार निर्देश देती है कि उश्त भूमियों में उपयोग का भ्रधिकार कैन्द्रीय सरकार में निहित होने की सजान तेल और प्राकृतिक गैम आयोग में, सभी बाधाओं से मुनत रूप में, भोषणा के प्रपाणन की इस तारीय को निहित होगा।

अनुमूर्ष श्रार मो यू पाइप लाइन "एपामिनली-I' से "जी सी एम नरसपुर" तक

स्टंट : प्राध्य प्रदेश,

जिला . पश्चिमी गोदाबरि,

मंद्रल : नरमपूर ।

	rec . Sim stay	(4)		٠ - د		
गांव	आर एस स	श्यटायमी	ण्ग		ाक्षच्	———— मेस्टस
1	2	3	5	54	64	7
नबरमपुरम	103-ਸੀਟੀ	Ü	0.4	0	υ	10
	103-2 पी दी 1041 102-पीटी 101-पीटी	U	25	Ų	o	62
	97 पैटी	0	0υ	5	n.	0 1
	98 पीटी	0	10	Ú	o	25
	93-1, 2, पीटी	υ	0.7	3	0	18
	9 3- 3. 4 पीटी	0	06	5	0	16
	78-3					
	7 <b>9-</b> 1	U	15	0	o	37
	80-3					
	7 8- 1 पीटी	0	11	5	0	28
	80- 5 पीटी	0	0.5	5	0	16
	80-6, 7	0	0.5	5	0	14

	O COLUMN					. 5 (1-) 1
1	?	3	<u>.</u>		· ·-=	7
नवरमपुरम(जारी)	5 :- 1 भाग	0	0.8	0	0	20
	१५ भाग	0	0.5	5	1)	13
	57-1,3	ð	ù <b>7</b>	S	Q.	19
	57-2 <b>भाग</b>	Ú	ស្ត	-5	ı)	16
	5 4-2 <b>भाग</b>	Ü	10	ly.	υ	2.5
	5 <del>ले-</del> 3 <b>माग</b>	0	0.3	0	U	0.8
	17-1, 12, मार	0	0.9	à	0	23
	1 7-1 3 भीग	0	6.1	5	0	04
	1 7-1 2 स(ग	0	0.8	0	0	20
	13- <b>4 भा</b> य	0	0.3	0	0	08
		1	5 1	5	3	82
~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~	,,					

[र्स. ओ---12016/159/93---ओ एन जी. की. --4] एम. मार्टिन. **डे**स्क प्रक्रिकारी

#### NOTIFICATION

## New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 121(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 446(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to his notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

**SCHEDULE** 

R.O.U. pipe line from "Elamanchili 1" TO "G.C.S. Narsapur."

State: Andhra Pradesh; District West Godavari: Mandal: Narsapur.

Village	R.S. No.	Hectzrs	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Navarasapuram	103-pt	0	04	0	0	10
	103-2 pt   104-1   102-pt   101-pt	0	25	0	0	62
	97 pt	0	60	5		01
	98 pt	0	10	0		25

1	2	3	4	5	6	7
Navarasaparam—(Contd.)	93-1, 2 pt	0	07	5	0	18
	93-3, 4 pt		06	5	0	16
	78-3 Ղ					
	79-1 }- 80-3 ∫	0	15	0	0	37
	78-1 pt	0	11	5	O	28
	80-5 pt	0	06	5	0	16
	80-6, 7	0	05	5	0	13
	54-1 pt	0	08	0	0	20
	13 pt	1	05	5	0	13
	<i>57-</i> 1, <i>3</i>	0	07	5	0	19
	57-2 pt	0	06	5	0	16
	54-2 pt	0	10	0	0	25
	56-3 pt	0	03	0	0	08
	17-1, 12 pt	0	09	5	0	23
	17-13 Pt	0	01	5	0	04
	17-12 pt	0	08	0	0	20
	13 <b>-</b> 4 pt	0	03	0	0	08
	TOTAL	1	54	5	3	82

[No. O-12016/159/93-ONG-D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

## मधिसूचना नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का. भा. 122 (प्र):—पनः पेट्रोलियम और सिनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के भ्रधिकार का पर्भेत) मितियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3की उपधारा (1) के भ्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैन मंत्रालय की भ्रधिसुवना का. भ्रा. सं. 447 (अ) तारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रधिसूचना से संगम्न भनुसूत्री में विनिधिन्ट भूमित्रों में उत्तरोग के प्रधिकार का नुंपाइपनाइनों को बिछाने के लिए मंत्रित करने का भ्रपना भागय बोबित कर दिया था;

और यक्तः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्राधिनियम की खारा 6 की उपधारा (1) के ब्राधीन सरकार को रिनोर्ट दे वी है।

और मागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस मधिश्रुचना से संलग्न मनुसूचीं में विनिर्विष्ट भूमियों का उप-योग का मधिकार मर्जित करने का विनिय्चय किया है।

मन, मत: उक्त मिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनव्द्वारा वोषित करती है कि इस मिनियुचना में संलग्न मनुसूचि में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का मिनिकार पाइपलाइन विद्याने के प्रयोगन के लिए एतद्दारा मिनित किया जाता है।

और मागे उस घारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश वेती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की सजाय तेन और प्राकृतिक गैस मायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त कर में, घोषणा के प्रका-मान की इस सारीख को निहित होगा।

मनुदूषी भारओ मूपाइप लाइन ऐलामीचिलाँ I से जा सी एस नरसपुर

राज्य : सांघ्र प्रदेश

जिला: पश्चिम गोदावरी

मंडल : नरतपुर

गांव	एस <b>ग</b> .	<del>हेक</del> ्टार्स	एयसँ	सैन्टियर	एकड़	सेग्ट्स
1	2	3	4	5	6	7
माधव।यपालेम	62/3 पा <del>र्ड</del>	0	0.6	5	0	15 <del>1</del>
	6 3/2 <b>पार्ट</b>	0	15	0	0	371
	67/1 ए पा <b>ट</b>	0	09	0	0	22
	67/2 <del>सी</del>	0	0 1	0	0	0 2 <del>1</del>
	67/1 की	0	0.8	0	0	201
	64/1	0	0 1	5	5	04
	64/2	0	02	0	0	9 4 1/2
	65/2 <del>ए</del>	0	10	0	0	25

1	2	3	4	5	в	7
माधवायपलेम⊸-जारी	6 5/2 की	0	0 9	0		22
	57/4	0	07	0	0	17
	57/1	0	03	0	0	08-1/2
	57/2	0	0.9	0	0	2-1/2
	57/2	0	02	5	0	0 6-1/2
	5 8/ 2 भाग	0	04	5	0	10-1/2
	58/3 भाग	0	0 9	5	0	24-1/2
	56 माग	0	0 1	0	0	0 2-1/2
		0	98	5	2	44-1/2

[सं. ओ---12016/160/93---ओ एन जी----डी-4]

Village: Madhavaipalem Mandal: Narsapur

एम. माटिन, डेस्क प्रधिकार।

#### **NOTIFICATION**

### New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 122(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 447(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that rotification for the purpose of laying pipeline.

And whereus the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this rotification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of festing in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

# SCHEDULE O. I. Gas nine line from Florenskill Lt. G. C.S. Necessar

R.O.U. Gas pipe line from Elamanchili I to G.C.S. Nagaram State: Andhra Pradesh

			Manapai					
Village	R.S. No.	Hectres	Acres	Centiares	Acres	Cents		
Madhavaipalem	62/3 Pt	0	06	5	0	151		
	63/2 Pt	0	15	0	0	37 <del>1</del>		
	67/1 <b>A</b>	0	09	0	0	22		
	67/2C	0	01	0	0	021/2		
	67/1 <b>B</b>	0	08	0	0	201		
	64/1	0	01	5	0	04		
	64/2	0	02	0	0	041		
	65/2A	0	10	0	0	25		
	65/2B	0	09	0	0	22		
	57/4	0	07	0	0	17		
	57/1	0	03	0	0	08 <del>1</del>		
	57/2	0	09	0	0	$21\frac{1}{2}$		
	58/2	0	02	5	0	63		
	58/2 <b>P</b> t	0	04	5	0	10 <del>1</del>		
	58/3 Pt	0	09	5	0	24 <del>1</del>		
	56 Pc	0	01	0	0	$02\frac{7}{2}$		
		0	98	5	2	441		

[No. O-/2016/160/93-ONG-D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

#### प्रधिसृषना

### नई दिल्लीं; 7 फरवरीं, 1994

का हा। 123 (अ) -- य ः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में अपयोग के प्रधिकार का धर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उन्धारा (1) के अर्वाप भारत सरकार के पेट्रासियम और प्राकृतिक गैस मुंबालय का प्रधिमुक्ता काश्रासं, 448(अ) तारीख 30-6-93 बारा केलाय सरकार ने उस प्रधिस्चना से संलग्न धनमुष्का मे विनिविष्ट मुमियों में उपयोग के प्रधिकार को पाईपलाईन को बिछाने के लिए प्रजित करने का प्रपना प्राणय घोषित कर दिया था।

भीर यक सक्षम अधिकारी ने उक्त भ्रधिनियम की धारा 6 की उपधारः (1) के भ्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

स्टेट चाध प्रदेश:

श्रीर आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उसत रिपोर्ट परविचार करने के पश्चात् इस श्रीधतुचना से संलग्न श्रनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमियों में उनयोग का श्रीधकार भ्रजित करने का विनिश्चय किया है।

भ्रवः भ्रतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उत्थारा (1) द्वारा प्रवत शक्तियो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवृद्वारा घोषिल करती 🐉 कि इस प्रधिकुचना में मुंलप्त प्रनुसुची में विनिर्विष्ट उक्त पुमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एत्वदारा अजित किया जाता है।

श्रीर श्रागे उस श्राग की उत्थार। (4) द्वार। प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सुरकार निर्देश देती है कि उक्त शक्तियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निष्टित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैम भायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित् होगा।

धार. द्यां. यु. लाइन इनामंचिलि I से जि. सि. एस. नरसापूर सक जिला: पश्चिमी गोबाबरी.

	100: 4(1)	19(4) 114441 414(4)		न वन । तरवानुस्ता		
गांव	एस.नं.	हैक्टार्स	एसं	सेंटिएसं	एकसं	सेट्स
1	2	3	4	5	6	7
चिनमामिडिपस्लि	84/3	0	0.5	5	0	12-1/2
कुल मिलाकर		0	05	5	0	12-1/2

[मं. श्रो-12016/161/93-श्रोगनजी-श्री-4] एम. माटिन, बैस्क भविकारी

मंत्रल : सन्मात्रक ।

#### NOTIFICATION

## New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 123(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 448(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### **SCHEDULE**

# R.O.U.line from Elamanchili I to G.C.S. Narsapur

State: Andhra Pradesh, Distt. West Godavari Mandal: Narsapuram

Village	S. No.	Hectare	Ares	Centiares	Ares	Cents	S
1	2	3	4	5		6	7
Chinamampoi Palli	84/3	0	05	5		0	121
_	Grand Total	0	05	5		0	121

[No. O-12016/161/93-ONG-D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 फरबरी, 1994

का.मा.124(म्र).--पा. पेट्रॉलियम मीर खिलज पाइस्लाईन (भूमि में जनयोग के मधिकार का मर्जन) मिश्रितियम, 1962 (1962 का 50) की धान 3 को जावारा (1) के म्रामिन मारत संस्कार के पेट्रॉलियम मीर प्राइतिक गैस मंत्रालय की मधिसूषना का.मा.सं. 449(अ) कार्यख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय स्वास्तर ने जल मिश्रिक्चना से संलग्न मनुसूनों में विनिर्दिष्ट मूमियों में जनयोग के अधिकार की पाईपलाईनों को विकान के लिए मजित करने का मधिना माश्रय कोबिया कर विया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट वे वी है।

भीर भागे, यक्ष केन्द्रोय संस्कार ने उक्क रिपोर्ट पर विचार करने के पक्षात् इस भीधसूत्रका से संलग्न भनुसूत्री में विकिद्धिट भूमियों के उदयोग का प्रक्रिकार भजित करने का विनिज्य किया है।

म्रड, मक उक्त मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गर्कित का प्रयोग करते हुए केखोय सरकार एसप्रदारा घोषिक करती है कि इस मधिसुबना से संतरन मनुसुबी में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का मधिकार पाइपलाईन विभाग के प्रयोजन के लिए एक्षुदारा मजित किया जाता है।

भीर आने उस घारा की उन्धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश थेनी है कि उकत भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस भायोग में, सभी बाधामों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहितहोगा।

सारणी भार भ्री यू लाईन मीरि I सेजो सि एस नगरम

स्टेट: श्रोध्न प्रदेश; जिला: पूरव गोदावरी; मंडल: सिखनेटिपल्लि

	(७८: माध्र अपूर्व) विश्वार	X (4 11414 (1)	-1041 - 41	14 HOTICA		
गांव	एस नं.	हैक्टार्स	एर्स	सेंटिएसं	एकसं	सेट्स
1	2	3	4	5	6	7
शवदासुवालम	147/2APT	0	07	5	0	18
_	147/2 <b>BPT</b>	0	08	5	0	2 1
	1 <b>4</b> 7/2C	0	12	5	0	31
	148/1B	0	03	0	0	07
	145/ <b>PT</b>	0	0 1	0	0	02
	142/1 <b>A</b> , 2 <b>A</b>	0	01	5	0	04
	132/1,2, <b>PT</b>	0	28	5	0	70
	1 3 1/4 <b>PT</b>	0	0 1	0	0	03
	138/4PT	0	18	5	0	46
	129/ <b>5A</b>	0	09	5	0	24
	128/2 <b>P</b>	0	02	5	0	05
	1 2 6/8	0	01	ø	0	02
	1 <b>2 5/PT</b>	0	27	0	0	67
	1 <b>2 2/</b> 1, 2 <b>PT</b>	0	12	0	0	30
	1 2 2/2 <b>PT</b>	0	0 1	0	0	03
	1 2 1/4	0	01	0	0	03
	1 2 1/5 <b>PT</b>	0	08	5	0	21
	1 <b>2</b> 1/6 <b>PT</b>	` <b>o</b>	03	0	0	08
	1117/1,2PT/ 114/7,2PP	0	39	5	0	97
	1 1 4/4PT	0	0.5	0	0	12
हुल मिन(क <sup>र</sup>		1	92	0	4	74

[मं. भो-12016/162/93-भोगनजी-की-4] एम मार्टिन, बैस्क प्रविकारी

## New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 124(E)—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 449(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### **SCHEDULE**

R.O.U. line from Mori I to G.C.S. Nagaram

State: Andhra Pradesh. DT: West Godavari, Mandal Sakhinelipalli

Village	S.No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
Kesavadasupalem	147/2A pt	0	07	5	0	18
-	147/2Bpt	0	08	5	0	21
	147/2C	0	12	5	0	31
	148/1B	0	03	0	0	07
	145/pt	0	01	0	0	02
	142/1A, 2A	0	01	5	0	04
	132/1, 2 pt	0	28	5	0	70
	131/4 pt	0	01	0	0	03
	138/3 pt	0	18	5	0	46
	129/5 <b>A</b>	0	09	5	0	24
	128/2 <b>P</b>	0	02	5	0	05
	126/8	0	01	0	0	02
	125/pt	0	27	0	0	67
	122/1, 2 pt	0	12	0	0	30
	122/2 pt	0	01	0	0	03
	121/4	0	01	0	0	03
	121/5 pt	0	08	5	0	21
	121/6 pt	0	03	0	0	08
	$117/1, 2 \text{ pt} \\ 114/7, 2 \text{ pt} $	0	39	5	0	97
	114/4 pt	0	05	0	0	12
	Grand Total	1	92	0	4	74

नई दिल्ला, 7 फरवरी, 1994

का.मा. 125(म).---यह पेट्रॉलियम भीर खनिज पाइपलाइन भूमि में उत्योग के मधिकार का मर्जन मधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 को उत्थार (1) के मधीन भारत सरकार के पेट्रॉलियम भीर प्राकृतिक गैस मवालय की भिष्ठभूतना का.मा.सं. 450(ई) हारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उत्त मधिसूचना से सलग्न मनुसूची में विनिद्धिट भूमियों में उत्योग के मधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए मजित करने का भन्ना माश्रम भोषित कर विया था।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के भ्राधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

भीर आगे, यतः केन्द्रोय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर दिचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों का उत्योग का मधिन कार अजित करने का विनियनय किया है।

स्रक, मः उक्त मधिनियम की द्यारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रोय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस मधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का घिषकार पाइपलाइन विकान के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा मजित किया जाता है।

न्नीर न्नाभे उस धारा की उपधान (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त सूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल ग्रीर प्राकृतिक गैस आयोग में, इसी बाधान्नी से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

सारणी भार.भो.यू. पाइप लाईन मोरि I से जि.सि.एस. नगरम तक

राज्य: मान्ध्र प्रदेश		जिला : पूर्व गोदावरी			मंडल : सिक्वनेटिपल्लि	
गांव	एस न			सेन्टियसं	एकसं	 से
	88/2 पी दी	0	37	0	0	91
	8 <i>7</i> /17 पी टी	0	10	0	0	25
	87/16षी दी	0	0 1	0	0	03
	78/10, 5, 4, 10	0	14	0	0	35
	78/10	0	05	0	0	12
	77/पी टी	0	0.3	0	0	07
	कुल मिलाकर	0	70	0	1	73

[सं. मो.-12016/163/93-मो एन जी-डी-4] एस. मार्टिम, डैस्क मधिकारी

## New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 125(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natura Gas S.O. No. 450(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

राज्य: मान्ध्र प्रवेश

#### **SCHEDULE**

R.O.U. line from Mori I to G.C.S. Nagaram

State Andhra Pradesh, DT: East Godavari; Mandal: Sakhineltipalli

Village	S.No.	Hectare	Ares	Centiares	Acres	Cents
Mori	88/2pt	0	37	0	0	91
	87/17 pt	0	10	0	0	25
	87/16 pt	0	01	0	0	03
	78/10, 5, 4, 10	0	14	0	0	35
	78/10	0	05	0	0	12
	77/pt	0	03	0	0	07
	Grand Total	0	70	0	1	73

[No. O-12016/163/93-ONG-D-IV] M. MARTIN, Desk Officer

मंडल: सखिनिधपल्लि

## नई दिल्लो, 7 फरवरो, 1994

का. प्रा. 126(अ).---यतः पेट्रोलियम मौर खनिज पाइपलाईन (भूमि में उत्तयांग के अधिकार का मर्जन) प्रधिनियम 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम भीर प्राकृतिक गैस मंत्रालय की प्रधिमुचना का. भा. सं. 451(ई) तारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रांय सरकार ने उत्त प्रधिमुचना से संलब्ध प्रमुचने में निर्निदिष्ट भूमियों में उपयोग के प्रधिकार की पाइपलाइनों को निष्णा प्रजिल् करने का प्रपत्ता प्राण्य घोषित कर दिया था।

भौर यतः सक्षम प्राधिकारो ने उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधोन सरकार की रिपोर्ट दे वी है।

ग्रीर ग्रामे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उकत रिपोर्ट पर विकार करने के पण्यात् इस अधिसूचना से संख्यन श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का ग्रिधकार ग्राजित करने का विनिश्चय किया है।

श्रम, श्रतः उक्त श्रधिनियम को धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एसब्हारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उत्योग का श्रधिकार पाइपलाइन बिळाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा श्रक्तित किया जाता है।

भौर भागे उस घारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सरकार निर्देश देती है कि उकत भूमियों में उपयोग का भीधकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल भौर प्राकृतिक गैस भागोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख की निहित होगा।

जिला: पूर्व गोदावरी

सारणी भार.भो.यू. पाइप लाइन मोरि I से जि.सि.एस. नगरम

सेन्टिमसं एस् एस नं. हैक्टर्स एकर्स संट्रम गोव 2 3 4 5 6 7 1 4 13/5पी टी 0 11 0 असर्वेदिपालेम 27 4 1 4/पोटी 0 5 11 0 28 4 1 5/ 1 पीटी 12 0 30 4 1 5/ 1 पीटी 0 01 5 0 04 420/2 पीटी 0 04 5 0 11 420/2पोटी 0 01 0 0 0 4 1 9/पोटी 0 0 14 0 34 418/4, 5 PT 14 5 36 418/6भाग 0 a 09 0 22 404 भाग 0.1 0 0 0.3 0 431/1 भाग रे 0 15 0 37 430/2 माग ʃ 05 43 1/2 भाग 0 5 0 13 430/1 माग 0 00 5 0 01 430/7 माग 07 0 17

			= <u></u>	;; <u> </u>		
1	3	3	4	5	6	7
अंत र्वेविमाले म	450/11 भाग	0	05	5	0	13
	430/12 भाग	0	0 3	5	0	06
	433/2 भाग	0	10	5	0	2
	480/1 माग } 434/3 माग }	0	18	Ø	0	4
	434/3 भाग	0	0.9	5	0	24
	50 <b>4</b> /भाग	0	0 1	5	0	04
	503/1 <b>मा</b> ग	0	0.5	0	0	12
	503/3 <b>भाग</b>	0	03	0	0	08
	50 3/2 भाग	0	0.2	0	0	0.5
	502/2 माग	0	12	0	0	30
	493/3 भाग	0	0 2	0	0	0.5
	493/3 माग	0	0.8	5	ø	21
	493/1 माग	0	18	0	0	45
	49 1/माग	0	0.9	5	0	23
	484/2 जी	0	03	0	0	0.7
	483/1 भाग	0	12	5	0	31
	484/1 माग	0	10	5	0	26
	482/4 भाग	0	03	0	0	0.7
	484/12 भाग	0	0.5	0	0	12
	4 7 6/ 3 भाग	0	08	0	0	20
	48 2/4 भाग	0	0 2	5	0	0 6
	481 <i> ए</i> . भाग	0	07	5	0	18
	476/अः भाग	0	03	0	0	07
	4 7 8 / 4 , 5 भाग	0	05	5	0	1 4
	478/2 भाग	0	0.7	5	0	18
	4 6 5/3, 2 <b>भा</b> ग	0	20	0	0	49
	4 6 5 <b>/</b> 1 भाग	0	01	5	0	0 4
	4 6 5/ 1 भाग	0	01	5	0	0 4
	4 6 5 / 2 भाग	0	08	0	0	20
	 कुल मिलाकर	3	15	0	7	 7 (

[सं. भो-12016/164/93-भो एव जो ही-4 एम. मार्टिन, डैस्क ग्रीधकारी

## New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 126 (E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 451(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

# SCHEDULE

R.O.U. pipe line from Mori I to G.C.S. Nagaram

State: Andhra Pradesh

District: East Godavari Mandal : Sakhinelipalla

Village	R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
Antarvedipalem	413/5 pt	0	11	0	0	2
	414/pt	0	1 I	5	0	2
	415/1 pt	0	12	0	0	30
	415/1 pt	0	01	5	0	0-
	420/2 pt	0	04	5	0	1
	420/2 pt	0	01	0	0	03
	419/pt	0	14	0	0	34
	418/4, 5 pt	0	14	5	0	36
	418/6 pt	0	09	0	0	22
	404 pt	0	01	0	0	03
	431/1 pt ]					
	}-	0	15	0	0	37
	430/2 pt	_				
	431/2 pt	0	05	5	0	13
	430/1 pt	0	00	5	0	01
	430/7 pt	0	07	0	0	17
	430/11 pt	0	05	5	0	13
	430/12 pt	0	02	5	0	06
	433/2 pt	0	10	5	0	26
	480/1 pt )	•	10	•	•	
	434/3 pt }	0	18	0	0	45
	434/3 pt	0	09	5	0	24
	504/pt	0	01	5	0	04
	503/1 pt	0	05	0	0	12
	503/3 pt	0	03	0	0	08
	503/2 pt	0	02	0	0	05
	502/2 pt	0	12	0	0	30
	493/3 pt	0	02	0	0	05
	493/2,3 pt	0	08	5	0	21
	493/1 pt	0	18	0	0	45
	491/pt	0	09	5	0	23
	484/2 B	0	03	0	0	07
	483/1 pt	0	12	5	0	31
	484/1 pt	0	10	5	0	26
	482/4 pt	0	03	0	0	07
	484/12 pt	0	05	0	0	12
	476/3 pt	0	08	0	0	20
	482/4 pt	0	02	5	0	06
	481/A pt	0	07	5	0	18
	476/3A pt	0	03	0	0	07
	478/4, 5 pt	0	05	5	0	14
	478/2 pt	0	07	5	0	18
	465/3, 2 pt	0	20	0	0	49
	465/1 pt	ő	01	5	0	04
	465/1 pt	ő	01	5	0	04
	465/2 pt	ő	08	0	0	20
					7	· — - <u>—</u>
	Grand Total	3	15	0	1	76

[No. O-12016/164/93-ONG-D-4] M. MARTIN, Desk Officer

## नई बिल्का, ७ फन्दरी, 1994

का. आ. 127(म्).--या पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपमांग के प्रक्षिकार का अर्जन श्रिक्षियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की जाद्यारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राक्षिक गीम मंत्रालय की मधिमूचना का. प्रान्त 4.452(ई) परिधा 30-6-93 द्वारा केल्यांय सरकार ने उप श्रिक्षिचा में संलग्न अनुसूखों में विनिद्धित पूमियों में उपयोग के अधिकार की पारमलाइनों की विद्याने के खिल अजिह करने का अपना अपन्य धोषित कर दिया था ;

भौर याः सक्षम प्राधिकारः ने उक्त अधिनियम का धारा 6 की। उपधारा (1) के अधीत सरकार की रिपोर्ट दे दे है ;

भीर आसे, यक केन्द्राय सरकार ने उका रिपोर्ट कर िया करने के अण्यात् इस श्राविमुखना में मंतरन श्रानुसूना में विनिद्धिक मूमियों में उपयोग का ग्राधिकार भजित करने का निनिष्**नय किया है**।

श्रव, श्रव उक्त मिनियम का धारा 6 को उनमारा (1) द्वारा प्रदक्त मिनिद का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एम्ह्यारा घोषित करती हैं कि इस मिनियुक्ता में नंतरन अनुसूची में विनिदिष्ट उक्त मुसियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एस्ट्रुद्वारा ऋषित किया जाता है ;

जीर आगे उस धारा की उत्थार। (4) हार। प्रवक्त शक्तियों का अयोग करते हुए केन्द्रिय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रीधकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने को बजाय तेल। धौर प्राकृतिक गैंग आयोग में, सभी बाबाओं से मुक्त रूप में, बोबजा के प्रकाशन की इस तारीख की निहित होगा।

अनुसूची भार ओ. पु. पाइप लाइन मोरि-1 से जि.नि.एस. नगरम

राज्यः ग्रान्ध्र प्रदेश		जिला ः पूरव गोदाविर			मंडल: मलिकि	पुरम
गवि	एस, न	हैक्टयर्स	एयर्स	सेन्टियर्स	एकर्स	सेन्टस
1	2	3	4	5	G	7
मलिकापुरम	23-3 भाग	0	0 2	5	0	0.6
	2 3-3 भाग	0	0.5	0	0	12
	2 3-3 भाग	0	06	0	0	15
	2 3— 3 भाग	0	03	5	•	09
	23-3 भाग	0	0 1	0	0	03
	2 3-2 भाग	0	03	0	0	07
	2 3−2 भाग	0	03	0	0	07
	24-1 भाग	0	02	0	0	05
	24-1 भाग	0	0.2	0	0	0.5
	24-1 भाग	0	02	0	0	0 5
	22-3 भाग	0	03	0	0	0.7
	22-4 भाग	0	0.5	0	O	12
	2 2-4 भाग	U	04	0	0	10
	2 2-4 भाग	0	02	5	0	0 6
	2 2→4 भाग	0	02	5	n	υ 6
	2 2-4 भाग	0	03	0	0	07
	27-1 भाग	0	0.2	0	n	0 5
	27 2 भाग	0	0.5	0	ņ	1 2
	29 7 भाग	0	0.4	0	0	10
	29-2 भाग	O	03	5	0	0.9
	29-1 भाग	0	0 1	0	0	0.2
	3110 सीं/ 1	0	03	5	0	0.9
	31-2 भाग	0	0 1	0	0	0.2
	32 भाग	0	03	0	O	0.8
	9-13 \$	0	0.6	5	O	16
	9—13 अति					
	<u>) 2—सी</u>	0	16	0	0	39
	5					
	9-14 भाग	0	05	5	0	13
	3 <b>6 भा</b> ग	0	03	5	0	0.9
	कुल मिलाकर	1	04	5	2	56

[एस. ओ.-12016/165/93- ओ.एन.जी.-डी-4] एम. मार्टिन, **डैस**न ग्राधिकारी

### New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 127(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 452(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section(1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. Pipe Line from M.O.R.I. "I" to G.C.S. NAGARAM"

STATE: Andhra Pradesh	Distric	Mandal : Malkipuram				
Village	R.S. No.	Hectares	Ares	Centi ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Malkipuram	23-3 pt.	0	02	5	0	06
Maikiputam	23-3 pt.	0	05	0	ŏ	12
	23-3 pt.	0	06	0	ő	15
	23-3 pt.	0	03	5	ő	
	23-3 pt.	0	01	0	ő	09
	23-2 pt.	0	03	0	ő	03
	23-2 pt,	0	03	0	0	07
	24-1 pt.	0	02	Ö	0	07
	24-1 pt.	0	02	ŏ	0	05
	24-1 pt.	0	02	0	0	05
	22-3 pt.	0	03	o	0	05
	22-4 pt.	0	05	ŏ	0	07
	22-4 pt.	0	04	ő	0	12
	22-4 pt.	0	02	5	0	10
	22-4 pt.	0	02	5		06
	2-4 pt.2	0	03	ő	0	06
	27-1 pt.	0	02	ő	0	07
	27-2 pt.	Ö	05	ő	0	05
	29-7 pt.	ŏ	04	0	0	12
	29-2 pt.	ő	03	5	0	10
	29-2 pt. 29-1 pt.	ő	<b>0</b> 1		0	09
	31-10C/2/1 <b>)</b>	0	03	0	0	02
	31-10C/2/1 { 31-2 pt, }	ŏ	01	<b>5</b> 0	0	∫09
	32-pt.	ŏ	03	ő	0	{ 02
	9-13 E	0	06	5	ő	80 j
	9-13 D				U	16
	12 C }	0	16	0	0	39
	9-14 pt.	0	05	5	0	13
	36 pt.	0	03	5	Õ	09
	•	0	47	5	i	17
	Total	1	04	5	2	 56

### नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का.चा. 128(म).—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन भूमि में उपयोग के मधिकार का म्रजन मधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपद्यारा (1) के शक्षीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की मधिकार का आं.सं. 453(ई) तारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिस्चना में मंत्रमन अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के मधिकार को पाइपलाइनों को विछाने के लिए मजित करने का अपना आण्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को निपोर्ट वैर्धा है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिश्ट भूमिधों में उपयोग का अधिकार आजित करने का विनिष्वय किया है।

श्रव, ग्रतः उक्त श्राधिनियम की धारा 6 को उपधारा (1) द्वारा अवत्तं पक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्श्वारा शोषित करती है कि इस श्राधिसूचना से स'लग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्राधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा श्राणित किया जाता है।

और आगे उस घारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त णक्तियों का प्रयोग करते हुए कैन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का मिश्रिकार केन्द्रीय सरकार में सिहित होने की क्रजाय तेल और प्राकृतिक गैस म्रायोग के, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख की सिहित होगा।

अनुसूची ग्रार.ओ.ए. पाइप लाइन मोरि 1 से जि.सि. एस,नगरम

राज्य : मान्ध्र प्रवेश

जिला : पूरव गोदावरि

मङ्कलः मल्किपुरम

राज्य: भ्रान्ध्र प्रवश		मङ्कलः माल्कपुरम				
गांव	श्चार एस न	हैक्टर्स	एसँ	सेन्टियर्स	एकर्स	सेन्टस
1	2	3	4	5	6	7
गुबिमेल्लन्का	735-2बी, 2ए, 2	0	08	5	0	211
-	7 3 5 <del>-</del> 3 7 1	0	12	0	0	30
	735—1 सी	0	0 1	5	0	0 4
	7 3 4─ 1ए/ 1	0	03	0	0	07-1/2
	7 3 4— 2थी	0	0 4	Û	o	0 9 <del>1</del>
	7 3 3 1 बी	0	0 9	5	0	$23\frac{1}{2}$
	733–1 सी	0	0 1	0	0	0 1 <del>1</del>
	733-1 श्री	0	02	0	0	0.5
	732—1बी, 2ज्	0	08	5	0	21
	731-2	0	10	0	0	25
	730-2	0	0.1	a	0	02
	730-3	0	06	()	0	1 4 ½
	7 <b>13 1बी</b>	0	03	C.	0	08
	7 <b>4 3 2बी</b>	0	0.5	5	U	14
	3 बी	0	07	5	O	19
	7 <b>15</b> 20	ŋ	v s	ō	0	2 1 <b>}</b>
	7 4 5 — 2 वी, 1 बी	0	22 .	2	0	5 5 1
	7 4 6-1 T	0	02	9	0	0.5
	679-1 <b>ए</b>	0	03	υ	0	07
	7 47— 7बी	0	0.5	9	0	111
	7 4 8— 1 बी	0	01	5	0	031
	— 3भी	0	15	r <sub>3</sub>	o	37
	6 <b>78—</b> 1स्री	0	0 9	C)	0	22
	— 2मी	0	11	5	0	36
	682—1वी, 3 ए	0	0.8	0	0	201
	682-1सी	0	06	5	0	16
	682 <b>— 2व</b> ी	0	06	0	ŋ	1 4 <del>1</del>
	683-1	0	04	5	o	11
	685-2	0	0.5	o	0	12
	~5	0	0.0	ē	Ó	0 1 <del>1</del>
	685-3	0	01	3	0	0 3 <del>1</del>

1	2	3	4	5	6	7
	-4	U	0.5	0	0	
	687→6	Ü	03	0	0	
	~7	0	14	5	0	
	<b>७ ८ ७ −</b> ५ <b>वी</b>	O	10	5	O	
	6 8 7 – 5सी	0	0.7	5	υ	
	688-2ए1,2 बी	U	U 6	5	0	1
	6 S 8-4V	U	0.0	5	0	
	688-3वी	0	0.5	5	υ	
	688-5U1	0	U <b>7</b>	ð	o	
	707- 3研(	O	05	υ	0	
	688- 6V	U	02	ā	U	
	696-2	0	02	5	0	(
	532-2	0	04	0	0	
	547-1	0	Q2	0	Û	
	4.73 - 6विं(	Ü	06	5	e)	
	700- 4वो 	0	0 1	O	Ú	•
	7 0 7- 2बी 7 0 7- 4ए	0	(† 5	5	a a	
	707- 44 707- <b>3बी</b>	0	03	0	O	(
	707- <b>3ब्</b> । 70 <b>7-</b> 5ब्रो	0	0.5	5	0	
	707- 5वा 706- 9वीं	0	06	0	0	
	706- 2र्बा, 8सी	0	03	O	0	1
	538- 2	0	0.5	5	0	
	53 6- 1सी	. 0	03	0	0	
	- 2 <sup>r</sup> (2	0	01	5	0	
	53 6- 2ए 3, 3वी	0	09 03	5	0	:
	53 6- 3सो	0	03	5	0	
	53 6~ 3 जी- 4 वि	o o	03	5	0	•
	53 5- 3	0	01	0	0	(
	534- 24	0	03	0	0	
	527~ 4 <sup>rt</sup>	0	00	5	0	
	526- 1वी, 2 वी	0	21	5	0	
	524-1बी, 2बी	Ü	06	5	0	
	526~ 3¶i	o o	16	_	0	
	548-2	0	01	0	0	1
	519-2	0	02	0	0	
	488 1बी	0	0:	0	0	
	488 1सी	v	0.6	0	0	
	488- 2 <sup>r</sup> .	0	0.3	5	0	
	489 1बी	0	14	5	0	,
	489-27	0	0 1	5	0	
	489- 2वी	0	16	5	0	
	490-2ৰী	·* o	0.5	5	0	
	478 1 बी	. 0	0.3	0	Ü	
	4.90- 2मी	0	04	Ü	0	(
	492-2	0	0.2	0	0	`
	478-17	0	0.0	5	0	
	478- 1बी	0	0.0	5	0	
	478- 1सी	0	0 1	0	0	
	478-16	0	02	0	0	
	4.77 - 2 वी 3 जी	0	04	5	n	
	477-4वी	, 0	03	5	3	
	477- असी	0	04	5	0	
	4 <b>7</b> 7 1वी	0	11	0	v	

			F INDIA: EXTRAORDINARY			[PART II—SEC. 3(ii		
1	<u>.</u> 		4	5	6	<del></del> 7		
	47 6- 4बा	0	05	0	~·: +-:	~ <u>-</u>		
	<ul><li>- 4म्।</li></ul>	0	0.1	5	0	1 2		
	476-84	0	0.2	5	0	04		
	476-57	<b>0</b>	0.3	0	0	96		
	476-2वी	0	0.9	5	0	0.8		
	475-2	0	0.6	5	0	23		
	474 - 7ची	0	1 1	0	0	16		
	474 - 4वा, । जो	U	04	5	0	27		
	474- (सी. 4 मी.	0	01	š	0	1 1 <del>2</del>		
	473- 6भा	0	03	1)	0	04		
	473−6ई(	U	01	5	(t	$0.6\frac{1}{2}$		
	473 · 6ई	0	02	5	o	$0.4\frac{1}{2}$		
	471-3	0	0.5		0	0 5 <del>1</del>		
	426-4ची	0	06	5	9	13		
	4 2 6- ∙ 4 वि	0	07	0	U	$1.5\frac{1}{2}$		
	4 2 5- 3 में।	0	01	0	9	17		
	426-2वो, 1बी	0	07	0	0	02		
	4 2 5~ 3खों / 1	0	01	5	0	191		
	4 2 5 <del>-</del> 4 ब <sup>ेर</sup>	e e	18	0	0	$0.2\frac{1}{2}$		
	427-3	0	01	0	0	44		
	4 2 2- 2बी	0	13	5	0	04		
	421-2	0	05	0	0	32		
	429-4	0	01	5	0	13		
	421-3	0	08	0	0	03		
	429-3	0	01	0	0	$20\frac{1}{2}$		
	<b></b> 5	0	01	0	0	0 1 <del>1</del>		
	429-4	0	01	0	0	02		
	430-2	0	06	5	0	03 <del>1</del>		
	4 18- <b>3 श</b> ी	ő	04	0	0	1 5 1		
	<b>–</b> 4मी	0		0	0	10		
	418-4बी	0	04	5	0	1 1 <del>1</del>		
	4 18⊶ 1ओं	0	05	5	0	14		
	416- 2वी	0	01	5	0	03 <del>1</del>		
	3197- 2 <b>व</b> ि	0	01	5	0	04		
	4 1 6- 3 मी	0	01	0	0	03		
	4 1 6- 3सी	0	09	5	0	$24\frac{1}{2}$		
	416-2बी	0	00	5	0	01		
	416- 2मी		08	5	0	201		
	416-1मी	0	04	0	0	10		
	3 9 7 2सी	0	01	U	0	02		
	397 2ना 398 1बी	. 0	01	0	0	03		
	402-1	0	14	5	0	36		
	*''	0	01	0	0	03		
	कुल मिलाकर	6	66	0	16	4 6 <del>1</del>		
						2		

[सं. श्रो-12016/166/93-मी एन जी-की-4] एम. मार्टिन, ईस्क क्रिधकारी

# New Delhi the 7th February, 1994

S.O. 128(E)... Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 453(E) dated 30-6 93 under 3ub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the plpeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

R.O.U. Pipe Line 'MORI-I" to "G.C.S. NAGARAM"

State: Andhra Pradesh

District : East Godavari

Mandal: Malkipuram

1 Gu dimellanka	2 735-2B, 2A2 735-3A1 735-1B 734-1A/1 734-2B 733-1C 733-1C 733-1D 732-1B,2A 731-2 730-2 730-3 743-1B 743-2B 743-3B	3 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	08 12 01 03 04 09 01 02 08 10	5 0 5 0 0 5 0 0 5 0 0 5	6 0 0 0 0 0 0 0 0 0	21-1/ 30-1/ 04-1/ 07-1/: 09-1/: 23-1/: 01-1/.
Gudimellanka	735-3A1 735-1B 734-1A/1 734-2B 733-1B 733-1C 733-1D 732-1B,2A 731-2 730-2 730-3 743-1B 743-2B 743-3B	0 0 0 0 0 0 0 0 0	12 01 03 04 09 01 02 . 08 10	0 5 0 0 5 0 0 5 0	0 0 0 0 0 0	30-1/. 04-1/. 07-1/. 09-1/. 23-1/. 01-1/.
	735-1 B 734-1 A/1 734-2 B 733-1 B 733-1 C 733-1 D 732-1 B,2 A 731-2 730-2 730-3 743-1 B 743-2 B 743-3 B	0 0 0 0 0 0 0 0 0	01 03 04 09 01 02 . 08 10	0 5 0 0 5 0 0 5 0	0 0 0 0 0 0	30-1/. 04-1/. 07-1/. 09-1/. 23-1/. 01-1/.
	734-1A/1 734-2B 733-1B 733-1C 733-1D 732-1B,2A 731-2 730-2 730-3 743-1B 743-2B 743-3B	0 0 0 0 0 0 0 0	03 04 09 01 02 08 10	5 0 0 5 0 0 5 0	0 0 0 0 0 0	04-1/. 07-1/. 09-1/. 23-1/. 01-1/.
	734-2B 733-1B 733-1C 733-1D 732-1B,2A 731-2 730-2 730-3 743-1B 743-2B 743-3B	0 0 0 0 0 0 0	04 09 01 02 . 08 10	0 0 5 0 0 5	0 0 0 0 0	07-1/; 09-1/; 23-1/; 01-1/;
	733-1B 733-1C 733-1D 732-1B,2A 731-2 730-2 730-3 743-1B 743-2B 743-3B	0 0 0 0 0 0	09 01 02 08 10	0 5 0 0 5	0 0 0 0	09-1/. 23-1/. 01-1/. 0
	733-1 C 733-1 D 732-1 B,2 A 731-2 730-2 730-3 743-1 B 743-2 B 743-3 B	0 0 0 0 0	01 02 08 10	5 0 0 5	0 0 0	23-1/ 01-1/ 0
	733-1D 732-1B,2A 731-2 730-2 730-3 743-1B 743-2B 743-3B	0 0 0 0	01 02 08 10	0 0 5 0	0 0 0	01-1/ 0
	732-1B,2A 731-2 730-2 730-3 743-1B 743-2B 743-3B	0 0 0 0	. 08 10 . 01	0 5 0	0	0
	731-2 730-2 730-3 743-1B 743-2B 743-3B	0 0 0	. 08 10 . 01	<b>5</b> 0	0	
	730-2 730-3 743-1B 743-2B 743-3B	0 0 0	. 10	0		
	730-3 743-1B 743-2B 743-3B	0 0	. 01			
	730-3 743-1B 743-2B 743-3B	0				2
	743-2B 743-3B		ሀለ	ő	0	4
	743-2B 743-3B		03	ő	0	14-1,
		0	05	5	0	(
	745 24	0	07	5	0	1
	745-2A	Õ	08	5	0	1
	745-2B, 1B	ŏ	22		0	21-1
	746-1A	ő	02	5	0	55-1/
	679-1 A	ŏ	03	0	0	(
	747-7B	ő	05	0	0	(
	748-1B	ő	01	0	0	11-1,
	748-3B	ŏ	15	5	0	(
	678-1B	0		0	0	
	678-2B	0	09	0	0	2
	682-1B, 3A	0	14	5	0	
	682-1C		08	0	0	20-1
	682-2B	0	06	5	0	16-1
	683-1	0	06	0	0	14-1
	685-2	0	04	5	0	11-1
	685-5	0	05	0	0	12-1
	685-3	0	00	5	0	01-1
	685-4	0	01	5	0	01-1
	687-6	0	05	0	0	03-1
	687-7	0	03	0	ő	
	687-5B	0	14	5	ő	(
	687-5C	0	10	5	ő	
	688-2A1, 2B	0	07	5	0	
	688-4A	0	06	5	0	1
	688-3B	0	00	5	0	16-1
		0	05			01-1
	688-5A1	0	07	5 5	0	14-1/
	707-2C	0	05	ő	0	19-1/
	688-6A	0	02	5	0	12-1
	696-2	0	02	5	0	06-1/
	532-2	0	04	0	0	05-1
	547-1	0	03	0	0	i

80	THE GAZETTE OF INDIA	A : EXTRAOR	DINARY	{P	'ART II—	SEC. 3(ii)}
1	2	3	4	5	6	7
Gudionellanka (Contd)	473-6B	0	06	5	0	16-1/2
• • •	700-4B	0	ot	0	0	02-1/2
	707-2B	0	05	5	0	12-1/2
	707-4A	0	03	Ū	0	08-1/2
	707-3B	0	05	5	0	13
	707-5B	0	06	0	0	15
	706-9B	0	03	0	0	07-1/2
	706-2B, 8B	0	05	5	0	13-1/2
	538-2 536-1B	0	03 01	0 ·	0	07
	-2 <b>A</b> 2	0	09	5 5	0	03-1/2
	536-2A3, 3B	0	03	5	0	24-1/2 09
	536-3C	o	03	5	ő	09-1/2
	536-3D-4B	0	03	Õ	o	06-1/2
	535-3	0	01	0	0	02
	534-24	^	02			07
	527-4A	0	03 00	0	0	01
	526-1B, 2B	0	21	5 5	0 0	53
	524-1B, 2B	o	06	5	0	1.0
	526-3B	0	16	5	0	1 6 <b>41</b>
	548-2	ő	01	0	0	02-1/2
	519-2	0	02	ő	ő	02-1/2
	488-1 B	0	04	0	ō	10
	488-1C	0	06	0	Õ	14-1/2
	488-2 A	0	02	5	0	06-1/2
	489-1B	0	14	5	0	<b>3</b> 6
	489-2A	0	01	5	0	04
	489-2B	0	16	5	0	41
	490-2B	0	05	5	0	14
	478-1D	0	02	0	0	05
	490-2C 492-2	0	04	0	0	09-1/2
	492-2 478-1A	0	02 00	0 <b>5</b>	0	05
	478-1B	ő	00	5	0 0	01
	478-1C	ő	01	0	0	01
	478-1F	Ō	02	ŏ	0	03 05
	477-2B' 3B	0	04	5	o	11-1 /2
	477-4B	0	03	5	0	09
	477-4C	0	04	5	o	11
	477-1B	0	11	O	0	26-1/2
	476-4B	0	05	0	0	12
	476-4C	0	01	5	0	04
	476-8A	0	02	5	0	06
	476-5A 476-2B	0 0	03 09	0	0	08
	475-2 475-2	ő	06	5 5	p O	23
	474-7B	Ö	11	0	0 0	16
	474-4B, 1B	ō	04	5	0	27
	474-1C, 4C	0	01	5	0	11-1/2
	473-6C	0	03	0	0	04 0 <b>6-</b> 1/2
	473-6D	0	01	5	ŏ	04-1/2
	473-6E	0	02	5	Ō	<b>[05-1/2</b>
	471-2	0	05	5	0	13
	426 <b>-4B</b>	0	06	0	0	15-1/2
	426-4C	0	07	Ü	0	17
	425-3B	0	01	0	0	02
	426-2B, 1B	0	07	5	0	19-1/2
	425-2B/1	0	01	0	0	02-1/2
	425-4B	0	18	0	0	44
	427-2 422-2B	0	01 13	5	0	04
	422-28 421-2	0	05	0 5	0	32
	42.72 42-39-4	ő	01	0	0 0	13
	421-3	o	08	0	0	03
			·			20-1/2

7	6	5	4	3	2	1
01-1/2	0	0	01	0	429-3	Gudimellanka (Contd.)
02	0	0	01	0	-5	
03~1/2	0	5	01	0	429-4	
15-1/2	0	0	06	0	430-2	
10	0	0	04	0	418-3B	
11-1/2	0	5	04	0	-4C	
14	0	5	05	0	418-4B	
03-1/2	0	5	01	0	418-1 B	
04	0	5	01	0	416-2D	
03	0	0	01	0	397-2B	
24-1/2	0	5	09	0	416-3B	
01	0	5	00	0	416-3C	
20-1/2	0	5	08	0	416-2B	
10	0	0	04	0	416-2/C	
02	0	0	01	0	416-1B	
03	0	0	01	0	397-2C	
_				1		
		-			<del></del>	
36	0	5	14	0	398-1 B	
03	0	0	01	0	402-1	
46-1/2	16	0	66	6		Total

[No. O-12016/166/93-ONG-D-4] M. MARTIN, Desk Officer

## नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का श्रा 129(भ्र) -- न्यतः पैट्रांलियम भीर खिनिज पाइपलाइन भूमि में उपमांग के भ्रविकार का श्रजैन श्रवितियम, 1962 (1962 का 50) की आरा 3 की उपधारा (1) के भ्रवति भारत सरकार के पेट्रांलियम भीर प्राकृतिक गैस मंत्रालय की श्रविसूचना काश्यावमें 454(इ) तारोख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस भ्रवित्वना से संलग्न अगुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग के श्रविकार की पाइपलाइनों की विश्वति के लिए श्रवित करने का भ्रयना श्रामय भीवित कर दिया था।

कीर सक्षः सक्षम प्राधिकारी ने उपत प्रकिनियम की धारा ६ की उपधारा (1) के प्रकान सरकार की रिपोर्ट द वी है।

ग्रीर ग्रामे, यसः केन्द्रीय सरकार ने उकन रिपोर्ट प्रविचार करने के पश्चात् इस ग्रविक्षुणनः से संवयन अनुसूर्णः में विविधिक्ट भृमिश्रों में उथ्योग कः ग्रविकार ग्राप्तिन करने का बिनिण्चय किया है।

क्षत्र, प्रतः उक्तः प्रतिविद्यम को बारा ६ की उनधार। (1) द्वारा प्रदश्च शक्ति का प्रतीम करते हुए केन्द्रांस सरकार एतद्वार। घोषित करती है कि इस प्रतिसूचना में संलग्न धनुमूची में दिनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उनयोग का प्रतिकार पाइपकाइन जिल्लाने के प्रयोजन के लिए एतद्वार। प्रजित किया जाना है।

ग्रीर भ्रामे उस आरा की उन्धान (4) द्वारा प्रयक्त जिन्त्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्राय सरकार निर्देश वेती है कि उक्त भूमिओं में उनयोग का प्रतिकार केन्द्राय सरकार में निहित होते की अजाय तेल भीर प्राकृतिक मैंस आयोग में, सकी नाक्षाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित होगा।

अनुतूची स्नारः श्रीरुपुरु पाइप लाइन मोरि 1 से जिल्सि रुप्सरु नगरम

स्टेट : झांध्र प्रवेश			मक्लः मालाकपुरम			
गांव	ग्रारण्स० नं०	हेक्टार्म	ए <b>र्स</b>	सेन्टिएसँ	ण्कर्स 	सेन्टस
1	2		4	5	6	7
	49-4B	0	09	5	0	24
माटापारू	53··3B 54-1B }	0	12	Ũ	O	32
	ĨÃB  ↑	ů	11	5	0	$28\frac{1}{2}$
	53-14	0	1 6.	θ	0	39
	54~ 5B	U	0.0	5	0	01
	55-3B	O	1 5	5	0	38
	58-2	0	0.1	0	0	0.3

1	2	3	4	5	6	7
माटापारू (समाप्त)	61-3D <sub>1</sub>	0	04	0	0	091
	6 1- 3C <sub>2</sub>	i o	0 1	0	0	02 <del>1</del>
	$\left. \begin{array}{c} 62 - (2\mathbf{B}) \\ \mathbf{3A} \\ 1 - \mathbf{C} \end{array} \right\}$	0	16	0	0	39
	62~1 B <sub>2</sub>	0	0.3	0	0	07
	63-2	0	04	0	0	10
	64-2- <b>A</b> <sub>3</sub>	0	04	0	0	09 <del>1</del>
	64-2 <b>A</b> <sub>B</sub>	0	16	0	0	39
	79-4-A <sub>2</sub>	0	06	0	0	15
	79-4-C <sub>2</sub>	0	03	5	0	09
	79–2B	0	13	0	0	3 2
	74-3B	0	0.3	0	0	071
	74-3C	0	0.8	5	0	21
	75- 1B	0	12	5	0	3.1
	75–1C	0	02	5	0	0.6
	76-2	0	03	0	0	0 6 <del>1</del>
मिलाकर	~		66	0	4	08

[सं॰ भी- 12016/167/93-भों॰एन॰जी॰डी-4] एम ॰ मार्टिन, डैस्क मिकारी

#### New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 129(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 454(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Contral Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. flow plpe line from MORI-I to G.C.S. Nagaram

State: Andhra Pradesh	District : East Godavari		Mandal : Mal	kipuram		
Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Mattaparru	49-4B	0	09	5	0	24
•	53-3B	0	12	0	0	<b>3</b> 0
	54-1B, 4B	0	11	5	0	28-1/2
	53-14	0	16	0	0	39
	54-5B	0	00	5	0	01
	55-3B	0	15	5	0	38
	58-2	0	01	0	0	03
<del></del>						·

1	2	3	4	5	6	7
Mattapariu (Contd.)	61-3D1	0	04	0	0.	09 1/2
	61-3C2	0	01	0	0	02 1/2
	62-2B1, 3A, K1	_				
		0	16	0	0	39
	62-1B2	0	03	0	0	07
	63-2	0	04	0	0	10
	64-2A3	0	04	0	0	09 1/2
	64-2A2	0	16	0	0	39
	79-4A2	0	06	0	0	15
	79-4C2	0	03	5	0	09
	79-2B	0	13	0	O	32
	74-3B	0	03	0	0	07 1/
	74-3C	0	08	5	0	21
	75-1B	0	12	5	0	31
	75-1 C	0	02	5	0	06
	76-2	0	03	0	0	06 1/2
Gra	and Total	1	66	0	4	08

[No. O-12016/167/73-ONG-D4] M. MARTIN, Desk Officer

# मई बिस्ली, 7 फरबरी, 1994

का • प्रा • 130(प्र).— यतः पेट्रोलियम प्रीर खिनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के प्रधिकार का प्रर्शनं प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की द्यारा 3 की उद्यारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम श्रीर प्राकृतिक गैस मंद्रालय की श्रीधसूचना का ब्याबसें • 455(ई०) तारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से संलग्न प्रतुसूची में विनिर्दिष्ट मूमियों में उपयोग के श्रीधकार की पाइपलाइनों को विष्ठाने के लिए प्रजित करने का धनमा प्राणय घोषित कर विष्या था।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की घारः 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे वी है।

मीर भागे, यक्षः केन्द्रोय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस भ्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों के उन्योग का प्रधिकार ग्रांजित करने का विनिश्चय किया है।

ग्रज, श्राः उक्त श्रविनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हु.ए केन्द्रोय. सरकार एतद्शारा घोषित करती है कि इस श्रविस्त्रजा में संखन्न श्रनुसूची में त्रिनिर्दिश्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रविकार पाइपलाइन विष्ठाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा श्रजित किया जाता है।

बीर भागे उस घारा को उनधारा (4) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उकत भूमियों में उनयोग का बिधकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने को बजाय तेल भीर प्राकृतिक गैस धायोग में, सभी बाधाओं से मकत रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस जारीख को निहित होगा।

अनुसूची विक्योक्एक कुंकी पाइप साइन मोरि 1 से जिल्सिक्एसक नगरम

स्टेट : घोध प्रवेश

ि अस्ताः पूरव गोवावरि

मंडल: राजोल

			.,,			
गांव	धारoगस oनं o	हेक्टार्स	<b>ग</b> र्स	सेन्टिः?सं	एकस	सेन्टस
मिवकोड <u>्</u>	314~ 5	0	04	5	0	11
•	3 2 0- 2 1	0	12	0	0	30
	319-1	0	04	5	0	104
	319-1	0	0.8	5	0	21
	322-12	0	20	0	0	49
	454	0	07	5	0	18
	453	0	17	5	0	43
	323-1, 2	0	09	5	0	23
	451-1A	0	<b>0</b> 1	5	•	04
	451-2 <b>A</b> ) 2 <b>B</b> )	0	11	5	ø	29

<del>4</del> 	THE GAZETTE O	F INDIA: CATE	CAURDINAK	<u> </u>	PART IISEC	
1	2	3	4	5	6	7
सवकोडू (समान्त)	451-2C	0	01	5	0	04
	451-1D	0	0.3	5	0	0.9
	450-1 <b>A</b>	0	10	0	0	25
	450-1 <b>B</b>	0	0.8	5	0	2.1
	529- <b>A</b>	0	20	5	0	51
	528-	0	02	0	0	0.5
	525-1 <b>A</b>	0	0.5	0	0	12
	525-1B	0	03	5	0	09
	524-1	0	04	0	0	10
	524-2	0	39	5	0	90
	524-3	0	02	5	0	0.6
	524-4	0	0.1	5	0	04
	522-2	0	18	5	0	4.6
	521-2	0	02	5	0	08
	519-1 <b>A</b>	0	07	0	0	17
	519,- 2 <b>A</b>	0	04	0	0	10
	515-1A	0	0.4	5	0	11
	515-1B	0	04	5	0	
	515-1C	0	03	0	0	11 08
	\$15-1D	0	60	5	0	
	814-1A	9	0.3	0	0	01
	513-1A	0	03	0		9.8
	514-1 ए	0	04		0	07
	514-2U	0	03	5 5	0	1:
	5 1 <b>3</b> म2ए	0	07	5 5	0	0.6
	513-2 वी	0	03	5	0	19
	312-V	0	22	5 5	0	0.9
	60 1- <b>ए</b>	0	02	0	0	5 :
	51 1-1 <b>ए</b>	0	02	0	0	0:
	6 <b>6</b> 9-ए	Ö	05	5	0	0 :
	609- <b>व</b> ी	0	14	5 5	0	1 4
	610-1प्-2 प्ष	0	35	5	0	3
	611-1मी	0	05		0	8
	€13-1 <b>ए</b> }	0	28	5 5	0 0	7
	2₹ ∫ 612-1₹ }	0	05	5	0	1 3
	2₹ ∫					
	615-1 <b>ए</b>	0	26	5	0	66
	691-1 <b>ए</b> पोटी	ŋ	01	5	0	0.4
	69 1- 1 <b>एफ</b>	Ó	02	0	<b>`</b> 0	0
	69 1- 1 ची	0	0.6	0	0	1 5
	691-1सी	0	01	5	0	0
	691-1मी	0	03	0	0	0
	691-1₹	0	02	5	0	0
	69 1- 1 <b>णी</b>	0	03	0	0	0
	690-1 <b>प</b>	0	14	5	0	3
	<b>6 7 9</b> च्	0	19	0	0	4
	690-1वी	0	07	0	0	1
	68 <b>6-</b> ए	Ō	03	0	0	0
	685-₹	0	04	0	•	1 (
·	68 <b>0-ए</b>	0	03	5	0	09
कुल मिलाकर						

[सं. ओ--12016/168/ओ एन जी-डी--4] एम मार्टिन, डैस्क श्रीधकारी 

## New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 130(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 455(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it sintention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Go-

vernment;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumprances.

SCHEDULE R.O.U. flow pipe line from MORI-I to G.C.S. Nagaram

State: Andhra Pradesh	District : Eas			Mandal: Ra	Mandal: Razole			
Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents		
1	2	3	4	5	6	7		
Sivakodu	314-5	0		5	0	1		
DIVIDE	320-2, 1	0	12	0	0	3		
	319-1	0	04	5	0	10-1/		
	319-1	0	08	5	0	2		
	322-1, 2	0	20	0	0	4		
	454	0	07	5	0	1		
	453	0	17	5	0	4		
	323-1, 2	0	09	5	0	2		
	451-1 A	0		5	Ō	(		
	451-2A, 2B	0		5	0	2		
	451-2C	0	01	5	Ö	0		
	451-1D	0		5	ő	0		
	450-1 A	0		0	Ö	2		
	450-1B	0		5	ō			
	529-A	C		5	0			
	528	C		0	ő			
	525-1A	0		0	Ö			
	525-1 B	C		5	ő	j		
	524-1	C		0	0	( 1		
	524-2	(			ő			
	524-3	(			ŏ			
	524-4	(			o	(		
	522-2		0 18		0			
	521;2		0 02		0			
	519-1A		0 07			1		
	519-2A		0 04		0			
	515-1A		0 04		0			
	515-1B		0 04		0			
	515-tC		0 03					
	515-1D		0 00					
	514-1A		0 03					
	513-1A		0 03					
	514-1A		0 04					
	514-2A		0 0:					
	513-2A		0 0					
	513-2B		0 0:					
	312-A		0 22					
	601-A		0 02		_			
	511-1A		0 02					
	609-A 609-B	·	0 05			0		

<del></del>			<u></u>				
1	2	3	4	5	6	7	
	610-1A, 2A	0	35	5	0	88	
	611-1B	0	0.5	5	0	13	
	613-1A, 2A	0	28	5	0	70	
	612-1A, 2A	0	05	5	0	13	
	615-1 <b>A</b>	0	26	5	0	66	
	691-1A pt.	0	01	5	0	04	
	691-1F	0	02	0	0	05	
	691-1B	0	06	0	0	15	
	691-1C	0	01	5	0	04	
	691-1B	0	03	0	0	07	
	691-1E	0	02	5	0	06	
	691-1G	0	03	0	0	07	
	690-1A	0	14	5	0	36	
	679-A	0	19	0	0	47	
	690-1B	0	07	0	0	17	
	686-A	0	03	0	0	08	
	685-A	0	04	0	0	10	
	680-A	0	03	5	0	09	
Grand Total		4	84	0	11	971/2	

[No. O-12016/168/93-ONG-D-4] M. MARTIN. Desk Officer

### नई विस्ली, 7फरवरी, 1994

का. घा. 131 (घा):—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के प्रधिकार का प्रर्जन प्रधिनियम, 1962 ( 1962 का 50) की धारा 3की उपघारा (1) के प्रधीन भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की प्रधिसूचना का. घा. सं. 456 (ई) तारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने जस धर्धसूचना से संलग्न प्रनुसूची में जिनिबिष्ट भूमियों में उपयोग के प्रधिकार को पाइपलाइनों को जिलाने के लिए प्रचित्त करने का घपना भ्रामय घोषित कर दिया था;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे वी है।

और घागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट परिवचार करने के पण्चात् इस मिवसूचना से संलग्न भनुसूचि में विनिर्दिश्ट भूमियों के उपयोग का मिवकार मिजत करने का विनिरचय किया है।

भव, भत: उक्त मधिनियम की धारा 6 की उपघारा (1) द्वारा प्रवत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है। कि इस मधिसूचना में संखयन धनुसूकी में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है।

और माने उस द्वारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदश यक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देनी है कि उन्त सूनियां में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की अजाय तेल और प्राकृतिक गैस म्रायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को मिहित होगा।

अमुसूची ग्रार.ओ. ए. लाइन मोरि 1 से से जि.सि. एस नगरम

स्टैट : मान्य प्रदेश जिला : पूरव जिला : ओसावटि मंबन : राजोस

गांच	भार. एस. मं.	हेण्टास	एसं	सेन्टियर्स	एकर्स	सेन्दस
1	2	3	4	5	6	7
—————————— चित्तलपहिल	90/2 बी	0	35	5	0	88
1709113	9 2/ 1ए	0	16	5	0	41
	9 2 / 1 ए	0	39	5	0	91
	63/2V, 3V 1V	0	26	0	0	64
	86/1 <b>Q</b> 2 <b>Q</b>	0	19	0	0	41
	8 <b>5</b> / 2 <b>ए</b> , 3 <b>ए</b> , 1 <b>ए</b>	0	07	5	0	19
	8 <b>4</b> / 5ए, 2ए, 5ए	0	28	0	0	69

1	2	3	4	5	6	7
	8 3 ए 6 2/ 2ए, 3ए 6 2/ 2ए, 3ए	0 0 0	05 09 18	5 0 0	0 0 0	13 22 44
कुलमिलाकर		2	04	5	5	04

[सं. ओ.--12016/169,93-ओएनजी ही-4] एम. मार्टिन, हेस्क प्रक्षिकारी

### New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 131 (E).—whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 456 (E) dated 30-6-93 under sub-section (I) of Section 3 of the Petroleum and Mineras Pipe lines (Acquisition of Right of Userin Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Ast, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby specific din the schedule appended to this notification hereby acquired for) laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall fusted of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE
Flow line from Mori I to G.C.S. Nagaram State Andhra Pradesh Distt. Esat Godavari : Mandal Rajolu

Village	S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cent
1	2	3	4	5	6	7
Chintalapalli	90/2B	0	35	5	0	88
	92/1A	0	16	5	0	41
	92/1A	0	39	5	0	97
	63/2A) 3A, 1A	0	26	0	0	64
	86/1A, 2A	0	19	0	0	47
	85/2A, 3A, 1A	0	07	5	0	19
	84/5A, 2A, 5A	0	28	0	0	69
	83/A	0	05	5	0	13
	62/2A, 3A	0	09	0	0	22
	62/2A, 3A	0	18	0	0	44
	Grand Total	2	04	5	5	Ò4

[No.O-12016/169/93-ONG-D.V] M. MARTIN, Desk Officer

## नई बिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का. था. 132 (था) :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पादपलाइन भृमि में उपयोग के प्रधिकार का प्रजैन प्रधिनियम, 1962 (1962 क 50) की धारा 3की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. था. सं. 457 (E) तारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइनलाइनों को विछाने के लिए अजित करने का अपना आग्रय घोषित कर दिया था;

🧣 और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और भागे, यतः केस्त्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस भाधमूचना से संलग्न भानूमूचि मे विनिधिष्ट भूमियों के उपयोग का भाधिकार भाजित करने का विनिम्खय किया है।

भव, भ्रतः उक्त श्रविनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गाक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदहारा घोषित करती है कि इस मधिसुचना में संलग्न भनुमूचि में विनिविष्ट उन्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइपलाइन विख्यान के प्रयोजन के लिए एनददारा सजित किया जाता है।

और श्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उप-योग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की अजाय तेल और प्राकृतिक गैम प्रायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, बोघणा के प्रका-शन की इस तारीख को निहत होगा।

आर. ओ. ए. लाइन मोरि 1. से जि. मि, एस. नगरम

स्टैट : श्रान्सप्रदेश जिला : पूरच गोतवरी : मंद्रल : राजोल

गोव	श्रार , एस , नं .	हे <del>श</del> टार्म	एर्स	से स्टिय <b>र्म</b>	ए कर्स	सेस्टम
1	2	3	4	5	6	7
के <b>ड</b> िं	558 <sub>/</sub> 1बी, 2बी	0	02	0	0	0 4 1/2
	558/15, 25	0	07	5	o	19
	5 6 3 <sub> </sub> 1 औ	0	0.5	5	0	13
	563/17	0	02	0	0	0.5
	572/1बी, 2 बी	0	11	0	O	27
	572/6 <b>वी</b>	0	07	5	0	18
	5 <b>7</b> 0 / 1 वि	0	07	5	0	18 <del>]</del>
	571/4ए, 6 ए	0	09	5	0	24
	57 1/ 4 <del>वी</del>	0	0.4	0	0	09 <del>1</del>
	571/80	0	97	0	o	17
	5 7 1/ 6 <b>वी</b>	0	00	5	0	01
	580/2	0	07	5	0	19 <del>1</del>
	5 7 9 / 3 वी, 5 ए	0	06	0	0	1 5
	579/4T	O	03	5	0	09
	5 <b>7</b> 9/ अप्	0	00	5	0	01
	5 7 9/ 2 <b>ची</b>	0	0.8	5	0	$20\frac{1}{2}$
	5.79 / 1 बीर	υ	00	5	0	01 1
	591/3ए	0	0.8	0	0	20
	591/3 <del>नी</del>	0	07	5	0	171
	591/4मी	0	,03	0	0	08 <del>1</del>
	591/4वी	0	04	0	0	09 <del>1</del>
	591/4 बी	0	02	0	0	0.5
	591 <sub>/</sub> 2वी	0	00	O	0	0 <del>1</del>
	5 9 2 <sub>1</sub> 2ची	0	06	0	0	15
	592 <sub>/</sub> 1बी	ũ	07	O	0	17
	691/7बी	0	06	0	0	15
	691,9वी 10 ए/ 2	0	09	0	0	22
	691/6वी	0	00	5	0	01
	690, 1 <del>ए</del> /2	0	04	5	0	$10\frac{1}{2}$
	689/2मी	0	00	5	0	01
	688 <sub>1</sub> 3	0	05	5	0	13
	688/2	0	0.5	5	0	13
	654/1朝, 27,	0	08	0	0	20
	681/5 <b>जी</b> , 4 वी	0	02	0	0	0.5
	681/5मी, 4 मी	0	07	0	0	17
	68 1√3ए, 2बी, 1 बी	0	0.9	5	0	23

I	2	3	4	5	6	7
	682/2 <b>गी</b>	0	02	5	0	06
	682/3बी	0	09	5	0	23
	68 <i>2j</i> उसी	0	04	0	0	10½
	682/3 <b>ছী</b>	0	0.8	5	Ü	$20\frac{1}{2}$
	683/2	0	08	0	0	20
	718/2	0	02	0	0	051
	687/2	0	02	5	0	051
	689/1 <del>वी</del>	0	03	0	0	07
	564/2	0	02	0	0	$0.4\frac{1}{2}$
	5 5 5 / 1 बी, 2 <b>घी</b>	0	07	5	0	181
कुल मिलकर			35	5	5	771

[सं. ओ**---1201**6/170/93-ओएनजी-श्री-4]

एम. मार्डिन, डैस्क प्रधिकारी

### New Delhi, the 7th February 1994

S.O. 132 (E).—whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & NaturalGas S.O. No. 457 (E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Userin Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section(1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of !user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. Pipe line from Mori I to G.C.S. nagaram State: Andhra Pradesh Distt. East Godavari, Mandal Razole

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Kadali (II Block)	558/1B, 2B		02	0	0	04-1/2
	518/1A, 2A	0	07	5	0	19
	563/1B	0	05	5	0	13
	563/1 A	0	02	0	0	05
	572/1B, 2B	0	11	0	0	27
	572/6B	0	07	5	0	18
	570/1B	0	07	5	0	18-1/2
	571/4A, 6A	0	09	5	0	24
	571/4B	0	04	0	0	09-1/2
	571/8A	0	07	0	0	17
	571/6B	0	00	5	0	01
	580/2	0	07	5	0	<b>19-</b> 1/2
	579/3B, 5A	0	06	0	0	15
	579/4A	0	03	5	0	09
	577/3A	0	00	5	0	01
	579/2B	0	08	5	0	20-1/2
	579/1B	0	00	5	0	Ó1
	591/3A	0	08	0	0	20-1/2
	591/3B	0	07	5	0	17-1/2
	591/4C	0	03	0	0	08-1/2
	591/4B	0	04	0	0	09-1/2
	591/4D	0	02	0	0	05-1/2

	2	3	4	5	6	7
·· <del>····</del> = <u>-</u> ·····	591/2B	0	00	0	θ	0-1/2
	592/2B	0	06	0	0	1.5
	592/1B -	0	07	0	0	17
	691/7B	0	06	0	0	15
	691/9B 10A/2	0	09	0	0	22
	691/6B	0	00	5	0	01
	690/1A/2	0	04	5	0	10-1/3
	689/2B	0	00	5	o	01
	688/3	0	0.5	5	0	13
	688/2	0	05	0	0	13
	654/1B, 2A	0	08	0	0	20
	681/5B, 4B	0	02	O	0	0.5
	681/5 <b>C</b> , 4 <b>C</b>	0	07	0	0	10
	681/3A, 2B, 1B	0	09	5	0	23
	682/2B	Ö	02	5	0	06
	682/3B	0	09	5	0	23
	682/3C	0	04	0	0	10-1/
	682/3I)	Ü	08	5	0	20-1/2
	683/2	0	08	0	0	20
	718/2	0	02	0	0	05-1/
	687/2	0	02	.5	0	05-1/2
	689/3	0	03	0	0	0'
	564/2	0	02	υ	O	04-1/2
	555/B, 2B	0	07	5	0	18-1/2
	Grand Total	2	35	5	5	77-1/

[No. O-12016/170/93-ONG-D-4] M. MARTIN, Desk Officer

## नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का. बा. 133(श्र):—यतः पेट्रीलियम और खनिज पाहपलाहन, भृषि में उपयोग के शिवकार का श्रार्जन प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की अपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रीलियम और प्राक्षितिक गैम मंद्रालय की श्रिधमूचना का. थ्रा. स. 458(ई) तारीख 30/6/93 हारों केन्द्रीय सरकार उस श्रिध्मूचना से मंलरन भ्रान्यों में विनिद्धिण्ट भूमियों में अपयोग के श्रिधकार की पाइपलाइनी की बिछाने के लिए श्रुक्ति करने का भ्रापना आणय धीषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकाी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन मरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और भ्रागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उनन रिपोर्ट पर विचार करते के पण्यान् इस भ्रधिसूचना से संजयन अनुसूचि में विनिधिणट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार स्रजित करने का विनिध्यस् किया है ।

श्रव, प्रतः उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (।) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना में संकरन प्रमुख में विनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइपलाइन विद्याने के प्रयोजन के लिए एतदद्वारा ध्राजित किया जाता है ।

और भागे उस धाराकी उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मिल्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का मिश्रिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस भायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाणन की इस नारीख को निहित होगा।

शेडगल

पाइप लाइन मोरि J से जी जी एस नगरम

स्टैट : प्रान्ध्र प्रदेश, जिला : पुरुब गोदावरि, संक्रल राजोल

गांत्र	श्रार एस नं.	हैक्टार	<del>ए.म</del> ैं	भेन्टियर्म	एक्स	सेन्ट्रम
1	2	3	4	5	6	7
	 48/2 पी टी		0.5	0	0	1 2
	48/3 पीटी	0	18	5	0	46
कड़िल ब्लाक I	5 4/ਪੀ ਟੀ	0	19	5	0	4.8
	5 5/पी टी	Π	18	5	0	46
	4 <b>7</b> / अप्	0	0.3	0	0	0.8

II-खण्ड 3(ii)]		भारत का र	जिपत्नः ग्रसाधारण			91
ورون الله المالي والمراد المالي والوار المالية المراد والمالة المالية والمالة المالية والمالة المراد المالية والمالة المراد المالية والمالة المالية والمالية والمالة المالية والمالة المالية والمالة المالية والمالة والمالة والمالة والمالية والمالة والم	2	3	4	5	6	7
	78/2पी दी	0	17	0	0	42
	70/ 1ਵੀਂ	0	17	0	0	42
	68/1ৰী	0	0.0	5	0	01
	68/1सी	0	θ 1	5	0	04
	68/1एफ -	0	03	0	_ 0	07,
	5 9∕ <b>ए</b>	0	0 9	o	0	22
	59/बी 2	0	15	5	0	38
	56	0	10	0	0	25
	68	0	0 4	0	0	10
	68/1 जी	0	03	e	0	08
	68/1के	0	0 3	0	0	0.8
	68/2	0	03	0	0	0.8
	69/2बी, 2, 3	0	09	5	0	23
	78/14ी टी, 2 पी टी	0	1 7	0	0	42
	9 1/2 पी दी	0	15	0	0	37
	7 8/2 पी टी					
	78/ 2 पी टी					
	78/2 पीटी	0	0.5	0	0	12
	78/2 पी टी	σ	02	5	0	0.6
	82/1 पी टी	0	18	0	0	45
	82/1 पीटी	0	0 1	5	0	0 4
	83/1 पीटी, 2पीटी	0	03	5	0	05
	83/1 पी टी 83/1 पी टी	0	0 2	5	0	06
	83/1 पी टी	0	01	0	0	03
	83/1 पीटी	0	0.1	0	0	03
	90/1 <b>पी</b> टी	0	0 2 1 6	5	0	_06
	91/2पीटी	0	02	5 5	0	41
	90/2	0	18	0	0	06
	90/2पीटी	0	02	0	0	44 05
	91/2 पी टी	Q	02	0	0	05
	91/2 पी टी	0	03	0	0	07
	117/1पी टी	o	09	5	0	23
	91/2 पी टी	0	0 1	0	0	03
	9 1/2 पी टी	0	01	0	0	03
	95/1 पी टी	0	09	5	0	24
	1 16/1 पी टी	0	0 2	0	0	0 5
	9 5   1, 7 पी टी	0	0 7	0	0	17
	94/4 पी टी	0	0 1	5	0	0 2
	117/1 पीटी	0	02	0	5	06
	93/4पी टी	0	03	0	0	07
	- / 117/1 पी टी	0	09	5	0	01
	1 1 8/1पी टी	0	0 5		0	
	1 1 ज़ 1 ज टा 1 1 7/1 पी टी			5		14
	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	0	08	0	0	20
	118/1पी टी	0	0.4	5	0	11
	18/4पी टी/118/5पी टी	0	0 5	5	0	13
	1 2 2 / 1 पी टी	0	07	5	0	19
1	1 2 2 <b>/</b> 2 पी टी	0	08	0	0	20
	14/4	0	09	5	0	24
	14/3, 5, 6	0	06	0	J	15
	.13/1 पी टी	0	01	0	0	03
	.13/14/टा 36/1पीटी	•	08	5	3	0.5

$\boldsymbol{\alpha}$	•
ч	,

Pipe line from

THE GAZETTE OF INDIA: EXTRAORDINARY

[PART II—Sec. 3(ii)]

1	2	3	4	5	6	7
	113/1 पी टी 112/1 पी टी	0	03 01	5 5	0	0 9 0 4
कृत मिलाकर		3	80	0	9	43

[सं. ओ.--12016/171/93-ओ एन जी डो-4] एस. मार्टिन, डैस्क मधिकारी

# NOTIFICATION New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 133 (E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S. O. No. 458(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government—has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE to G.C.S. Nagaram State: Andhra Pradesh, distt.: East Godavari, Mandal: Razol

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centires	Acres	Cents
Kadaji Block I	48/2Pt	0	05	0	0	12
220(2). 2-5	48/3 Pt	0	18	5	0	46
	54/Pt	0	19	5	0	48
	55/Pt	0	18	5	o	46
	49/3 A	0	03	0	0	08
	78/2 Pt	0	17	0	0	42
	70/Pt	• 0	17	0	o	42
	68/1B	0	00	5	5	01
	68/1 <b>C</b>	0	01	5	0	04
	68/11F	0	03	0	0	07
	59/A	0	09	0	0	22
	59/B2	0	15	5	0	38
	56	0	10	0	0	25
	68	0	04	0	0	10
	68/1 G	0	03	0	0	08
	68/1 K	0	03	0	0	08
	68/L	0	03	0	O	08
	69/2B, 2, 3	0	09	5	0	23
	78/1Pt, 2Pt	0	1 <b>7</b>	0	0	42
	91/2Pt					
	78/2Pt	0	15	0	0	37
	78/2Pt					
	78/2Pt	0	05	0	0	12
	78/2Pt	0	02	5	0	06
	82/1Pt	0	18	0	0	45
	82/1 Pt	0	01	5	0	04

 	3	4	5	6	
 83/1Pt, 2Pt	0	03	5	0	09
83/1Pt	O	02	5	0	06
83/1 Pt	0	01	0	0	03
83/1Pt	0	01	0	0	03
83/1Pt	0	02	5	0	06
90/1Pt	0	16	5	O	46
91/2Pt	0	02	5	0	06
90/∠	0	18	o	0	44
90/2P1	0	02	0	0	0.5
91/2 Pt	0	02	0	0	0.5
91/2 Pt	0	03	0	0	07
(17/1 Pt	0	09	5	O	23
91/2Pt	0	01	0	U	03
91/2 Pt	0	01	0	0	03
95/1Pt	0	09	5	0	24
116/1 <b>Pt</b>	0	02	0	0	05
95/1, 1Pt	0	07	O	0	77
74/4 Pt	U	01	0	0	02
117/1 Pt	0	02	5	0	06
93/Pt	0	03	U	U	07
17/1Pt	O	00	5	Õ	01
1/8/1Pt	0	05	5	0	14
(17/1Pt	(1)	08	O	0	20
118/3	0	04	3	0	11
118/4 Pt 118/5 Pt }	0	05	5	0	1 3
122/1 Pt	U	07	5	0	19
122/2 Pt	0	08	0	0	20
114/4	0	09	5	O	2.
114/3, 5, 6	0	06	0	0	1
113/1 Pt	Q.	01	0	0	0.
136/1 Pt	0	08	5	0	2:
113/1 Pt	0	03	5	0	U
112/1 Pt	o	01	5	O	Ů.
1-21.14	0	30	0	0	7
 Grand Total	3	80	0	9	4

['No. O-12016/171/93-ONG -D. 4] M. MARTIN, Desk Officer.

## मई विल्ली, 7 फरवरी, 1994

का. था. 134(घ):--यतः पेट्रोलियम और खिनज पाष्ठपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैंग मंत्रालय की अधिसूचना का. था. सं. 459(ई) तारीख 30-6-93 बारा केन्द्रीय सरकार ने उस धिधसूचना से मंत्रम यन्भूची में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाक्ष्मलाइनों की विल्लान के लिए अजित करने का अपना सामय बोधित कर दिया था।

और यतः सक्तम प्राधिकारी ने उक्त घषिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और ग्रागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्वास् इम श्रधिसूचना ने संलग्न अनुसूचि में विनिदिष्ट भूमियों ने उपयोग का श्रक्षिकार ग्राजिन करने का विनिश्चय किया है।

भ्रव, श्रतः उक्त श्रीक्षित्यम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्तः णक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती ई कि इस श्रीक्षयुक्तमा में संलग्न प्रमुख्कों में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रीकार पाष्टपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्कारा अजित किया जाता है।

और द्वागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गिनियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संस्कार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का द्विधकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक रीम प्रायोग में सभी बाधाओं में मुक्त कर में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीक्ष की निहित होगा।

अनुसूची

यार. ओ.  $\mathbf{q}$ . पाइप लाइन मोरि  $\mathbf{I}$  से जी. सी. एस. नगरम

स्टैट : 6 म्रांद्र प्रदेश

जिला : पूरव गोदावरी

मंडल : राजोल

गांव	श्रार. एस. नं.	हेक्टार्स ।	एर्स	सेन्टिएर्स	एकर्स	सेन्टर
1	2	3	4	5	6	
क <b>ड</b> िल बी. 3	731 पीटी	0	01	0	0	0
	725-2/1	0	11	5	0	25
	7 2 5- 2/2	0	06	5	0	1
	7 2 <b>7-</b> <sub> </sub> 1	0	05	5	0	1
	728-3	0	07	5	0	1
	7 2 5- 3	0	05	5	0	1
	725-4	0	0.5	5	0	1
	728-1	0	02	5	0	0
	722-1	0	0.0	5	0	0
	728-2	0	02	5	0	0
	728-4	0	01	0	0	0
	722-2	0	06	0	0	1
	722-3	0	04	0	0	1
	7 4 1- 1	0	0.5	0	0	1.2
	741-2	0	03	0	o	03
	7 4 2-पी टी	0	02	0	0	0 3
	742-2	0	0.1	5	0	0
	7 4 2 - 3	0	03	0	0	0
	474-3 पी टी	0	0.5	0	0	1:
	47 1-1 पी टी	0	09	5	0	23
	72 1- 1 पी टी	0	00	5	0	01
	470-1	0	15	0	0	3
	470-2	0	-07	5	0	19
	47 2-पी टी	. 0	08	0	0	20
	471 <b>-पी</b> टी	0	07	0.	0	17
	3 <b>93-पी दी</b>	0	03	0	0	07
	394-पी टी	0	03	0	0	07
	39 5- 1 पी दी	0	00	5	0	01
	396-2 <b>पी</b> टी	0	05	5	0	13
	396-1 पी टी	0	08	5	0	21
	397-1 पी टी	0	05	0	0	12
	397-2 पी टी	0	04	5	0	
	397-3 पी टी	0	04	0	0	11 10
	397-4 पी टी	0	03	5	0	09
	403-1 पी टी	0	04	5	0	11
	401-2 पी टी	0	19	5	0	48
	403-2 पी टी	0	09	5	0	23
	378-1 पी टी	0	0.8	0	0	20
	402-2 पी टी	0	60	5	0	23
	401-; ਚੀ ਟੀ	0	07	0	0	17
	40 1-3 पी टी	c	09	0	0	22
	378-3 <b>पी</b> ःटी	0	11	5	0	29
	384-पी टी	0	02	0	0	05
	380-1 पी टी	•0	12	0	0_	
	380-2 षी टी	0	09	5	0	30 24
	380-4 पी दी	0	06	5	0	16
	380-3 पी टी	0	00	5	0	01

1	2	3	4	5	6	
	380-5 पी दी	0	01	5	0	04
	381-पी टी	0	01	5	0	04
	37 <i>6</i> -2 <b>पी</b> टी	0	02	0	0	05
	378-3 पी टी	0	1 1	5	9	29
	374-पीटी	0	14	ı)	0	34
	376-1 पी टी	Ü	10	5	O	26
	3 <b>77-पी</b> टी	0	03	0	0	07
	3 <b>7</b> 7-पी टी	θ	01	0	0	02
कुल मिलाकर	anda ang mang mang manggal ang mga mga mga mga mga mga mga mga mga mg	3	18	O	7	

[सं. ओ.-12016/172/93---ओ एन जी डी-4]

एम. मार्टिन, डैस्क ग्राधिकारी

### New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 134 (E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 459 (E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And Whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And Further Whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now Therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And Further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. Pipe line at "MORI I" to "G.C.S. Nagaram

State: Andhra Pradesh District: East Godavari Mandal: Razole.

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Kadali-B. 3	731 Pt	0	01	0	0	02
	725-2/1	0	11	5	0	29
	725-2/2	0	06	5	0	16
	727-1	0	05	5	0	13
	728-3	0	07	5	0	18
	725-3	0	05	5	0 -	14
	725-4	• 0	05	5	0	14
	728-1	0	02	5	0	06
	722-1	0	00	5	0	01
	728-2	0	02	5	0	06
	728-4	0	01	0	0	02
	722-2	0	06	0	O	15
	722-3	0	04	0	0	10
	741-1	0	05	0	0	12
	741-2	. 0	03	0	0	08
	742-Pt	0	02	0	0	05
	742-2	0	01	5	0	04
	742-3	0	03	0	0	07

<u> </u>	<del></del>		·····	KUMAKI	[] 	PART 11—5	EC. 3(11)]
	1	2	3	4	5	6	7
		474-3Pt	0	05	0	0	12
		471-1Pt	0	09	5	Ō	23
		721-1Pt	0	00	5	0	01
		470-1	0	15	0	o	37
		470-2	0	07	.5	0	19
		472-Pt	0	08	0	0	20
		471-Pt	0	07	O	0	17
		393-Pt	0	03	0	0	07
		394-P†	0	03	0	0	07
		395-1P t	0	00	5	0	01
		396-2P t	0	05	5	0	13
		396-1Pt	0	08	5	0	21
		397-1Pt	0	05	0	0	12
		397-2Pt	0	04	5	0	11
		397-3P t	0	04	0	0	10
		397-4Pt	0	03	5	0	09
		403-1Pt	0	04	5	0	11
		401-2Pt	0	19	5	0	48
		403-2Pt	0	09	5	0	23
		378-1Pt	0	08	0	0	20
		402-2Pt	0	09	5	O	23
		401-1Pt	0	07	0	0	17
		401-3P t	0	09	0	0	22
		378-3Pt	0	11	5	0	29
		384-P t	0	02	0	0	05
		380-1P t	0	12	0	0	30
		380-2Pt	0	09	5	0	24
		380-4P t	0	06	5	0	16
		380-3Pt	0	00	5	0	01
		380-5Pt	0	01	5	0	04
		381-Pt	0	01	5	0	04
		378-2Pt	0	02	0	0	05
		378-3Pt	0	11	5	0	29
		374-Pt	0	14	0	0	34
		376-1Pt	0	10	5	0	26
		377-Pt	0	03	0	0	07
		377-P t	0	01	0	0	02
		Total	0	18	0	7	82
							<del></del>

[No. O-12016/172/93-ONG-D. 4]

M. MARTIN, Desk Officer

### नहिंदिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का. थ्रा., 135(प्र):---यतः पेट्रोलियम भीर खिनिज पाइनल इस मूचि में उत्योग के श्रिकार का ग्रजीन भिवित्यम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के भ्रष्टीन भारत सरकार के पेट्रोलियम धीर प्राकृतिक गैस भंतालय की श्रिधसुबना का. थ्रा. मं. 460(अ) तारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस भ्रिधसुबना से मंत्रक अनुसूची में धिनिविष्ट भूमियों में उपयोग के श्रिकार की पाइपणाइनी की बिळाने के लिए श्रिजित करते का श्रिपना श्रीपत कर विया था।

और यक्त सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

ष्ठौर द्वागे, यक केन्द्रीय सरकार ने उकत रिपोर्ट पर तिचार करने के पश्चात् इस द्वादिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का द्वादिकार द्वाजिल करने का विनिश्चय किया है ।

श्रव, श्रवः उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसुचना में संसमन प्रनुसूची में थिनिविष्ट उक्त मूमियों में उनयोग का ग्राधिकार पाइपसाइन विष्ठाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और श्रामे उस झारा की उथबाग (4) द्वारा प्रदत्त मिलत्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देण देती है कि उक्त भूमियों में उथयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होते की बजाय तेल झोर प्राकृतिक गैम आयोग में, सभी वाधाओं में मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख की निहित होगा।

अनुसूर्घः

भार भ्रो  $\eta$  फ्ला पाइय लाइन मारि-I में जो सार एनं नगरम स्टेट भ्रोध प्रदेश : मण्डल : मामिडिकुवुक र जिला : पूर्ण गोदावरि

र्गाव	<b>ग्रा</b> र. एस. नं.	हेक्टर्स	एस	सेन्टिएस	एकस	सेम्टस
1	2	3	4	5	6	7
गरम	93- 1ए	0	15	5	0	3
	9 2-V.	0	09	5	O	2
	9 2-सी(	0	07	5	0	1
	94-4 ₵			<del></del>		~-
	9 <b>4-4बी</b>	0	10	5	0	2
	9 2-3	0	14	5	0	3:
	१०३-पार्ट	0	07	5	0	19
	10 <b>४-पार्व</b>	0	0 2	5	0	0.6
	1 0 5- 1	0	0.8	0	0	20
	105-7	0	0.5	5	0	1.4
	106-3	0	0.2	5	0	0.6
	10 %- 1 पार्ट	O	04	5	0	1 1
	106-2 ए	0	03	0	0	07
	106-2 बी	0	0 1	0	0	0.3
	106-4	0	02	5	0	0.6
	1 0 8- 1	0	0.2	5	0	06
	108-2	0	04	5	ı) <sub>e</sub>	1 1
	1 1 2-8 पार्ट	0	01	0	0	02
	1 1 <b>6-पार्ट</b>	0	02	0	0	0 5
	1 1 5-पार्ट	0	00	5	0	0 1
	113-4	0	17	O	0	4.2
	1 1 3-3 पार्ट	0	03	5	0	09
	1 1 2-7 €	0	04	0	0	10
	1 1 3~1 ए/2	0	03	5	0	0.9
	157-1 पार्ट	0	03	5	0	09-1/2
	1 13-3 पार्ट	0	0.1	0	. 0	1 0
	157-12	O	07	0	0	16-1/3
	156	0	0.3	0	0	08
	163	0	03	0	0	08
	1 65-8 पार्ट	0	16	0	0	39
	1 6-4- 1-9) ਣੰ	0	0.6	0	0	15
	1 <b>6 4- 2</b> पार्ट	0	11	0	0	27
	1 <b>67-1 पार्ट</b>	0	16	O	0	39
	1 67-3 पार्ट	0	03	0	0	08
	167-4	0	0.3	0	0	0.8
	1 67-1	0	14	5	0	36
	1 <b>69-</b> र <b>पार्ट</b>	0	0.9	0	0	22
	169-2 ਥਾਟੰ	0	0.9	5	0	23
	१६६-पं। दे।	0	0.3	5	0	0.6
	112-787	0	01	5	0	02-1/2
	1 1 2 - 6 र्ड (	0	04	5	0	11
	112-6स्(	0	02	5	0	06
	1 1 2-5 वि	0	60	0	0	08
	112-5में(					
त मिलाक <i>र</i>		0	55	5	· /·	
ल किस्ताना,			17.0	υ	6	3 0 1/2

[सं. मां.--12016/173/मां. एस. जं: डो.-4] एम. मार्टिन, बैस्क मधिकारो

# New Delhi, the 7th February 1994

S.O. 135 (E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 460 (E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And Whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And Further Whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now Therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And Further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vestion this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

# R.O.U. Pipe flow line from Mori I to G.C.S. Nagaram State; Andhra Pradesh Mandal; Mamidikuduru District : East Godavari

SCHEDULE

Village	R.S. No.	Hectare	Ares	Centeres	Áeres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Nagaram	93-1A	0	15	5	0	3
	92- <b>A</b>	0	09	5	0	2
	92-C	0	07	5	0	1
	94-4A 94-4B	0				_
	94- <b>4B</b> }	0	10	5	0	7
	92-3	0	14	5	0	3
	103-Pt	0	07	5	0	1
	104-P t	0	02	5	0	(
	105-1	0	08	0	0	1
	$\left. {105-2\atop 106-3} \right\}$	0	05	5_	0	1
		0	02	5	0	•
	106-1Pt	0	04	5	0	1
	106-2A	0	03	0	0	(
	106-2B	0	01	0	0	(
		0	72	0	2	
	106-4	0	02	5	0	(
	108-1	0	02	5	0	(
	108-2	0	04	5	0	1
	112-8Pt	0	01	0	0	(
	116-Pt	0	02	0	0	
	115 Pt	0	00	5	0	•
	113-4	0	17	0	0	
	113-Pt	0	03	5	0	(
	112-7E	0	04	0	0	
	113-1A/2	U	03	5	0	(
	157-Pt	0	03	5	0	09-1
	113-3Pt	0	04	0	0	
	157-2	0	07	0	0	16-1
	156	0	03	0	0	(
	163	0	03	0	0	
	165-8Pt	0	16	0	0	
	164-1P t	0	06	0	0	
	164-2Pt	0	11	0	0	

1	2	3	4	5	6	7
	167-1Pt	0	16	0	0	39
	167-3Pt	0	03	0	o i	08
	167-4	0	03	0	0	80
	167-2	0	14	5	0	36
	167-1Pt	0	09	0	0	22
	167-2Pt	0	09	5	0	23
	166-Pt	0	02	5	0	06
	112-7D	0	01	5	0	02-1/2
	112-6D	0	04	5	0	11
	11 <b>2-6</b> C	0	02	5	0	06
	112-5B	0	03	0	0	08
	112-5C	Ò	69	0	0	69
	Grand Total	2	55	5	6	30-1/2
	Grand Total			<u> </u>	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	30-

[No. O-12016/173/93-ONG-D. 4] M. MARTIN, Desk Officer

नई विल्ली, 7 फरवरी, 1994

का. मा. 136 (म):—वक्षः पेट्रोक्षियम और खनित्र पाईँप लाईँन भूमि में उपयोग के प्रधिकार का धर्जन धर्धिनयम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की प्रधिसुचना का. मा. 461 (ई) तारीख 30-6-83 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसुचना से संलग्न धनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के ब्रंधिकार की पाईप लाईनों को छिपाने के लिए प्रजित करने का प्रपना प्राथय धोषित कर दिया था।

क्षीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने जनत प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और द्यागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस प्रधिसूचना से संलग्न धनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का द्यधि-कार भणित करने का विनिश्मय किया है।

श्रव ग्रस: छक्त प्रक्षितियम की धारा 6 की उपधारा (।) ग्रारा प्रवस्त शंकित का प्रयोग करते हुए केखीय सरकार एतव्दारा घोषित । करती है कि इस ग्रीधसूचना में संलब्स प्रनृसूची में विनिर्दिष्ट उक्त सूमियों में उपयोग का प्रक्षिकार पाईप लाईन विख्याने के प्रयोजन के लिए एतदद्वारा प्रजित किपा जाता है ।

और भागे उस छारा की उपघारा (4) द्वारा प्रवस्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का ग्रिष्ठिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस भ्रायोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में छोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

वनुसूची चार बो यु पाईप मार्डन मोरी 1 से जि सि एम नगरम स्टट: ग्रांश्च प्रदेश मंडस: मामिडिकुदुरू जिला: पूर्व नोवावरि

·— -— -— नांव	<u>——</u> भार एस नं.	हे <del>श</del> ्वासं	एयलं	सेंन्टियार्स	एकर्स	सेंन्ट्स
	1 2 3-प्	0	03		0	07
गोव्दाश	1 2 2- 4 <b>Ų</b>	0	02	0	0	05
	1 2 2— 4वी	0	0.5	5	0	13
	1 0 9-1	0	01	0	0	02
	109-2	0	00	5	0	0 1
	109-3	0	00	5	0	0 1
	108-2	0	01	0	θ	02
	1 0 7—ए	0	03	0	0	07
	106 <b>4ए,</b> 3 <b>ए</b>	0	11	5	0	29
	104─ए.	0	32	0	5	79
	1 3 5/ 1ए, 2ए, 2बी	0	21	0	0	52
	138 <b>-</b> 4					
	1 3 6- 3 <b>ए, 4ए</b> ए	0	16	0	0	40
	136-1ए 141-4ए	0	14	5	0	36
	1 3 7—1ण, 2ए	0	14	5	0	36
	1 4 1 4बी	0	04	5	0	11
कल मिलाकर		1	30	5	3	21

New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 136 (E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 461 (E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### **SCHEDULE**

R.O.U. Pipe line from Mori I to G.C.S. Nagaram State: Andhra Pradesh Mandal: Mamidikuduru District: East Godavari.

Name of the Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents
Geddada	123-A	0	03	0	0.	i07
	122-4A	0	02	0	0	0.5
	122-4B	0	05	5	0	13
	109-1	0	01	0	0	02
	109-2	0	00	5	0	01
	109-3	0	00	5	0	01
	108-2	0	01	0	0	02
	107-A	0	03	0	0	07
	106-4A, 3A	0	11	5	0	29
	104-A	0	32	0	0	79
	135-1A, 2A, 2B					
	138-A	0	21	0	0	52
	136-3A, 4A	0	16	0	0	40
	136-1A 7					
	141-4A ∫*	0	14	5	0	36
	137-1A, 2A	0	14	5	0	36
	141-4B	0	04	5	0	11
	Grand Total	0	30	5	3	21

[No. O-12016/174/93-ONG-D. 4]
M. MARTIN, Desk Officer

## नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का. आ. 137 (म):— यतपैट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन मूमि में उपयोग के प्रक्षिकार का प्रार्ग यधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की प्रधिमूचना का.आ. मं. 462 (ई) तारोख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिमूचना से मंत्रन प्रमृतूची में बिनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग के प्रधिकार को पाईप लाईनों को बिछाने के लिए प्रजित करने का प्रपना प्राणय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दो है।

और भ्रागे, यतः केन्द्रीय मरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विश्वार करने के पश्चात इस मधिसूचना से मंलग्न मनुसूचि में विनिधिन्ट भूमियों घें उपयोग का मधिकार भूजित करने का विनिध्चय किया है।

भ्रम, ग्रतः उक्त ग्राधिनियम की धारा 6 की उपघारा (1) द्वारा प्रदश्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रक्षिसकता में संलग्न श्रनुमुक्ति में विनिद्धिट उक्त पृमियों में उपयोग का ग्रधिकार पाईप लाईन बिखाने के प्रयोजन के लिए एनदद्वारा ग्राजिन किया जाता है।

और म्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त पाक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संश्कार निर्देश वेती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का पश्चिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस भायोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

भन् सृ**र्च**ा

शा ओ यु फला पाईप लार्टन कैकलूर 6 से फ़ैकलूर 3 स्टेंट ब्रांध्र धंयेग ; जिजा कुण्या संदल मुक्लिपल्लि

गांव	आर.एस नं.	हैक्टार्स	एमं	मेन्टियमं	<b>ए</b> कर्स	मेन्टम
फोम <del>र्</del>	47-2वी	U	03	0	0	07½
	4 6- 2बी	0	05	5	0	14
	4 6 2मी	0	0.3	0	0	07
	4 ল– 2ন্থী	0	0.3	0	0	07
	4 6— 2 <del>ई</del>	O	0.3	0	0	07
	4 6 2एफ	0	0.3	0	0	06 <del>1</del>
	45 1वी	0	03	5	0	09
	4 5~ 1मी	0	04	0	0	10
	4 5— 2वी र्					
	4 5 <b>—</b> 3बी ∫ै	0	07	5	0	19 <del>1</del>
	67-10पीदी	0	01	0	0	011
	6 7 2पीटी	0	0.1	0	O	02
	7 2- 1बी	0	07	0	0	17
	7 2 2मी	0	0.3	0	0	08
	72-3मी पीटो	0	03	0	0	07 <del>1</del>
	71-1ची पीटी	0	12	0	0	30
	71-3 <b>मी</b> पीटी	0	07	5		18
	80 2पीटी	0	11	0	0	$27\frac{1}{2}$
	83 <b>–2<del>6</del></b>	0	0.6	5	0	16
	8 0 <b>– 3पीटी</b>	0	1 5	5	0	38
	8 1— 1 0पी दी	0	06	5	0	16
	83-2मी पीटी	0	01	5	0	04
	8 3— 2 हो	0	03	5	0	09
	70-2	0	01	5	0	04
	8 5— 2ए	0	0.3	0	0	0.8
	8 1— 2मी	0	03	5	0	8 <del>1</del>
	83-1 मी	0	0 0	5	0	01
	8 3— 2ची	0	06	5	0	16
	<u></u>	1	29	5	3	$19\frac{1}{2}$

[मं. ओ.-12016/ 175/93-ओ एन जी-डी-4] एम, मार्टिन, डैस्क भक्षिकारी

### New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 137 (E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 462 (E). dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section the Central Government directs that the right of user, in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

### **SCHEDULE**

R.O.U. flow pipe line from Kaikalur-6 to Kaikalur-3

State : Andhra Pradesh District : Krishna Mandal : Mudinepalli

	6	5	4	0	2	1
07-1/	0	0	03	0	47-2B	Komarru
14	o	5	05	0	46-2B	
0	0	0	03	0	46-2C	
0	0	0	03	0	46-2D	
0	0	0	03	0	46-2E	
06-1/	0	0	03	0	46-2F	
0:	0	5	03	0	45-1B	
10	0	0	04	0	45-1C	
19-1/	0	5	07	0	45-2B↑ 45-3 <b>B</b> ∫	
01-1/	0	0	01	0	67-1Pt	
0:	0	0	01	0	67-2Pt	
1	0	0	07	0	72-1B	
Ō	0	0	03	0	72-2B	
07-1/	0	0	03	0	72-3B <b>P</b>	
30	0	0	12	0	71-1BPt	
1	0	5	07	0	71-3B Pt	
27-1/	0	0	11	0	80-2Pt	
1	0	5	06	0	83-2E	
3	5	0	15	0	80-3Pt	
2	0	5	06	0	81-1BPt	
0	0	5	01	0	83-2CPt	
O:	0	5	03	Ó	83-2D	
0	0	5	01	0	70-2	
Ō	0	0	03	0	85-2A	
0	0	5	03	0	81-2B	
0:	0	5	00	0	83-1B	
10	0	5	06	0	83-2B	
19-1/	0	5	29	1	Total	

[No. O-12016/175/93—ONG-D-4] M. MARTIN, Deak Officer.

## नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का. धा. 138(धा):— यतः पेट्रोलियम और त्रिक्ष पाइपलाइन भूमि में उपयोग के ध्रिष्ठकार का धर्मन ध्रिष्टिनयम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के ध्रिप्टीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संसामय की घ्रिप्टिन्तन का. धा. मं. 463 (ई) तारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ध्रिष्ट्रिल्या में संलग्न धनुसूची में विनिद्धिट भूमियों में उपयोग के ख्रिक्षार की पाइपलाइनों का विकान के लिए ध्रिजित करने का घ्रमा घोषत कर दिया था।

और यतः सुक्षम प्राधिकारी ने उक्त भविनयम की बारा 6 की उपधारा (1) के भविन सरकार को रियोर्ट दे दी है।

और धारो, यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रपोर्ट पर विचार करने के पण्णात् इस प्रक्षिस्चना से संलग्न यनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों मे उपनोम का अधिकार अजित करने का विनिध्यय किया है ।

भव, भतः उक्त मधिनियम की थाएं 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदश्त वक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा धोषित करती है कि इस मधिसूजना में संस्थन मनुसूचि में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का मधिकार पाइप साइन विकान के प्रयोजन के लिए एतव्दारा भूजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदस्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस श्रायोग में सभी बाधाओं से मृक्त रूप में धोषणा के प्रकाशन की इस सारीक्ष को निहित होगा।

## अनम् चो

भ्रार ओ. ए फ्लो लाईन कैकलूर 6 में कैकल्र 3, राज्य ग्रान्ध्र प्रदेश : जिला कब्गा मंडल ं मेदिलेपल्लि

गीव	<b>ग्रा</b> र.एस.नं.	<sub>दे</sub> क्टासे	डार्स	सेंटिटएसँ	डाकर्स	मेंन्ट्रस
 घेचरूः	1-2 पीटी	0	01	5	0	0 4
•	2 <b>–</b> 2 पीटी	0	03	5	o	0.9
	2-3 पीटी	0	04	0	0	10 <del>1</del>
	2-4 पीटी	0	0.5	5	0	14
	<b>3-</b> 2	0	02	5	0	0.6
	3.2	0	03	5	0	09
	4~3षी पीटी } 4~4ए पीटी }	0	16	0	0	39
	4 3सी,   4 4मी	0	11	5	0	29
	7 1 मी	0	0.5	5	0	14
	11—1की पीटी 12—2की पीटी	0	1 5	5	0	37 <del>1</del>
	1 1- 2सी	0	01	0	0	02
	1 2— 1 <b>ए</b> , 2नी     2पीटी	0	04	0	0	09
	1 9 <b>/ 2/पੀ</b> ਣੀ	0	07	5	0	19
	313 पीटी	0	01	0	0	03
	6-2	0	04	5	0	11
	13-2	0	0.5	5	0	16
	31-2	0	08	5	0	21
,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	कुल योग:	1	01	0	2	51 <del>1</del>

[सं. ओ. -12016 | 176 | 93 ओ एन जी डी -4] एम. मार्टिम, डैस्क प्रधिकारी

# New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 138(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 463(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

### SCHEDULE

R.O.U. flow pipe line from KAIKALUR 6 to KAIKALUR

State: Andhra Pradesh	District:	Krishna,	Mandal: Mudenepal				
Village	R.S. No.		Hectars	Arcs	Centares	Acres	Cents
1	2		3	4		6	7
Chevuru	1-2 pt.		0	<u></u> 01			04
	2-2 pt.		0	03	5	0	09
	2-3 pt.		0	04	0	0	10-1/2
	2-4 pt.		0	05	5	0	14

	THE	<b>GAZETTE</b>	OF	INDIA	: EXTRAORDINARY	[Part
--	-----	----------------	----	-------	-----------------	-------

7	6	5	4	3	2	1
06	0	5	σ2	0	3-2	Chevaru—(concld.)
09	0	5	03	0	3-2	
39	0	0	16	0	4-3 B pt.	
		_	_	_	4-4A pt.	
29	0	5	11	0	4-3C, 4-4C	
14	0	5	0.5	0	7-1B	
37-1/2	Ō	5	15	0	11-1B pt.	
					12-2 <b>B</b> pt.	
02	0	0	01	0	11-2C	
09-1/2	0	0	04	0	12-1A, 2B 2 pt.	
19	0	5	07	0	19-2 pt.	
03	0	0	01	0	31-3 pt.	
11	0	5	04	0	6-2	
14	0	5	0.5	0	13-2	
21	0	5	08	0	31-2	
51-1/2	2	0	01	1		Total

104

[No. O-12016/176/93-ONG-D4] M. MARTIN, Desk Officer

11--SEC. 3(ii)]

# नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का. भा. 139 (भ्र):— यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के भ्रधिकार का मर्जन भ्रधिनियम, 1962 (1962 भर 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राक्तिक गैस मंद्रालय की भ्रधिसूचना का था, मं 464 (र्ष) तारीख 30-6-93 हारा केन्द्रीय सरकार ने उस भ्रधिसूचना से मंलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के भ्रधिकार की पाईपलाईनों को विठान के लिए भ्रजित करने का भ्रपना श्राशय धोषित कर दिया गया।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त भ्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) की भ्रभीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और धारो, यत : केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस ग्राधिश्चना से मनस्न श्रानुसूचि में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग का भूधिकार ग्राणित करने का विनिश्चय किया है।

भ्रम भ्रतः उक्त श्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदश्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा धोषित करती है कि इस श्रिध्सूचना में संखन्न श्रनुसूचि में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधिकार पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्दारा ग्राजित किया जाता है।

और मागे उस धारा की उपधारा (4) हारा प्रदर्भ मक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देनों है कि उसन भूमियों में उपयोग का म्रिधिकार केन्द्रीय सरकार में निहिन होने को बजाय नेच और प्रा∌ितक रीस म्रायोग में समी बाबाओं से मृतन रूप में धोपणा के पकानन की इस तारीख को निहित होगा।

शेड्युल श्रार क्यों ए फलों, लाईन कैकलूर 7 से कैकलूर 3 स्टेट : श्राध्य प्रदेश संख्ला : मुदिनेशिल्ल जिला : कृष्णा

गांव	⊽स नं.	हें.	ए पं	से स्टिम् न	एक र	सेन्टस
1	2	3	4	5	6	7
काकरवाडा	2 5/पाँटा 1 2/ 5, 4पीँटा }	0	10	0	υ	25
	12/4 सी	0	01	0	0	0.3
	1 2/ 4डिंग, 1 2/ 3संग	0	07	0	0	17
	12/3 सं ( पत्टें(	0	07	0	0	17
	$rac{1}{2} rac{2}{2}$ एपी.ट्रं $\left\{rac{1}{2} 2 \hat{f u} \hat{f u} \hat{f z} \hat{f c} ight\}$	0	07	0	0	17
	1 1/ 2 पीटी	0	09	0	0	22
	5/ 6पीटी रे 5/ 4पीटी र्	0	03	0	U	0
	5 <b>/</b> 3 पी <i>टो</i>	0	07	0	0	1

	41.00.40.404	ar adiation			103
2	3	4	3	6	7
4 / 2 व रिचिटी	0	63	0	0	08
4   2 मीं पीटी ∫ै	0	0;1	5	•	0.9
त ∤। बी पीटी }					
4 ∫1 क्षेपंटा∫ें					
	Ō	ů)	ø	0	07
4/1ए परिटंट }ें					
	0	0.1	5	U	(1-)
4/: पां <b>र्थ</b> ी र्	0	02	0	0	0 5
भेलाकः:	0	86		Territoria (1990) - 1	63
	2 4   2 के किटी 4   2 के किटी 4   2 के किटी 4   1 के केटी 4   2 के केटी	2 3  4/2कोर्पटी 0  4/2कोर्पटी 0  4/2कोर्पटी 0  4/1कोर्पटी 0	2 3 4  4 / 2कों फेटी 4 / 2कों फेटी 4 / 2कों फेटी 4 / 1 कों फेटी 4 / 1 कों फेटी 4 / 1की फेटी 4 / 1की फेटी 4 / 1फी टी 4 / 1फी टी 4 / 1फी टी 6 0.1 4 / 1फी टी 7 फेटी 6 0.2	2 3 4 5  A / 2कोषिटी 0 03 0  A / 2कोषिटी 0 03 5  A / 1कोषिटी 0 03 5  A / 1कोषिटी 0 03 5  A / 1कोषिटी 0 03 0  A / 1कोषिटी 0 03 0  A / 1कोषिटी 0 03 0  A / 1कोषिटी 0 03 5  A / 1कोषिटी 0 03 5  A / 1कोषिटी 0 03 5  A / 1कोषिटी 0 02 0	2 3 4 5 6  4/2बोर्पटी 0 03 0 0  4/2बोर्पटी 0 03 5 6  4/1बार्पटी 0 03 5 6  4/1बार्पटी 0 03 5 6  4/1बार्पटी 0 03 0 0  4/1वार्पटी 0 03 0 0  4/1वार्पटी 0 03 5 0  4/1वार्पटी 0 03 5 0  4/1वार्पटी 0 03 5 0

ं[स. जो 12016/177/93-मी एवं जो बी -4] ्म मादित, डैन्ड अक्रिकारों,

### New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 139(k).—whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 464(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipellnes (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the Power confered by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-mection (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instad of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

### SCHEDULE

R.O.U. flow Line from Kalkalur 7 to Kaihalur 3

State: : Andhra Pradesh

Mandal : Palli

Distt. : Krishna

Village	S. No.	Hectares	Aros	Centlares	Acres	Cents
Kakaravada	25/pt. 12/5, 4 pt.	0	10	0	0	25
	12/4 C	0	01	0	0	03
	12/4 D, \\ 12/3 C \\ f	0	07	0	0	17
	12/3C pt.	0	07	Q	0	17
	12/2A pt. \ 12/2B pt. \	0	07	0	0	17
	11/2 pt.	0	09	0	0	22
	5/ <b>6 pt.</b> ] 5/ <b>4 p</b> t. ∫	o	03	0	0	07
	5/3 pt.	0	0.7	0	O	17
	4/2 <b>D</b> pt.	0	03	0	0	08
	4/2C pt. ] 4/1C pt. } 4/1B pt. }	0	(13	5	0	09
	4/1B pt. 1 4/1A pt. ∫	0	03	0	o	07
	4/1 pt.	0	03	5	0	09
	4/2 pt.	0	02	0	•	09 05
Grand Total		0	66	0	1	63

[No. O-12016/177/93-ONG-D4] M. MARTIN, Desk ) licer नई दिल्ली, 7 फरबरी, 1994

का. था. 140(घ):-- यतः पेट्रोलियम घीर खंतिज पाईश्लाईन भूमि में उत्योग के श्रीधकार का धर्जन श्रीवित्यम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उत्यारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम भीर प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ग्रीधसूबना का. था. सं. 465 (ई) तारीख 30-6-93 द्वारा केव्हीय सरकार ने उस श्रीधसूबना से संलग्न भनुसूबी में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग के श्रीवकार की पाईप्रमाईनों की विद्यार कि वित्र करने का अपना भाषाय घोषित कर विया था।

भीर यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार की रिपोर्ट दें वी है।

भीर शागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उकत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस ग्रधिमूचना से संलग्न प्रनृत्सूची में विनिधिष्ट भूमियों मे उपयोग ना ग्राधिकार प्रणित करने का विनिध्यय किया है।

घन प्रतः उन्त प्रधिमिधम की धारा ६ की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त शक्ति का प्रयोग करते हुए कैन्द्रीय सरकार एतद्वारा धौषित करती है कि इस प्रधिमुचना में संसम्भ धनुसूचि में विनिध्दिद उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा प्रणित किया जाता है।

भीर आगे उस घारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त मिक्सियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देसी है कि उकत मूमियों में उपयोग का प्रिष्ठकार केन्द्रीय सरकार में निष्ठित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस भागोग में, सभी बाधाओं में मुक्त क्रय से, श्रीवणा के प्रकाशन की इस तारीख़ को निष्ठित होगा।

मेडूयूल फली लाईन केन्जलूर 7 से केकलूर 3 स्टेट: ब्रास्थ प्रवेश जिला: कृष्णा महल:मृदिनेयुल्ली

r	एस न	हेक्टार्स	<b>एसं</b>	सॅस्टिएम्	एकर्स	सेंस्टस
·	104  पीटी	0	02	5	5	0 6
	103/2	O	03	5	0	09
	94/2 सीं।	0	13	0	0	3 2
	94/1 ची	0	09	0	•	22
	102/2 पीटी	0	01	O	0	01 1/2
	101/2, मी, 2मी	0	04	0	0	10
	36/2मी	0	02	0	0	05
	101/2मी	0	14	5	0	3 6
	101/1 मी	0	10	5	0	26
	94/2मी	0	19	5	0	$4.8\frac{1}{2}$
	3 र्न अनिःदीत	0	05	0	0	117
	37/2	0	01	0	0	•3
	38/1वी	0	02	0	0	0.5
	38/2 ची 3 ची	0	10	0	0	2.5
कुल मिलाकर		0	97	5	3	40}

[सं. भी:-12016/178/93-ओ एन जी डी --4] एम मार्टिन, डैस्स श्रीवकारी

### New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 140(E).—whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 465(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intetion to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the tands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government beached deplaces that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the principle:

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

### SCHEDULE

Flow line from Kaikalur 7 to Kaikalur 3

State: Andhra Pradesh Distt.: Krishna Mandal: Mudenepalli

Village	S. No.	Hectars	Ares	Contiares	Acres	Cents
Chovaru	104/pt.	0	02	5	0	06
	103/2	0	03	5	0	09
	94/2C	0	13	0	0	32
	94/1B	0	09	0	0	22
	102/2 pt.	0	01	0	0	01-1/2
	101/2B, 2C	0	04	0	0	io
	36/2B	0	02	0	0	05
	101/2C	0	14	5	0	36
	101/1B	0	10	5	0	26
	94/2B	0	19	5	0	48-1/2
	37/3 pt.	0	05	0	0	11-1/2
	37/2	0	01	0	0	03
	38/1B	0	02	0	0	05
	38/2B, 3B	0	10	0	0	25
Grand Total	<u></u>	0	97	5	2	40-1/2

[No. O-12016/178/93-ONG-D-4] M. MARTIN, Desk Officer

### नई दिल्ली, 7 फरवरी 1994

का. मा. 141 (भ):— यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाईन भूमि में उपयोग के प्रधिकार का मर्जन प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (i) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की प्रधिसूचना का. था. सं. 466 (ई) तारीख 30-6-93 द्वारा फेक्ट्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से संलग्न प्रनुसूची में विनिद्धिंट भूमियों में उपयोग के प्रधिकार को पाईपलाईनों को विद्यान के लिए प्रजित करने का भपना प्राशय श्रोषित कर विया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धास 6 की उपधारा (i) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिमूचना से सँतण्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट मूमियों में उपयोग का प्रक्रिकार अजित करने का विनिध्यय किया है।

श्रव श्रतः उक्त मधियनियम की घारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रवस्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केकीय सरकार एतव्दारा **घोषित करती है** कि इस मधिमूचना से संलग्न प्रनुसूची में विभिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का भ्रिषकार पाईपलाईन विश्वाने के प्रयोजन के लिए एतव्दारा मिलित विवा जाता है।

और प्राणे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कन्त्रीय सरकार निर्धेण देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का ध्रिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की अजाय तेल और प्राकृतिक गैस भाषीग में सभी भाषाओं से मुक्त रूप में ध्रीषणा के प्रकाशन की इस तारीख की निहित होगा।

अनुसूर्वा आरओ यूपाइप लाईन वडाली 1 से कैकालूर 3 सक

स्टेट : ग्राध प्रवेश जिला : कृष्णा : मंबल : मृदिनेदपम

गोब	एस नं.	द्वेक्टार्स	एसं		सेन्टिएर्स	एकर्स	सॅन्टस
1	2	3	4		5	6	7
रहर्षिल	31/2 वी	C	)	0 4	0	0	10
•	31/50	(	)	04	5	0	11
	32-6की, 7ए	•	0	0.3	0	0	0.7
	32/7वी	(	)	02	5	0	0.6

(PART II—SEC. 3(ii)	[PART	Ħ-	SRC.	3	(#)	1
---------------------	-------	----	------	---	-----	---

108	THE GAZETTE O	F INDIA : EXT	RAORDINAI	RY	[Part II—	Sec. 3(ii)]
ì	2	3	4	5	6	7
	32/8ए, अमी	0	0 2	5	0	06
	32/8बी	0	03	0	0	07
	32/ 11 <sup>4</sup> f	0	0.5	0	0	1 2- 1/2
	32 / 12 वी	0	0 4	5	0	10-1/2
	114/2	O	03	0	0	0.7
	80/7ए	0	0 1	0	σ	0.3
	8 1 / 1मी	U	07	5	0.	18
	97C \1 8	U	. 05	0	0	12
	8 1/ अभी	0	0.6	0	0	15-1/2
	8 2/ 1ए	0	0,5	0	0	12
	82/4ए, 6ए 1, 6की 1	0	06	5	0	16
	8 4/ 3Q/ 1	0	0 5	5	0	1 2- 1/2
	8 4/ 4ए	0	0 5	5	0	13
	851/7 <b>ए</b> 2	0	0 2	0	0	0.5
	851/ <b>७वी</b> 2	0	0.1	0	0	02
	76/2	0	0 4	o	Ó	10-1/2
	65/ 1वी	0	0 3	O	0	07.
	66/2 <del>41</del>	0	08	0	0	20
	67/2 <del>4</del> 1	0	06	5	0	1 5/1/2
	60/1 <del>4</del> 1	0	06	5	0	16
	70/1मी 2	0	06	5	- 0	16-1/2
	70/ 2 ए 2	. 0	02	Θ,	. 0.	04-1/2
	70/30/2	0	03	0	0	0.8
	70/40 /2	0	02	5	0	06
	72/1	0	03	0	0	08
	72/3	0	01	5	0	04
	72/2	0	01	5	0	04
	20 1/ 1मी	0 -	06	0	0	16
	20 2/2	0	01	0	0	01-1/2
	20 2/1	0	01	0	0	0 3-1/2
कुस शीग		1	33	0	3	26
			<del></del>			

(च. मो 12016/179/93 ओ एन जी सी-4)

एम. मार्टिन, पैस्क प्रक्रिकारी

## New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 141(B).—whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 466(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerala Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Governmet has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pineline:

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### SCHEDULE

R.O.U. Pipe line from 'VADALI-I to KAIKALUR-3

State : Andhra Pradesh

District : Krishna

Mandal: Mudinepam

/illage	S. No.	Hectares	Ates	Centiares	Acres	Cent
	2	3	4	5	G	7
/adali	31-2B	0	04	0	0	10
	31-5B	0	04	5	0	11
	32-6B, 7A	0	03	0	0	07
	32/7B	0	02	5	0	06
	32/8A, 9B	0	<b>Ò</b> 2	5	0	06
	32/8B	0	03	0	0	07
	32/11B	0	05	0	0	12-1/2
	32/12B	0	04	5	oʻ	10-1/2
	114/2	0	03	0	0	07
	80/7A	0	01	0	0	03
	81/1B	.0	07	5	0	18
	81/3A	0	05	0	0	12
	81/3B	<b>0</b> ·	-06	0	0	15-1/2
	82/1 A	0	0.5	0	0	12
	82/4A, 6A1, 6B1	0	06	5	0	16
	84/3A/1	0	05	5	0	12-1/2
	84/4A	0	0.5	5	0	13
	85/7A/2	0	02	0	0	0.5
	85/7B/2	p	01	0	0	02
	76/2	0	04	0	0	10-1/2
	65/1B	0	03	Ó	0	Ó7
	66/2B	0	08	0	0	20
	67/2B	0	06	5	0	15-1/2
	69/1B	0	06	Ś	0	16
	69/1B/2	0	0 <b>6</b>	5	Q	16-1/2
	70/2 <b>A/</b> 2	0	02	0	0	04-1/2
	70/3A/2	0	03	0	0	08
	70/4A/2	0	02	5	0	06
	72/1	0	03	ø	0	08
	72/3	0	01	.5	0	04
	72/2	0	01	5	Ó	04
	201/1B	0	06	Ō	0	15
	202/2	0	01	0	0	01-1/2
	202/1	Ō	01	0	0 +	03-1/2
Total		1	33	b	3	26

[No. O-12016/179/93-ONG-D4] M. MARTIN, Desk Officer

## नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का था. 142(भ) -- यथः वेद्रोलियम धीर खनिज पादपलाईन भूमि में उपयोग के मधिकार का भर्जन भरिनियम 1962 (1962का 50) की बारा 3 की उपवारा (1) के भर्षाम भारत सरकार के पेट्रोलियम भीर प्राकृतिक गैस मंत्रालय की मधिल्यना का भा. सं. 467(ई) तारीख 30-6-93 द्वारों केन्द्रीय सरकार ने उस मधिल्यना से संलक्त भन्नुसूत्री में विनिधिकंट भूमियों में अपयोग के प्रधिकार की पादपलाईमों को बिछाने के निए मिक्स करने का अपना प्रावाय भौषित कर विया था।

भौर यक सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा ६ की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे की है।

ग्रीर भागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चाम इस मधिसूयना से संनक्त श्रनुसूची में विनिधिक्ट भूमियों में उन्योग का का ग्रीकिकार ग्राजित करने का विनिध्याम किया है।

भव, मल उन्त मधिनियमं की धारी 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त कपित का प्रमोग करते हुए केन्द्रीयः सरकार एत्युवारा केन्त्रित करती है कि इस प्रविद्युवना में संसन्त प्रमुखी में विनिद्धित उनत सूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन विद्याने के प्रयोगन के लिए एत्युवारा मुक्तित किया जीता है।

ग्रीर भागे उस्त भाग की उपवारा (4) द्वारा प्रकल मिन्सियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेण देती है कि उक्त भूमियों मैं उपयोग का स्विकार केन्द्रीय सरकार में निहित होते की बजाय नेल ग्रीर प्राकृतिया गैम ग्रामीग में, मभी बाधायों से मुक्त कप में, जोजजा के प्रमाजल की देस तारीक की निहित होगा।

शे इयुल

पाइप लाईन बनिस I से केक्सूर 3 सक

स्टट:भाष्ट्रा प्रथम	ाजलाः कृष्णा			मंडल :	मुद्रापल्लि	
गांच	एस नं.	हैक्टास <u>ें</u>	<b>ृर्सं</b>	सेन्टियर्स	ए <b>कसँ</b>	सन्टास
1	2 ·	3	4	5	6	7
चेऊर	33/3	0	09	0	0	23
	35/2	0	11	5	0	29
	3 6 / 1વી	0	08	0	o	20
	3-7/र्वस	0	02	0	0	05
	<b>३<i>६</i>/</b> 2वीं।	ø	04	0	0	10
	<i>38</i> ∤1वँ।	U	01	0	0	02
	34/2	0	01	5	0	04
कुल मिसाकर	rr ar ar Bi ar \$454 약 by tau * 444/44 합추하 하다	0	37	0	0	93

मिं. मो--12016/180/93-मी एन जो-डो-4) एम, मार्टिन, बैस्क ग्राधिकारी

#### New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 142(E).—whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 467 (E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lanes in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil& Natural Gas Commission free from encumbrances.

# **SCHEDULE**

R.O.U. Pipe Line from Vadali

to Kaikalur 3

State: Andhra Pradesh

District : Krishna

Mandal : Mudrapalli

Village	S. No.	Hectares	Ares	Centares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Chevuru	33/3	0	09	0	0	22
	35/2	0	11	5	0	29
	36/1B	0	08	0	0	20
	37/B	0	02	0	0	05
	38/2B	0	.04	0	0	10
	38/IB	0	01	0	0	02
	34/2	0	01	5	0	04
Grand Total	· <u></u>	0	37	0	0	92

[No. O-12016/180/93-ONG-D-IV] M. MARTIN, Deak Officer

# नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का आ. 143 (म).---यतः पेट्रोलियम और बानिज पाइपलाइन भृति में अर्थाण के मधिकार का अर्थन द्यविनिधम 1962 (1962 का 50 की) धार 8 की उपवारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम भीर प्राकृतिय गैस मंतालय की प्रधिसुषना का मा. मा. मं. 468 (ई) नारीख 50/6/93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसुषना से मंतान अनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार की पाइपलाइनों की विछाने के किए अजित करने का अपना आध्य चौषित कर विथा था।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उसन प्रधिनियम की धारा 6 की उनधारा (1) के श्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे दें हैं।

त्रीर प्राप्ते, यतः केन्द्रीय सरकार ने उत्ता रिपोर्ट पर वित्तार कर ने के पश्चात् इस प्रधिसूचना ने संलग्न प्रमुख में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का प्रशिक्षकर प्रक्रिक करने का विनिश्चय किया है।

भव, भनः जन्त श्रविनियम की धारा 6 की जनप्रारा (1) द्वारा प्रदेत शकित का जनप्रात करने हुए केन्द्रीय सरकार एउट् द्वारा घोषित करती है कि इस श्रविस्चाना में संनम्न अनुस्थि में विनिर्दिष्ट जन्न भूमियों में जनप्रान का श्रविस्चाना में संनम्न अनुस्थि में विनिर्दिष्ट जन्न भूमियों में जनप्रान का श्रविकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एउट् द्वारा श्रवित किया जाना है।

भीए भागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रकत्त माकित्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश वेती है कि उनत सूमियों में उत्योग का अधि-कार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी वाधाओं से मुक्त कर में, घोषणा के प्रकालन की इस क्रारीख की निहित होगा।

अनुसूची पाइप लाईन लिमाला ए में लिमाला I

स्टैट: भ्राध्न प्रदेश

भिला: कृष्मा

भैडनः मृदिने पन्ति

	भार, एह, नं.	हेक्ट(स	प्री.	के निद्यास <b>ँ</b>	एक र्र	सेस्ट्र
<u> क्रिकेट</u> ा	380/1 <b>4</b> 02	0	03	0	0	07
	38 o <b>/</b> 2की	0	05	0	o	12
	382/4मी 3	0	0.5	5	0	15
	382/57/1	0	03	5	0	08}
	980/172	0	03	0	0	07
	<b>38.2/4</b> 7.2	0	12	0	ø	30
	382/4≅î	o	06	8	0	152
	382/र्ज्य≀1	Ō.	93	0	0	08
	383/ <del>/</del> 75	0	04	5	0	11
	375/2€2/2	41	05	5	0	14
	<b>383/3</b> ₹	0	04	0	0	10
	983/2 <sup>q</sup>	0	02	5	0	0.5
	91./s.8t	0	01	5	0	04
	387/16/3	0	05	5	0	13
	387/16/9	0	0.3	0	Ü	07
	3 <b>87/1सी</b> /1	0	06	5	. 0	16
	३७५/ चैथ/स्८	0	14	5	0	35
	<b>3 7 5</b> /2मीं≀	0	02	O	0	0;
	3.7.5/ <del>(स</del> ्	0	0.6	5	0	16
	375/1र् <del>व</del> ः	U	13	0	ø	0.3
	973/4	0	10	0	0	25
	372/1463	0	01	o	n	03
	3  7  2 /  1 बी /  2	ø	0.4	5	0	11
	375/17	0	0 7	0	0	0.5
कृत मिलाकर	1	0	28	0		15

#### New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 143(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 468(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appeared to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to require the right of u er in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby act, vired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by at b-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of the in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. Pipe Line from Ligidala A to Ligidala I

State : Andhra Pradesh	Distt. : Krishna	Mandal : Mudinepelli					
Vijlage	R.S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents	
Chiguru Kota	380/1B2	0	03	0	0	07	
	380/2B	0	05	0	0	12	
	382/4C/2	0	05	5	0	13	
	382/5A/1	0	03	5	0	08-1/2	
	380/1A2	0	03	0	0	Q7	
	382/4A2	0	12	0	0	30-1/2	
	382/4D	0	06	5	0	15-1/2	
	382/5B1	0	03	0	0	08	
	383/7A	0	04	5	0	11	
	375/2E2/2	0	05	5	0	14	
	383/3A	0	04	0	0	10-1/2	
	383/2A	0	02	5	0	05-1/2	
	383/1A	0	01	5	()	04-1/2	
	387/1C/3	0	05	5	O	13	
	387/1C/2	()	03.	0	0	07	
	387/1 <b>C</b> /1	0	06	5	0	16	
	375/2E2/C	0	14	5	0	35	
	375/2B	0	02	0	0	0.5	
	375/1C	o	06	5	Ü	16	
	375/1B	o	13	0	0	32	
	373/2	0	10	0	0	3.5	
	372/1В3	0	01	0	0	0.3	
	372/1B2	0	04	5	0	11	
	375/1A	0	02	0	0	05	
Grand Total		1	28	0	3	15	

[No. C-12016/181/93-ONG--D-tV] M. MARTIN, Desk Officer

#### नर्ड दिल्ली, 7 पारवरी, 1994

का. आ. 144(त्र).---मतः पेट्रोलियम और श्रीमय पाष्ट्रपत्ताईन भूमि में उपयोग के अधिकार का धर्मन अधिनयम, 1962 (1962 का 50) की बारा 3 की उपवारा (1) के अधीन भारत सरकार के पट्टोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.या. सं. 469(ई) तारीक 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलक्त अनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार की पाइपलाइनों को बिक्कान के लिए अभिन करने का अपना आश्रय कोचित कर वियाया।

भीर यक्त: सक्तम प्राधिकारी में सकत अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और धारो, यतः केलीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के एकास् इस अभिसूधना से संवास अनुसूची में विनिर्दिष्ट पूमियों में उपयोग का अिकार अभिन्न करने का विनिष्टक्य किया है।

326 GI/94-15

श्रव, श्रतः उन्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना में संलग्न अनुसूचों में विनिर्दिश्ट उन्त भूमियों में उपयोग का श्रिशकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद् द्वारा श्रीजत किया जाता है।

और मार्थ उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त जनतियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित्त होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैन शायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, शोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची ग्रार ओ फ्लो लाइन लिंगाला ए से लिंगाला । तक

स्टैट: म्रांग्र प्रदेश		जिला : कृष्णा			मंडल	: भुदिनेपत्सि
गांव	भ्रार. एस. नं.	हे <b>क्टर्स</b>	एर्स	सेन्टियर्स	एकसं	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6	7
चिनकामनपृडि	23—5 <del>\$</del> /2	0	0 2	5	0	061
	33 <del> 5डी</del> /3	0	02	5	0	06
	2:3 5ई/1	0	0 1	0	0	03
	23 5सी/3	0	03	Ð	0	07
	23—5€Î/2	0	03	0	0	07
	2850/2	0	03	0	0	08
	23-5-51/2	0	03	5	0	09
	2 3 5सी / 3	0	02	0	0	041
	2 3 4बी	0	03	0	0	07
	2 3 3बी	o	03	0	0	07-
	232बी	0	0.2	5	0	06
	26-17/2	0	03	5	9	09
	2114/4	0	03	0	0	07
	2 <b>3—— 1सी/</b> 2	o	03	5	0	09
	2314/2	0	03	5	o	09
	21 1ए 5/जी	Û	02	5	0	0 <del>6 1</del>
	21 1ए/ही	<b>G</b>	0.2	5	0	0.6
	21 1ए/बी	0	02	5	0	06
	19 2 पार्ट	0	03	0	0 -	$0.6\frac{1}{2}$
कुल मिलाकर	and the second section is a second second second second second section and second second second second second		53	0	1	30

[सं. को-12016/182/93—ओ एन जी--डी-4] एम. मार्टि, डेस्क, अधिकारी

### New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 144(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 469(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisiton of Right of User in Land; Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user inlands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification.

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

Total

स्टैट : सार य प्रदेश

R.O.U. Flow Line "LINGALA A to LIN ALA 1

19-2 Pt.

Mandai : Mudenepalli State: Andhra Pradesh Distt: : Krishna Hectare Acres Cents Village R.S. No. Ares 3 4 6 1 2 C623-5E/2 0 02 5 Chlnakamanapudi 0 06 23-5D/3 0 02 5 0 03 0 01 23-5E/1 0 0 0 07 23-5 C/3 03 0 07 23-5D/20 03 0 0 08 0 0 23-5A/2 0 03 0 09 03 5 23-5B/2 0  $04 \frac{1}{2}$ 0 020 23-5C/3 0 0 07 23-4B 0 03 07 23-3B 03 0 0 06 5 0 23-2B 0 02 21-1A2 09 03 5 0 07 0 0 21-1A/4 0 0.3 23-1C/2 03 5 0 09 5 09 0 23-1A/2 0 03 02 5 0 06 21-1 A5/B 0 5 0 06 1/2 21-1A/D 0 02 5 06 21-1AB 02 0

> [No. O-12016/182/93-ONG-D-IV] M, MARTIN, Desk Officer

> > विषोज नगनम

0

0

06 1/2

30

# नई किल्ली, 7 फरवरी, 1994

0

0

03

53

का. बा. 145(ब)---पतः पै तेलियम और खनिज पाइपलाइन भिन्न में उपयोग के अधिकार का अर्जन धार्धिनयम 1962 (1962 का 50) की बारा 3 की उपधारा (1) के मधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की प्रक्षिमुचना का. घा. मं. 470(ई) तारीख 30-6-93 हारा केन्द्रीय सरकार ते उस प्रधिसूचना से धंलम्न धनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग के प्रधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए प्रजिन करने का अपना अध्यय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्स व्यक्षिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट वे दी है।

और भागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्ष्यात् इस अधिमूचना से संख्या अस्सूखों में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग काँ जिल्लार अजित करने का विनिक्ष्य किया है।

श्रव, अतः उक्त **अधिनियम की धारा 6 की उपधारा** (1) द्वारा प्रदत्त सक्ति का अयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एस३द्वारा चोपित करती है कि इस प्रधिसूचना में संवयन प्रतृसूची में विनिदिष्ट उक्न मूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइपलाहन विष्ठाने के प्रयोजन के लिए एतद्दारा प्रजित किया जाता है ।

और श्रामें उस बारा की उपजारा (4) द्वारा अवस लिक्सियां का अयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उत्त भूमियों में उत्योग का व्यक्षिकार केन्द्रीय सरकार में निष्टित होने की बजाय तेल और पाकृतिक पैस क्षामोग में, सभी बात्राओं से मुक्त रूप में, बोषणा के प्रकाशन की इस तारीक्ष को सिहित होगा।

अनस र्चा

भार ओ यू गयास पाइप लाइन मानेपति 1 से जी सिएस नटिणका

जिला: पुरव गोवात्ररि मंजन : मानिविणश्रह गचि पारएसन. हेक्टास एसम सेन्टियासं एकसं सेस्टस 1 2 3 4 5 6 7 नगरम 8.2 0 0.30 0 0.8 *7-*— 5ए/सी 0 05 0 0 12

[भाग II-खण्ड 3(ji)]		भारत यो राजपञ्ज : भसाधारण							
1	2	j	4	5	6	7			
	6~~Ţ, 3Ţ, 5Ţ	(1	0.9	5	0	24			
	7 <b></b> -5वी	4)	0.3	5	0	09			
	6357, 47, 37	0	09	5	U	24			
	293	0	17	U	0	42			
	302	0	03	9	O	67			
	292	0	11	5	0	28			
	1 ६ ४ ६वर्ग	U	0.5	5	0	13			
	) ६४ <del></del> 5र्यो	U.	03	υ	0	08			
	1 68—- 4 <b>वी</b> , नहीं	U	10	o	0	25			
	1 67 <del>। डी</del>	ń	0.3	O	0	08			
	1 6 9 1 <b>U</b>	0	0.5	5	0	13			
<b>叶</b> 研		0	89	U	2	21			

[सं. आं-12016/183/93---ओ एन जी---डी-4] एस. माटिन, डैस्क श्रविकारी

Dietrict - Fast Godavari

#### New Delhi, the 7th February, 1994

5.O. 145(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 470(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Governmet hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

Mandal : Mamidikuduru

# SCHEDULE R.O.U, Gas Pipe Line from Manepalli-I to G.C.S. Tatipaka

State: Andhra Pradesh

Village: Nagaram

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents
Nagaram	8-2	0	03	0	0	08
	7-5A, C	0	05	O	0	12
	0-4A,3A,SA	n	69	5	O	24
	7-5E	0	03	5	n	09
	65-5A, 4A, 3A	13	09	5	0	24
	29-3	()	17	0	O	42
	3C-2	n	03	0	0	07
	29-0	4)	11	5	O	28
	168-6B	O	05	5	O	13
	168-5H	0	03	0	0	08
	168-4B, 4D	(j	10	0	0	25
	167-4D	0	03	0	0	08
	169-1A	0	0.5	5	0	13
Total		0	89	0	2	21

[No. O-12016/183/93-ONG-D-4] M. MARTIN, Desk Officer नर्भ विल्ली, 7 फरवरी, 1994

कार आर 146 (थ):-- वतः नेट्रोलियम और खानिज नाइ। त.इन ( नूमि में उपयोग के धाँपकार कः पर्वतः) प्रतिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के धधीन भारत संश्कार के पेंट्रोलियम और प्राकृतिक मैन मंत्रात्रप्र की शिक्षित्रमा कार प्रार्वित में 471 (ई) वारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उता अधिसूचना में संजन्त अनुपूची ने वितिद्धिय सृमियों में उपयोग के यधिकार का पाउननाइनी को बिजाने के लिए प्राणित करने का अपना आधार भोषित कर विया था।

और बतः सजम प्राधिकारी ने उक्त प्राधिनियम की धारा 6 की अपधारा (1) के सबीन गरकार को रिपोर्ट दे दी हैं।

और आहे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त स्मिटै पर विचार करने के पश्चात् इस व्याधिमुजना से सतस्य प्रवृक्षभी में विनिधिस्ट भूमियों में उनयोग का अधिकार अधिक करने का विनिध्य किया है।

श्रव, अतः उक्त श्रीर्धानयम की धारा 6 की अपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते तुए केन्द्रीय सरकार एनद् द्वारा घोषिन करते हैं कि इस श्रीर्धसुचना में सलग्न भनुसर्च<sup>।</sup> में निर्निष्टि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रीरुक्तार पाइएलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्क्षारा भणित किया जाता है।

और श्राणे उस धारा की अपचारा (4) हारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का यधि-कार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय नेल और शक्तिक गैम प्रायोग में. सभी बाधाओं से मुका रूप में, घोषणा के प्रकाणन की हम नारीख की निहित होगा।

भनुसूची
धार और यूर मैस पाइप लाइन मानेपल्लि-1 से जीर से र एसर नानिपाला गांव पेडापटमस् राज्य : भान्ध्र प्रदेश सक्का मामिडिक्कुक जिला पूर्वी गोववारि

गांव	यार एस नं०	हक्टास	एसं	मेन्टायसं	एक्वं	सेम्टस
<b>पेक्पट</b> नम	36-1	0	06	0	0	15
	36-2	0	9.0	Ó	$\alpha$	22
	36-3	'n	02	5	Λ	0.6
	38-1, 2	0	23	5	0	48
	39−1 मि	0	18	0	0	0.2
	د که راید مدادر شینان است. <sup>ای</sup> اسال است. با باید و باید و موجو <u>د هما</u> سم می	0	59	0	1	4.5

[सं | अते . - 12016/184/93-ओ एन औ की-4]

एम माहिन, शैस्क मधिकारी

## New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 146(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas. S.O. 471(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying s pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### **SCHEDULE**

# R.O.U. Gas Pipe Line from Manepalli-I to G.C.S. Tatipaka

Villa- : Pedapatnam

State , Andhra Pradesh

Mandal : Mamidikuduru

District : East Godavari

Village	R.S. No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents
Pedapatnam	36-1	0	06	()	0	15
•	36-2	()	00	()	0	23
	36-3	O.	02	5	O	06
	38-1, 2	O.	23	5	O	58
	39-1 pt,	0	18	0	O	44
	Total	0	59	0	1	45

[No. O-12016/184/93-ONG-D-4] M. MARTIN, Desk Officer

## नडे दिल्लं", 7 फ्यारी,1994

का आ 137 (अ).— यन पेट्राविक और प्रांतिक भाइनशहर मूनि में उपयोग के श्रीधकार का धर्मन प्रधिनियम, को 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (१) के अधीन भारत भरागर के पेट्रीतियम और श्राकृतिक मैन मंत्रातम की प्रविश्वतम कार थार गंर 172 (ई) नारीख 30-6-93 द्वारा केव्यान गरकार के उस प्रधिस्तान में गंपन प्रमुखी में विनिद्षत भूमियों में अपयोग के श्रीवकार की गाउनशहरों का अव्यक्तिक किए अजिन करने का श्रीमन कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्राधिनियां की पारा ६ की उपधारा (1) के प्रश्रीन राष्ट्रार की रिपोर्ट दें दी है।

**और भागे, यतः** केन्द्रीय सरकार न उक्त क्षिणाई पर विचार करने क पञ्चाल एस प्रधियुक्तना से संतम्न य**नु**गूली में विलिक्षिट भूकियो उपयोग का अधि-कार प्र**जित कर**ने का बिनिष्क्य किया है।

श्रव, सतः उक्त सिंधनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत मिना का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय अरकार एतदृष्टारा अर्थित करती है कि इस अधिसूचना में संसम्ब श्रनुसूचि में विनिधिक्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइक्लाइन विकास के प्रयोगय के लिए एतदृष्टारा प्रजित किया जाता 🎉 ह

बोर बारे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रक्ष्म शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देनी है कि उक्त भूभियों म उपयोग का प्रथि-कार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बचाय तेल और प्राकृतिक शैय प्रायोग में, सभी बाजाओं से मुक्त रूप में, शोपणा के प्रकाणन की इस नाशिव को निष्ठित होगा।

भनुसूर्च। भार ओय वैस पाषप नाधन मानेपल्लि । सं सीजी एम नारियाला

स्टेट: मान्ध्र प्रदेश

-जिला पद्यो गोदवरि

मळ्याः मामितिकहरूम्

गवि	भारएस नं०	हेक्टा <b>र्स</b>	<b>ए</b> में	से स्टिएसं	ग्युर	सेम्टस
1	ć	J	4	5	6	7
पानेपलि	235-डबी	0	0.3	(1	0	03
	ā <del>मी</del>	'1	0.3	5	1)	0.9
	335-53î	a	0 +	11	o	03
	237-17	ŷ	0.2	n	r)	0.5
	2.37-20	Q.	0.2	(1)	0	0.5
	2 <b>3 7<del></del> 3</b> ए	•1	04	*)	0	10
	237 <b>~4</b> 5	r ş	0.3	5	0	99
	237-50	()	9.1	~	0	24
	2 3 7- उसी	()	0.1	á	11	04
	237-6₹	0	υş	5	0	1)9
	γυ	n	0.3	5	5	ŋ3
	237 <b>- 7</b> वी	U	04	5	0	11
	258-V	L,	0.2	5	r)	06
	2 4 8 <del>-</del> 2 <del>\u2</del> \u2	12	1 3	5	(1	33
	2 4 9— 2मी	0	06	()	Ø	15
	2 4 7:- 1 <sup>-7</sup>	U	07	5	O	19

			10.001001	1112211 1 1221	THE GALLILE OF	, ,
7	6	5	4	3	2	1
11	0	5	04	0	247-1वी	and the second
13	0	5	05	0	2 4 7— 1सी	
22	0	0	09	0	2 4 7 – 2 ए	
0.5	- 0	0	02	0	246-2	
2,5	0	0	10	0	455-1बी	
04	0	5	01	0	455-2T	
07	o	0	03	. 0	455-2वी/2	
31	0	5	12	0	455-2 <sup>4</sup> 1/2	
					455-2डी/2	
42	0	0	1 7	0	460-ए 2 पार्ट	
16	0	5	06	0	461-पार्ट	
13	0	5	05	0	478-30	
0.6	0	5	02	0	478-3बी <b>पार्ट</b>	
16	0	5	06	0	479-1बी	
0.5	0	0	02	0	478 <b>-</b> 1ए पार्ट	
0 4	0	5	01	0	479—1डी	
21	0	5	0.8	0	479-4बी	
13	υ	5	0.5	0	479-4मी	
0.9	0	0	03	0	476-3बी	
					Tá.	
95	0	0	02	0	473-29ी	
- 31	4	5	73	1	-	

[सं • ऑ • 12016/185/93-ओ एन जी डी 4]

एम. माटिन, नैस्क प्रविकारी

# New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 147(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 472(E) dated 30-6-93 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands secified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

Mandal: Mamidikuduru

R.O.U. Gas Pipe line from Maneapalli 1 to G.C.S. Tatipaka

District: East Godavari

State: Andhra Pradesh

S. No. Hectares Village Ares Centiares Acres Cents 235-5B Manepalli 0 03 0 0 80 5C 0 03 5 0 09 235-5D O 0 03 0 08 237-1A 0 02 0 0 05 237-2A 0 02. 0 0 05 237-3A 04 0 10

		15.1 11 210.171 - 31.11.1				117
1	2,	3	4	5	6	7
Manepulli (Contd.)	237-4A	0	03	5	()	09
	237-5A	0	01	5	0	04
	237-514	Ø	01	5	0	04
	237-6A	0	03	5	0	09
	237-7A	0	03	5	0	09
	23 <b>7-7B</b>	0	04	5	0	11
	258-A	0	02	5	0	06
	248-2A	0	13	5	0	33
	249-2B	0	06	0	0	15
	247-1 A	0	07	5	0	19
	247-1В	0	04	5	0	11
	247-1C	O	05	5	0	13
	247-2A	0	09	0	0	22
	246-2	0	02	0	0	05
	455-1B	0	10	0	0	25
	455-2A	0	01	5	0	04
	455-2B/2	()	03	()	ø	07
	455-20/2	0	12	5	ø	31
	460-A2 pt.	0	17	0	0	42
	461-pt.	0	06	5	0	16
	478-3A	0	05	5	0	13
	478-3B pt.	0	02	5	0	06
	479-1B	0	06	5	Ö	16
	478-1A pt.	0	02	0	0	05
	479-11D	0	01	5	0	04
	479-4B	0	08	5	0	21
	479-4C	0	05	5	0	13
	47 -3 7	Ō	03	O	()	08
	4A } 473-2 <b>? j</b>	0 0	02	o	0	05
Total		l	73	5	4	31

[No. O-12016/185/93-ONG-D-4]
M. MARTIN, Desk Officer

# नई विल्ली, 7 फरवरो, 1994

का॰ ग्रा॰ 148 (प्र):--श्रतः पेट्रोलियम और खर्निज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के प्रधियार का श्रजंन श्रधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपभारा (1) के भ्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक वैस मंत्रातय की प्रधिगृतका था॰ श्रा॰ संव 473 (स) नारीज 30-6-03 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रधिभूतका से संलग्न भनूसकी में विनिद्दित्य मूमियों में उपयोग के श्रधिकार की पाइएलाइनों को विरुद्धि में विश्वति करने कि श्रपता श्राण्या घोषित किया था।

और यक्त सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा ६ ई. उस्तरा (1) के परीत नरहर का लिएट दें दी हैं।

और श्रामे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के गण्याक्ष **इस प्र**धिमचना से गंजरन घनुनुकी में विनिदिष्ट मूमियों में उपयोग का **प्रधि**-कार **धणित** करने का विमिण्यय किया है।

धव, मतः उक्त मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा पदल गक्ति का पर्योग करने हुए केन्द्रीय नरकार एनद्भारा घोषित करनी है कि इस मधिसूचना में संलग्न प्रतुसूची में विनिधित्य उक्त भृमियों में उपयोग का भ्रमिकार पाङ्गलाङन विग्राने के प्रयोजन के लिए एनद्भारा घणिन किया जाला है।

और आने उस धारा की उपधारा (4) द्वारा द्वारा प्रथत शक्तिमों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उत्योग का ग्रिकार केन्द्रीय मुरकार में निहित होने की बजाय तील और प्राकृतिक गैस भागीय में, मभी याधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाणन जी **इस नागीय** को निहित होगा ! ग्रार॰ भी य गवस गाइप लाइहर मानेपल्लिनी से जि॰ पि॰ रास गाढिपाका

स्टेट : ब्रास्थ्र प्रदेश

विलेखः वाद्रेवपितः भंग्रजः गःवरम जिलाः पूरव गोदवरी

						ाजलाः दूरम् गादम् रा	
गांव	भार० एसन ०	ह् <b>यटा</b> र्स	<i>एर्च</i>	सं	तटि एर्स ः	मानसं सेन	स
l	2	3		4	5	6	7
ताब्रेब्पिलिय	51 <b>−2वी</b>		0	28	5	0	7
	3™, 3€t						
	5 2 <b>~ 1</b>		0	18	0	n	4.4
	5 3 <b>-</b> -ए		0	0.2	5	0	0
	5 7~- 177,		0	0 2	5	0	0
	584 <sup>Q</sup>						
	58—1र्थी		0	03	0	0	0
	5 <b>8— 1र्स</b> ी		0	14	5	0	3
	58-271		0	0.6	0	0	1
	2वी 2						
	<b>5</b> 8- 2वी 3		0	03	0	0	0
	4 3-2		0	0 2	0	0	0
	4 4→ 3वी		0	10	5	0	2
	42-IT.		0	0.4	0	0	1
	73-2 <b>ए</b> 1		0	1 #	0	0	3
	<del>वि</del> ी 2						
	7 8 6सी		0	0.3	0	0	0
	7 <b>6— 1 वीर</b>		0	0.3	0	0	0
	7 9 <b>→ 1</b> ₹ 2		0	0.3	0	0	0
	7 7 <b>~ 3ए</b>		0	0	5	0	0
	76-1 <b>T</b>		U	03	0	0	0
	76-172		0	0.8	5	0	2
	1मी 2						
	1सी 1						
	97-34		0	01	0	0	0
	96-2भी		0	0.4	0	0	1
	7 4— 1 पी		0	17	O	0	4
	93-102		ō	0.5	0	0	1
	93-173		o	0.5	5	0	1
	9 6 4बी		0	01	0	0	0
	9 6— 1 <sup>1</sup> 2		Ø	03	o	0	C
	96-1मी 3		0	0.7	5	0	1
	96-2वी 1		0	0.9	5	0	2
	9 <i>7</i> —1Ų		0	02	ij	0	C
	97371		0	08	n	0	2
	3मी 2		v	• •		_	_
	97-19ी		v	03	0	0	C
	9 <b>73दी</b> 1		0	02	0	0	C
	97-3511 97-4 <b>4</b> €11		0	06	5	0	1
	97—4•€। 1 4सी 2		v	00	,a	v	•
	100-2		0	02	(1)	0	C
	99-3 <del>8</del> 71			02	ა 0	0	C
	34-3411	-,	0		··············	······································	·
			2	0.8	5	5	]

[सं॰ भो॰-12016/186/93-ओ एन जी-धी4] एम मार्टिन, धैरक मधिकारी

#### New Delhi, the 7th February 1994

S.O. 148(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 473(E). dated 30-6-1993 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act 1962 (50) of 1962), the Central Government declared it's intention to require the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

AND WHEREAS the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

AND FURTHER Whereas the Central Government has after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

NOW THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, thes Central Govern-hereby decalres that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired ment for laying the plpcline;

AND Further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### SCHEDULE

R.O.U. GAS PIPE LINE FROM MANEPALLI-I TO G.C.S. TATIPAKA VILLAGE-VADREVURALLI

STATE--ANDHRA PRADESH MANDAL- CANNAVARRM DISTRICT-EAST GODAVARI

		I-EASI GODA	DAVAKI			
Village	R.S.NO	Hectares	Areas	CentiAres	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Vabrevuralli	51-2B, 3A, 3D	0	28	5	0	70
	52—I pt	0	18	0	0	4
	53 A	0	02	5	ø	0
	57—1 <b>A</b>	0	02	5	0	0
	58-4A					
	58 —1 B	0	03	0	0	8
	58—1C	0	14	5	0	3
	58.—2A1 7 58.—2B2 }	0	06	0	0	1
	58—2B3 )	0	03	0	0	€
	43—2	0	02	0	0	C
	443B	0	10	5	0	2
	42—A	0	04	0	0	
	78 = 2A1, 3B2	0	14	0	0	3
	72 ~ 6C	0	03	0	σ	
	76—1 <b>B</b>	0	03	0	O.	(
	79—1A2	0	03	0	0	(
	87—3A	0	0	5	0	(
	76—1A	0	03	0	0	ď
	78 = 1A2, 1B2, 1C1	0	03	0	O	
	97—3B	0	01	0	0	i
	962B	0	04	0	0	
	74 1 B	0	17	0	O	
	93 - IA2	0	0.5	0	0	
	831A3	0	0.5	5	0	
	96—4 <b>B</b>	0	01	0	0	
	76—1 <b>A</b> 2	0	03	θ	0	
	96-1B2	0	07	5	υ	
	96—2B1	0	0 <b>9</b>	5	0	
	76—1 <b>A</b> ,	0	02	0	0	
	97—3A,1· 3B2	0	08	0	0	:
	77—1B	0	03	0	0	ī
	97—3 <b>D</b> 1	0	02	0	0	
	97—4B1	0	06	5	0	
	1002	0	02	0	0	(
	77 – 3C1	0	02	0	0	
		2	08	5	5	

[No. O-12016/1986/93-ONG\_ D.4] M. MARTIN, Desk Officer

## नई दिल्ली, 7 फरकरी, 1994

कार्या 149 (छ):- यतः पेट्रोलियम और खानिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के मिश्रिकार का छर्जन प्रश्वितियम, 1962 (1962 का 50) की छारा 3 की उपधारा (1) के छ्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैम मंत्रालय की प्रश्चित्त्वना कार्य छार्य मंश्य 474 (ई) तारीचा 20-6-93 हारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रश्चित्त्वा सं संत्रान अनुभूषी में वितिहिट स्थिती में उत्तर्शा के प्रशिक्ष का पश्चित्त हों। को थिलाने के लिए छिजन करने का छपना छात्राय भोषित कर दिया था :-

और यमः मक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन भरकार की उनेही दे दी है।

और धारो यत. केदीय गरकार ने उक्त रिशंट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसुचीना से सलग्न बनसूची में विनिद्धिष्ट भूमियों उपयोग का श्रीधा कार प्रजित करने का विनिध्चय किया है।

श्रव, भ्रतः उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) इतरा प्रदत्त मिक्त का प्रयोग करते हुए केस्ट्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस ग्रवित्यना में संसम्न भनसूची में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार पाइपलाइन विष्ठाने के प्रयोजन के लिए एतव्दारा ग्रवित किया जाता ≹।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मिक्कियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त मृसियों में उपयोग का मधि-कार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैम भायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, धोषणा के प्रकाणन की ६स नारीख की निहित होगा।

अनुसूची

न्नार ओ युलाइन मोरी-2 से इपिएस मोरी

ज <b>न</b> पद	भंडल	गां <b>व</b>	सर्वे नं ०	हैक्टर्स एकड़	विचार
1	2	3	4	5	6
पुरव गोबावरी मचिनेटिपल्ली	म <b>खि</b> नेटिपल्ली	केसबदासुपालेम	148/1 बी 2 3वी 148/3सी पार्ट <b>ो</b>	0.085	
			1 4 9 / 1 पार्ट } 2 पार्ट }	0.070	
			1 <b>4 9/ 2पार्ट</b>	0.045	
			ा 4.9/ <b>2</b> पार्ट	0.050	
			1 50 <b>/ 4 पार्ट</b>	0.030	
			1 50 <b>/ 5 पार्ट</b> 1 <b>5 1/ 1 पार्ट</b> ्री	0.085	
			2 पार्ट		
			3 पार्ट }	0.115	
			4 पार्ट J		
			151/5 पार्टे ो	0.040	
			6 पार्ट ) 1 <b>5 1/8 पार्ट</b> }	0.045	
			9 पार्ट 🕽		
			1 <b>5 1/9पार्ट</b> ्री	0 075	
			1 5 2 / 1 पार्ट ∫		
			152 पार्ट	0,025	
			152 সাই	0.025	
			1 5 2 / 1पार्ट	0.050	
			1 5 2/ 2 पार्ट	0,090	
			1 5 2/ 3 पार्टे	0.055	
			1 <b>5 2/ 4 पार्ट</b>	0.010	
			1 5 3 पार्ट	0.010	
				0,905	

J	2	3	4	5	6
रव गोदावरी	मरिवनेटिपल्ली	नेस <b>व</b> दासुपालेम	बी० एफ०	0,905	
			1 5 5 पार्ट } 1 6 7 पार्ट }-	0,130	
			168/5 पार्ट	0,130	
			155/1पार्ट 🗋	0.055	
			155/1 पार्ट 🗲		
			1 5 7 / 4 पार्ट ∫	0.115	
			1 5 5/ 2 पार्ट 🔵	0.020	
			155/3 पार्ट }- 4 पार्ट }	0.020	
			167/1 पार्ट ]	0.030	
			1 68/3 पार्ट <b>}</b>	0.085	
			4.पार्ट ∫		
			155/2 ਜਵੇਂ	0.020	
				1.380 हैं कटर्स	
				या	
				3,40 更審集	

[सं० ओ--12016/187/93--ओ एन जीडी-4] एम० मार्टिन, डैस्क प्रधिकारी

# New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 149(E). —Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 474(E) dated 30-6-1993 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in I and) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands spelfied in the schedule appended to that notification for the purpos of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Nov the Jefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And Further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. LINE FROM MORI-2 TO EPS MORI

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area in Heet/Acres	Remarks
1	2	3	4	5	6
East Godavari District	Sabhinet Palli Mandal	Kesavadasu Palem	148/1B <sub>2</sub> , 3B	0.085	<del></del>
			148/3CPt	0.070	
			147/1 pt, 2 pt		
			149/2 pt	0.045	
			149/2 pt	0.050	
			150/4 pt	0.030	
			150/5 pt	0.085	
			151/1pt, 2 pt, 3 pt, 4 pt.	0.115	
			151/5 pt, 6 pt	0.040	

				<u>-,</u>	
1	2	.3	4	3	6
	· - <del></del> -	Kesayadasupalem Concld.	151/6 pt, 9 pt.	0.045	
		, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	151/9pt ] 152/1 pt ]	0.075	
			152 pt	0.025	
			152 pt	0.025	
			152/1 pt	0.050	
			152/2 pt	0.090	
			152/3 pt	0.055	
			152/4 pt	0.010	
			153 pt	0.010	
			155 pt, 167 pt \\ 168/5 pt \\ \]	0.130	
			155/1 pt		
			155/1 pt 157/4 pt	$0.055 \\ 0.115$	
			155/2 pt	0.020	
			155/3 pt, 4 pt.	0.020	
			167/L pt·	0.030	
			168/3 pt., 4 pt.	0.985	
			155/2 pt.	0.020	
				1.380	Нсе
				or	
				AF 3.40	

[No. O-12016/187/93-ONG-**D-4**] M. MARTIN, Dask Officer

#### गई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

कार थार 150 (थ्र):— यन पेट्रोलियम ओर खनिज पाध्यलाइन (भूगि में उपयोग के मधिकार का प्रजान) श्रातिषम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उत्पादा (1) के अबीन भारत सरकार के दिल्लियम और शाकृतिक की तीशालय की शिधमूनना कार आर सेर 475 (अ) नारीफ 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उद अधिमूचना में संदान अनुपूर्वा में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग के श्राधिकार की पाइपलाइगों की थिटाने के लिए श्राजित करने का ध्रमना श्रायस घोषित कर दिया था।

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे ही है।

और प्रामे, यत. केखीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विधार करने के पण्यान् इस ब्रश्चिमृवना से संजग्न शन्मूच में विनिद्याट भूमियों में उपयोग का धाधि -कार प्रजित करने का विनिध्यय किया है।

अब अतः उपन अधिनियम की धारा की उपदारः (1) ढारा प्रदत्त शक्ति का प्रधान करने हुए केन्द्रीय मरकार एनश द्वारा घोतित करती हैं कि इस प्रधिसूचना ने संजयन प्रमुख्या में विनिदिष्ट उक्त स्मियों मे उपयोग का प्रधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के जिए एनद्शारा शक्तिन किया जाता है।

और आये उस धारा की उाआरा (1) द्वारा प्रचार प्रकियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूभियों में उपयोग का आधि-कार केन्द्रीय सरकार से निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक यैंग श्रायोग में, सभी बाधाओं में मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारी ख कं, निहित होगा।

धनुसूची ब्रागओं युगाइम लाईन तक मीरिन-ए (1) से मीरिक कि पि० एस

जनपद	त <b>हस</b> ेल	ग्र (म	सर्वे तं०	क्षेत्रफल हैक्टेयर्स/ एकड् में	विष्यरण
पुरुब गोदायरी	============ मलिकिपु≄म	केसयबासपाले म	256-2	0.010	
•			256-3	0.115	
			256~4	0! 095	
			257⊶।बी	υ. 170	
			<del>-</del> ··	·····	

1	2	3	4	5	6
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·			258-141		0.035
			7.28144		0.015
			$2.5.3 \pm 4.0$ ]		0.015
			2 6 1 1ৰ্ৰা		0.035
			2 6 1 1र्भी		0.035
			261-151		0.070
			265-2		0.190
			2 હ 2→ 1થી1		0.090
			$2 \times 2 - 20$		0.025
			218-2		0.025
			216- ১নী		0.040
			216-40/2		0.060
			$2.16 - 40 \frac{1}{4}.4$		0.040
			216-2		0.060
			2 1 4 2वी		0,120
					 ].245 ह्वस्पर्म
					पा
					3.07एकाङ्

[म°० ओल-12016/188/93-ओ एन जी-धीड़] एम० माटिन, डैस्क स्थितारी

#### New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 150(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 475(E) dated 30-6-1993 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification bereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

ROU Pipeline From Mori A(G) to Mori E.P.S.

District	Mandal	Village	Survey Nos	Area in Hectares Acres	Remarks
1	2	3	4	5	6
East Godavari	Malikipuram	Kesayadasupalem	256-2	010.0	
	-	•	236-3	0.115	
			256-4	0.095	
			257-1B	0.170	
			258-1B	0,035	
			258-JC	0.015	
			258-2A	0,015	
			261-1J.	0.035	
			-61-IC	0.035	
			261-11)	0.070	
			263-2	0.190	

जिला परव गोवावरी

4	5 ,
262–1 B	0.090
262-2A	0.025
218-1	0.025
216-5B	0.040
216-4A/2	0.060
	0,040
216–2	0.060
214–2B	0.120
Total	1,245 Hectares
	(Or) 3,07 Acres
	218-1 216-5B 216-4A/2 216-4A/4 216-2

[No. O-12016/188/93—ONG-D.4]
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1994

का० आ० 151 (प्र):—— यत पेट्रोलिलियम और खनिज पाइपलास्त भूमि में उपयोग के प्रधिकार का धर्जन शिक्षित्यम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राक्कृतिक गैंस मंत्रालय की श्रिष्ठसूचना का० आ० सं० 476 (ई) तारीख 30-6-93 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के प्रधिकार की पाइपलाधनी को बिछाने के लिए प्रजित करने का अपना आणय घौषित कर दिया था।

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय मरकार ने उक्त रिपोट पर विवार करने के पश्चात् अस प्रक्षिमूचना से संलग्न प्रमुख्यि में विनिधिष्ट भूमियों में उपगाग का श्रीधकार प्रजित करने का विनिश्चय किया है।

श्रव, ग्रातः उक्त श्रविनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते कुए. केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रविभूचना में संलग्न श्रनुसूचि में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रविकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा श्राजन किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देवी है। कि उक्त भूमियों में उपयोग का ऋधि-कार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैंस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, भोषणा के प्रकाशन की इस सारीख को निहित होगा।

धनुमूची स्रार ओ यू गैम पाइप लाइन पसरनापुत्री 9 से पसरलापुत्री 8

जनपद	तहसील	<b>फा</b> म	सबै नं०	क्षेत्रकल हैक्टर में /एकड में विवरण		
1	2	3	4	5	6	
्रब गोवावरि जिला		पेहरू	38/ 5बी 1	0.025		
			38/5ਵੀਂ 3	0.030		
			3 8/ 5शी 1	0.010		
			38/ <b>6व</b> ी	0.055		
			38/6 2 जी 2	0.010		
			38/5बी 1	0.055		
			5 <b>7/</b> 2सी 2	0.075		
			49/8 <sup>r</sup> ₹	0,235		
			5 <b>7</b> / 1यी 2	0.120		
			5 6/ 2 <b>ए</b> 2	0.055		
			2बी 2	0.075		
			3मी	0.090		
			2 40/ 3वी	0.110		
			4सी	0.095		
			4.9/3m	0,095		

1	2	3	í	5	Ú
<del></del> पुरक्ष गीदसरी	भ्रमला <b>पु</b> रम	पेष्ठक समाप्य	5 5/2	0 020	
	•		† 8√ 9µ	0.025	
			282/1ৰীT	0.095	
			ſμ̈́	0.090	
			2बी	0 035	
			283/1सी 2	0 140	
			283/ए।	0.045	
			1र्वा 2	0 045	
				1.630	
			बी ० एफ ०	1.650	
			2 4 5/ 3र्ब १	a.110	
			2र्स्म	0.110	
			2 4 5 j 2र्बी	0.040	
			2.4 <i>5  5</i> जी 2	0.060	
			2 ·1 5/ 5बी t	0.040	
			$241/4\overline{0}2$	0.130	
			2 त 1/ 4वी 2	0.075	
			2 4 1/5 <b>व</b> ी	0 025	
			7 14	0 020	
			240	0.020	
				2.260	
				5.58	

मिं॰ ओ—12016/139/93-आ एन आं शी ] एम॰ भाउनि, औरह प्रविकारी

# New Delhi, the 7th February, 1994

S.O. 151(L).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 476(E) dated 30-6-1993 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

# SCHEDULE ROU Gas Pipeline from Pasarlapudi 9 to Pasarlapudi 8 in East Godavari District

District	Mandul	Village	Survey Nos,	Area (in Hectares Acres)	Remarks
1	2	3	4	5	6
East Godavari District	Amalapuram	Poruto	38/5B1 38/5D3	0.025 0.030	

1	<u>-</u>		.4	5 6
East Godavari	Amalapuram	Poruru-Concled	38/5D1	0.010
District :- Crnclo.	Canald.		38/6B	0.055
			38/6B 2	0.00,0
			38/5B1	0.055
			57/2C2	0.075
			49/8A	0.235
			57/1B2	0.120
			56/2A2	0.055
4			2B2	0.075
			3B	0.090
			240/3B	0.110
			4B	0.095
			49/3A	0.095
			55/2	0.020
			49/49A	0.025
			282/1B1	0.095
			282/1A	0.090
			282/2B	0.035
			283/1C2	0.140
			283/A1	0.045
			28 <b>3/B</b> 2	0.045
			245/3B.	0.110
			2C	0.110
			245/2B	0.040
			245/5B2	0.060
			245/5B	0.040
			241/4A2	0.130
			241/4B2	0.075
			241/5B	0.025
			58	0.020
			240	0.020
				2,260 Hectares
				or 5.58 Acres

[No. O-12016/189/93-ONG-D.4] M. MARTJN, Desk Officer

# नई दिल्ला, 7 फरवरी, 1994

का० ग्रा॰ 152 (ग्र):— यतः पेट्रालियम और खिन्ज पादण्यादन भूमि में उपयोग के यिविकार का ग्रांग प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उ धारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रालियम और पाक्रिक गैम महालय की प्रधिमूचना का० ग्रा॰ मं॰ 477 (ई) नारीय 50-6-93 हारा केन्द्रीय मरकार ने उस प्रधिमूचना में मंजरन चनुमूची में विनिधित्य भूमियों में उपयोग के यिधिकार की पाइपलाइनों को विद्याने के लिए ग्राजित करने का श्रपना प्राणय घोषिन कर दिया था।

और यनः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा ७ को उपध्यम (1) के प्रधान सरकार को रिपोर्ट वे दी है।

और द्यारे, यतः केन्द्रीय भरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विवार करने के पण्यात् इस श्रीधमुखना से संख्या अनुभूची में विनिद्धिय भूभियों में उत्योग का अधिकार अजित करने का विनिध्यय किया है।

श्रज, ग्रनः उक्त श्रविनियम की धारा ७ की उपधारा (1) आरा प्रदत्त सक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एक्क्शरा घोषित करती है कि इस श्रविस्**चना में मंतरन श्रनुसू**र्क में विनिदिग्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रविकार पाइपलाइन विख्यान के प्रयोगन के लिए एक्क्शरा श्रवित किया जाता है।

और मार्ग उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदल शिक्षियों का प्रयोग करते हुए केसीय संस्कार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधि-वार केसीय सरकार में लिहित होने की यात्रय तेल और पर्कृतिक वैस सामेल के सभी अधार्थ के जुन्ह ार्कि, भोषणा के प्रकाशन का उस वार्यक की निहित होगा।

श्रनुमध। श्राप्तः आंश्रयुः नाहम भिन्तमाननी मिसे 14 टी पीइन्ट

जनपद	<b>त्रश</b> ील	ग्र€स	सर्व न ०	क्षेत्रफल हैत्त्देयर/एकड में विवर
<del>====================================</del>	राजीव		349/पार्ट	0.050
			३50 <sup>7</sup> 2 पार्ट	0.080
			350/3 440/2972 440/4	0 050 0.070
			440/6	0.070
			4 4 1 /पार्ट	0 170
			4 12 पार्ट	0.070
			4 4 2/ 3पार्ट	0.100
			4 4 4 TZ	0.010
			444 पार्ट	0.015
			448/3	0.090
			इ.३.१,पार्ट	0 245
				0.090 हैंग्टमं
				या
				2 14 <b>एक</b> 里

[संव अं:-12016/190/93आं एक जीवडी-4] एम० माटित, डेस्क श्राधकारी

#### New Dolhi, the 7th February, 1994

S.O. 152(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. JNo. 477(E) dated 30-6-1993 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared tits intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. Pipeline from Chintalapalli-I TO 14" T Point

District	Mandal	Village	Survey Nos.	Area (in Heet, Acres)	Remarks
1	2	3	4	5	6
East Godavari	Razole	Sivakodu	349/Pt	0.050	
			350/2 Pt	0.050	
			350/3 440/2 Pt } 440/4 }	0.050 0.070	
			440/6	0,070	

170	THE GAZETTE OF INDIA: EXTRAOR	WINARY [PAR	ат II—Sec. 3(ii)]
	4	5	6
	441 Pt	t 0.170	
	442 Pt	0.070	
	442/3	Pt. 0.100	
	444 Pt	t 0.010	
	444 Pt 448/3	0.015 0.090	
	531 Pt	0.245	
		0.990	Hectares
		or	
		2.44	Acres

[No. O-12016/190/93 ONG-D4] M. MARTIN, Desk Officer